हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

नववर्ष विशेषांक
स्वागत 2024

संकल्प के सूरज से फूटीं बदलाव की असंख्य रश्मियां इनसे ही अपना रोशन जहां

बीता हुआ लम्हा इतिहास का हिस्सा बनता है और आने वाला पल उम्मीदों का सैलाब लाता है। हरिभूमि टीम ने इन दोनों पहलुओं को छुआ। हमने इतिहास बन चुके लम्हों को सलीके से जीने वाले उन शख्सियतों के प्रेरक कारनामों को टटोला, जिन्होंने कमजोरी या कमी को खुद पर हावी होने नहीं दिया। उन्होंने बदलाव के संकल्प को मुकाम तक पहुंचाया। उनके काम सराहनीय और अनुकरणीय हैं, उम्मीद जगाते हैं और समाज के सुदृढ़ीकरण की राह आसान करते हैं। यह एक पहलू था और अब बात दूसरे हिस्से यानी आने वाले पल की....तो साल 2024 के सूरज की पहली किरण बस धरती को चूमने ही वाली है। आने वाला पल बेहद खास है। देश-दुनिया और समाज में सकारात्मक बदलाव की बयार का भरोसा दिलाते नए सूरज का स्वागत कीजिए। हमने देश, प्रदेश के उन इलाकों की खूबसूरत तस्वीरों को उकेरा है, जहां आसमां से उतरती सूरज की पहली किरण ने धरा को जन्नत बनाया हुआ है।

सीखिए उस गांव से जहां देश में सबसे पहले उगता है सूरज

आदिम तरीके से बनता है भोजन अदरक-लहसुन वाला खाना...

नतीजाः कोई बीमार नहीं पड़ता अस्पताल की कभी जरूरत नहीं

अरुणाचल प्रदेश से वाइल्ड फोटोग्राफर मोगे रिबा

अरूण का अंचल अर्थात अरूणांचल। यहां के डोंग गांव में ही भारत में सबसे पहले सूर्योदय होता दिखाई देता है। जब हम और आप गहरी नींद में सो रहे होते हैं, तब लोग यहां दिन की शुरुआत कर चुके होते हैं। गर्मियों के दिनों में तड़के 3 बजे से ही सूरज दस्तक दे देता है। लालिमा छानी शुरू हो जाती है। ठंड के दिनों में भी 4 बजे के करीब सूर्योदय हो चुका होता है। सूरज सबसे पहले उगता है तो सूर्यास्त भी सबसे पहले। शाम 4 बजे अस्त होना शुरू होता है और शाम 5 बजे तक यह गांव पूरी तरह से अंधेरे में डूब चुका होता है। यह गांव है अरुणाचल प्रदेश का डोंग घाटी में स्थित डोंग गांव। यह धरती से करीब 1240 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है।

स्थानीय निवासी और वाइल्ड लाइफ फोटोग्रोफर मोगे रिबा ने हरिभूमि के लिए ढेर सारी तस्वीरें खींची। बेहद खूबसूरत और मन को मोह लेने वाली तस्वीरें। जब सूरज की पहली किरण इस मोहक धरा को छूती है, और तब जब सूरज डूबने लगता है। यहां सब खूब प्रसन्न रहते हैं और स्वस्थ भी। कैसे? स्थानीय लोगों ने इसके कारण हरिभूमि से साझा किए। लोग कहते हैं कि हमारे स्वास्थ के लिए सबसे खतरनाक है फास्ट फूड। डोंग घाटी के लोग फास्ट फूड से दूर हैं। यहां अब भी आदिम तौर-तरीकों से ही भोजन बनाया जाता है। तेल-मसालों का प्रयोग नहीं के बराबर होता है। यही वजह है कि यहां अस्पताल में खान-पान और रहन-सहन से जुड़ी बीमारी के मरीज गिनती के ही पहुंचते हैं।

रायपुर से रुचि वर्मा की रिपोर्ट.

प्राइवेट नहीं

केवल सरकारी स्कूल

स्थानीय निवासी और वाइल्ड लाइफ फोटोग्रोफर मोगे रिबा ने हरिभूमि के लिए ये तस्वीरें खींची हैं। वे बताते हैं कि डोंग में आबादी अधिक नहीं है। यहां प्राइवेट स्कूल नहीं हैं। केवल सरकारी स्कूल ही हैं। ठंड के दिनों में 3.30 तक स्कूल बंद हो जाते हैं। यदि पहाड़ों में चढ़कर सूर्योदय का नजारा देखना हो तो रात 2.30 बजे से ही चढ़ाई शुरू करनी पड़ती है।

छत्तीसगढ़ में सूरज की पहली किरण यहां

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के 28 वें जिले के रूप में अस्तित्व में आए गौरेला- पेंड्रा- मरवाही जिले को प्रकृति ने दिल खोलकर अपना आशीर्वाद दिया है। इसका पता यहां की सुंदरता से चलता है। समुद्र सतह से 3600 फीट की ऊंचाई पर स्थित राजमेरगढ़ की पहाड़ियों और इसके पास ही स्थित धरमपानी से दिखने वाले जिले की घाटी का नजारा पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। यहां पहाड़ियों से जब नीचे की ओर देखा जाए तो एक दिल की भी आकृति दिखाई देती है। ऐसा लगता है कि यह घाटी प्रकृति का शरीर है और उसके बीच में बना दिल प्रकृति का दिल है, जो लगातार हरियाली के रूप में धड़क रहा है। धरमपानी में ही मां काली की गुफा स्थित है। दुर्गाधारा, माई का मड़वा, माई की बगिया, कबीर चबूतरा सहित अन्य पर्यटन स्थल है, जो अमरकंटक आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

घाटी के बीच प्रकृति का दिल

3600 फीट की ऊंचाई पर राजमेरगढ़ की पहाड़ी

सब कुछ प्राकृतिक

नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया में अधिकारी बिनायक दास बताते हैं, यहां सबकुछ प्राकृतिक है। कोई भी टूरिस्ट स्पॉट ऐसा नहीं है, जिसे तोड़-फोड़कर या कृत्रिम रूप से बनाया गया हो। यहां बच्चे भी सुबह 5 बजे तक उठ जाते हैं। घरों में महिलाएं इससे भी पहले उठ जाती हैं। वे प्रकृति के अनुसार ही चलते हैं।

इन्हें स्वस्थ्य रखता है खाना बनाने का तरीका

अरुणाचल प्रदेश के राजीव गांधी केंद्रीय विवि में प्राध्यापक डॉ.शंभु प्रसाद बताते हैं कि यहां के लोगों की जिंदगी बहुत सामान्य, शांतिपूर्ण और पूरी तरह से प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने वाली है। जो चीज यहां के लोगों को स्वस्थ रखती है वो है यहां खाना बनाए जाने का तरीका। यहां के लोगों का भोजन उबला हुआ होता है। तेल-मसाले का प्रयोग नहीं होता है। अदरक और लहसुन को कुचलकर इसमें मिलाया जाता है। नॉनवेज में भी तेल-मसाले स्थानीय निवासी नहीं डालते हैं। उसे भी उबालकर या भूनकर ही खाते हैं। यहां के अस्पतालों में खान-पान जनित रोगियों की संख्या नहीं के बराबर है।

पेज-02

पेज-03

पेज-04

ग्राफिक्स एवं ले-आउट
अशोक कुमार साहू
गोपीचंद जायसवाल

समझें... दिक्कतों से दूर न भागें...सामना करें

जिस बीमारी ने छीनी थी मां की पढ़ाई

जन्म लेते ही तीन बच्चे भी हुए उसी से ग्रसित, एक साथ मिली सबको रोशनी

यह किसी फिल्मी कहानी जैसी दास्तां है। कहानी है एक मां और उसके तीन बच्चों की। करीब चालीस साल पहले मां को जन्मजात बीमारी हुई। उसे नजदीक की चीजें नहीं दिखती थीं। घबराई...परेशानी हुई तो बिना किसी से शिकायत किए पढ़ाई छोड़ दी। इलाज में पैसों के खर्च और परिवार को कष्ट न देने के संकल्प ने इलाज से भी दूर रखा। ।

विकास शर्मा
रायपुर

स्कूल में बच्चों की जांच के दौरान पता चला मामला

विवाह हुआ...तीन बच्चे भी। पता चला कि मां की पढ़ाई छूट गई थी वहीं बीमारी जन्म लेने के बाद तीनों बच्चों को हो गई। धुंधलापन और अस्पष्टता लिए हुए बच्चे स्कूल तक पहुंच गए। स्कूल में जांच के दौरान पूरे परिवार के इस समस्या से पीड़ित होने का पता चला तो स्वास्थ्य विभाग की टीम की मदद से मां और बच्चों की एक साथ सर्जरी कर उन्हें रोशनी वापस लौटाई गई। राजधानी के मठपारा में रहने वाले धीवर परिवार कुछ समय पहले धुंधली तस्वीर को अपने जीवन का हिस्सा मान चुके थे। चिकित्सकीय टीम द्वारा स्कूल के बाद उनके घर तक पहुंचकर इलाज के बाद इस बीमारी का समाधान देने का आश्वासन दिया तो उनके मन में एक उम्मीद की किरण जागी थी। शासकीय अस्पताल में दो दौर में हुई सर्जरी के बाद उनकी जिंदगी सामान्य हो चुकी है और आने वाले दिनों में लगाए जाने वाले चश्मे के भी उतरने की संभावना है।

जन्म से ही दिखता था कम, पढ़ाई रुकी

जानकी ने बताया कि जन्म से उसे कम दिखाई पड़ता था। वह साफ की वस्तुओं को भी साफ नहीं देख पाती थी। इसकी वजह से वह तीसरी कक्षा से आगे नहीं पढ़ पाई। घरवालों ने डर की वजह से उसका इलाज नहीं करवाया। शादी होने के दौरान उसे तनिक भी अहसास नहीं था कि बच्चों को भी यह बीमारी हो सकती है। समय के साथ तीन बच्चे शारदा, यश और लव कुमार उसे परिवार का हिस्सा बने मगर उन्हें भी कम दिखने की शिकायत थी। एक दिन यश के स्कूल में स्वास्थ्य शिविर लगा तो चिकित्सकों ने उसे कम दिखने की शिकायत की। नेत्र सहायक राजेश साहू और उनकी टीम ने पूछताछ की तो पूरे परिवार के इस बीमारी से पीड़ित होने का पता चला। टीम उनके घर तक पहुंची और काफी हौसला अफजाई के बाद सबको एक साथ तैयार कर इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे। दो बार सर्जरी के बाद अब सभी को साफ दिखाई देने लगा है।

नई जिंदगी

पचास साल बाद मिली रोशनी

पचास साल इंतजार के बाद हरियाणा में रहने वाले जगतराम सिंह अब अपनी दोनों आंखों के जरिए दुनिया देखने का सपना पूरा कर पा रहे हैं। जगतराम ने बताया कि बचपन में खेलने के दौरान उनकी बाईं आंख में पत्थर लगने से पुतली खराब हो गई थी। बचपन में इलाज की सारी कोशिश नाकाम हो गई थी और डाक्टरों ने इसका एकमात्र इलाज आंख का प्रत्यारोपण बताया था एक आंख के सहारे काम करते हुए वे बढ़े हुए और साथियों को देखकर उनके मन में दुख होता था। मगर अपनी एक आंख को ही उन्होंने अपना भविष्य मान लिया था। कुछ साल पहले काम के सिलसिले में रायपुर पहुंचे और स्टील कंपनी में अपनी सेवा देने लगे थे।

भानपुरी बस्तर में रहने वाली 11 साल की किरण का दस दिन पहले जगदलपुर के महारानी अस्पताल में ऑपरेशन के बाद आंखों की रोशनी वापस मिली। किरण के चेहरे पर आई हंसी देखकर अब उनके पिता श्रवण और मां की खुशी थम नहीं रही है।

बेटी के साथ माता-पिता को मिली मुस्कान

किरण को दूर से दिखना बंद हो गया था और पास की वस्तुओं को भी नहीं पहचान पा रही थी। माता-पिता का चेहरा भी उसे समझ में नहीं आता था। इसकी जानकारी होने के बाद नेत्र सहायकों की मदद और काफी काउंसलिंग के बाद वे दस दिन पहले अस्पताल पहुंचे जहां बच्ची के आंखों का इलाज हुआ और उसे सब कुछ दिखने लगा। श्रवण ने बताया कि कम रोशनी की वजह से वह आम बच्चों की तरह खेलकूद नहीं सकती थी उसकी परेशानी अब दूर होने लगी है। अस्पताल में नियमित जांच के बाद डाक्टरों ने उसे पूरा तरह ठीक होने का आश्वासन दिया है। श्रवण के मुताबिक किरण बढ़ी होकर अफसर बनना चाहती है और इलाज के बाद वापस मिली आंखों की रोशनी लौटने से वे इस बात को लेकर आश्वस्त है।

सीखिए...हालात जैसे भी हों...संभावनाएं सदैव जीवित रहती हैं

पेड़ के नीचे लगता है स्कूल, मंत्री पहली बार पहुंचे तो बिछाया गया मुरुम

3 किलोमीटर का घाट, फिर खाई, ऐसी विकट पढ़ाई

अजय नारायण पांडेय/अम्बिकापुर

मैनपाट के बीहड़ों के बीच बसा है ग्राम जंगलीजोबा। इसकी भौगोलिक स्थिति बेहद विकट है। इस गांव में पहुंचने के लिए 3 किमी लंबे और ऊंचे घाट को पार करना पड़ता है। यहां एक स्कूल है...केवल नाम का। वह जर्जर हो गया है। बंद कर दिया गया है सो पेड़ के नीचे स्कूल लगता है। बच्चे सुबह लकड़ियां बीनने जंगल चले जाते हैं। शिक्षक पहले तीन किलोमीटर पैदल चलकर घाट पार करते हैं फिर घर घर जाकर बच्चों को इकट्ठा करते हैं। तब कक्षाएं शुरू होती हैं...वह भी पेड़ के नीचे। यह खबर स्कूल की बदहाली से ज्यादा शिक्षक के हौसले की है।

विकासखण्ड मैनपाट अंतर्गत अत्यंत पिछड़े ग्राम पंचायत कलजीवा का आश्रित गांव है जंगली जोबा। पूर्व में यह गांव ग्राम पंचायत सपनादर का हिस्सा था। ग्रामीणों की समस्याओं को देखते हुए वर्ष 2015 में ग्राम जंगलीजोबा को शामिल कर पड़ोसी ग्राम कलजीवा को ग्राम पंचायत का दर्जा दिया गया था। गांव में उरांव, मांझी एवं पहाड़ी कोरवा समुदाय के 50 परिवार निवासरत हैं।

विकट है भौगोलिक स्थिति

गांव की भौगोलिक स्थिति काफी विकट है। मैं स्वयं भी बेहद कठिनाई से कई बार स्कूल का निरीक्षण करने पहुंचता हूं। पढ़ाई के प्रति बच्चों में जागरूकता बढ़ाने शिक्षक को नवाचारों का उपयोग करने के निर्देश दिए गए हैं।

- योगेश कुमार शाही
बीईओ, मैनपाट

सड़क बड़ी समस्या

ग्राम जंगली जोबा में सुचारू आवागमन के लिए सड़क बड़ी समस्या नहीं है। गांव में स्वच्छ पेयजल की सुविधा नहीं है। ग्रामीण पारंपरिक ढोढ़ी के पानी से गुजारा करते हैं। राशन के लिए घुनघुट्टा नदी को पैदल पार कर ग्राम पंचायत मुख्यालय कलजीवा पहुंचते हैं। बरसात के दिनों में राशन लेने के लिए 17 किमी का लम्बा सफर कर ग्राम कलजीवा जाना पड़ता है। जर्जर स्कूल भवन में गांव के बच्चों की शिक्षा में बड़ी बाधा बन गया है।

अधिकारी कहते हैं- बहुत विकट भौगोलिक स्थिति... हम मुश्किल से पहुंचते हैं

बच्चों को लाने जंगल जाते हैं

छोटे-छोटे बच्चे सुबह होते ही अपनी बकरियों को चराने एवं ईंधन के लिए लकड़ी बटोरने जंगल चले जाते हैं। समय पर बच्चे स्कूल नहीं पहुंचे तो शिक्षक घर-घर घूमकर बच्चों को एकत्र करते हैं तथा स्कूल लाकर उन्हें पढ़ाते हैं। कई बार तो गांव के सभी बच्चों के जंगल जाने के कारण शिक्षक को बच्चों के लिए जंगल में भी भटकना पड़ता है। स्कूल में 15 बच्चों का नाम दर्ज है लेकिन विशेष अवसर पर ही सभी बच्चे स्कूल पहुंचते हैं। कई बार जंगल से लौटने के बाद कई बच्चे मध्यान्ह भोजन की लालच में घंटो विलम्ब से स्कूल पहुंचते हैं। गांव की विपरीत परिस्थितियों के बावजूद शिक्षक सुदीप कुमार ने कभी हार नहीं मानी और अनवरत जनजातीय समाज के बच्चों में शिक्षा की ज्योति जला रहे हैं।

स्कूल की नींव तक नहीं खुदी

स्कूल जतन योजना के तहत शासन द्वारा ग्राम जंगली जोबा स्थित प्राथमिक शाला भवन में 3 अतिरिक्त कमरों के निर्माण के लिए ग्रामीण यांत्रिकी सेवा को 24.20 लाख की स्वीकृति प्रदान की गई है। शासन ने योजना के तहत 6.56 लाख रूपए की किश्त जारी भी कर दी है लेकिन तत्कालीन खाद्यमंत्री के भूमि पूजन के 6 महीने गुजरने के बावजूद विभाग भवन निर्माण के लिए नींव तक नहीं खुदवा सका है। ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधि व विभाग के अधिकारियों पर कागजों पर निर्माण पूर्ण कर स्कूल भवन की राशि हड़प लेने का आरोप लगा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अधिकारी भवन निर्माण की राशि हड़पे नहीं होते तो शासन बदलने के बाद भवन निर्माण का काय अब तक प्रारंभ हो जाता।

बन रहा शानदार अस्पताल

धर्मनगरी में आस्था और सेवा का संगम

छत्तीसगढ़ की धर्मनगरी डोंगरगढ़ की एक अलग ही पहचान बन चुकी है। मां बम्लेश्वरी का दरबार देश और दुनिया में आस्था का केंद्र है। दूर-दूर से माता के भक्त अपनी मन्नतें पूरी करने और आशीर्वाद लेने हर दिन पहुंचते हैं। श्रद्धा की इस नगरी में मां बम्लेश्वरी ट्रस्ट ने धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अलावा सामाजिक उत्थान व आम लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने के प्रयास के बाद लोगों की सेहत का भी ध्यान रखा है। बेहतर स्वास्थ्य की सोच एवं मानव कल्याण के प्रति जागरूकता दिखाते एक 100 बिस्तर मल्टीस्पेशलिटी हाईटेक अस्पताल खोलने की अनोखी पहल शुरू की है।

आधुनिक सुविधा से लैस हास्पिटल का हो रहा निर्माण

'मां' बम्लेश्वरी मन ही नहीं तन को रखेंगी तंदरुस्त

प्रकाश अग्रवाल
डोंगरगढ़

लगभग 20 साल से स्वास्थ्य सुविधा की पहल के लिए खोला गया मां बम्लेश्वरी चिकित्सालय आने वाले समय में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम के साथ सर्वसुविधायुक्त आधुनिक मशीनों से युक्त अस्पताल होगा। इसकी शुरुआत हो गई है। वर्तमान में मां बम्लेश्वरी ट्रस्ट से संबंधित चिकित्सालय में आंखों के आपरेशन के साथ-साथ कई बीमारियों का इलाज भी शुरू हो चुका है। मां बम्लेश्वरी ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल ने हरिभूमि से चर्चा में बताया कि मां बम्लेश्वरी ट्रस्ट की स्वास्थ्य सुविधा की अनोखी पहल पूरे हिन्दुस्तान में एक अलग पहचान बनाएगी। श्री अग्रवाल ने बताया कि मां बम्लेश्वरी ट्रस्ट द्वारा संचालित अस्पताल में 100 बिस्तर की योजना है। इसी के तहत 40 बिस्तर अस्पताल शुरू करने की पहल हो चुकी है।

उन्होंने बताया कि जल्द ही आधुनिक उपकरणों, हाई क्वालिटी की मशीनें, डायग्नोस्टिक सेंटर के माध्यम से सीटी स्केन, सोनोग्राफी, हाई टेक्निकल पैथालॉजी, एक्स-रे व अन्य बीमारियों की जांच की संपूर्ण सुविधा होगी। कई बड़े ऑपरेशन सीआरएम मशीन, हड्डियों से संबंधित ऑपरेशन, दो बड़े ऑपरेशन थिएटर, आईसीयू विथ वेंटिलेटर और मरीजों के लिए प्राइवेट रूम, डिलीवरी की सुविधा के साथ प्रसव केन्द्र, समय के पूर्व अपूर्ण बच्चे को विकसित करने का संपूर्ण इलाज एवं उन्हें सुरक्षित रखने की मशीन की संपूर्ण सुविधा होगी।

5 करोड़ की लागत से बनेगा अस्पताल

लगभग 5 करोड़ की लागत से बनने वाले इस मल्टी अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों के साथ टेक्नीशियन की टीम और पर्याप्त मेडिकल स्टाफ भी होगा, जहां आपातकालीन सुविधा के साथ 24 घंटे हर बीमारी का पर्याप्त इलाज होगा। यहां एक सर्वसुविधायुक्त कैंटीन एवं पर्याप्त एंबुलेंस की सुविधा भी होगी। इसके अलावा बम्लेश्वरी ट्रस्ट द्वारा सिलाई, कढ़ाई का प्रशिक्षण, लाइब्रेरी का संचालन एवं हाईटेक जीम का संचालन भी किया जा रहा है। मां बम्लेश्वरी ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल के अनुसार आने वाले समय में हायर एजुकेशन एकेडमी की स्थापना भी की जाएगी।

विशेषज्ञों की टीम दे रही सेवाएं

वर्तमान में बम्लेश्वरी धर्मार्थ चिकित्सालय में ओपीडी, एमबीबीएस डॉ. आरएस भारद्वाज, एमबीबीएस-एमएस डॉ. बीके गुप्ता रोजाना अपनी सेवा दे रहे हैं। दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. शानू कुमार झा, फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. सौम्या शर्मा, राकेश घुरसिया रायपुर, नाक-कान-गला रोग विशेषज्ञ डॉ. अश्विनी सेठी दीवाकर राजनांदगांव, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. दिनेश अग्रवाल राजनांदगांव, डॉ. अनिल महाकार, स्त्री व प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. मीनाक्षी जाम्बुलकर, डॉ. हीना चिचेरिया, शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ सौरभ मोहबे, डायटिशियन डॉ. रिमसा अग्रवाल, नेत्र जांच डॉ. राजेश राउतकर साप्ताहिक समय के अनुरूप अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

सांप तस्करों को सिखाते हैं सबक

पूरे मध्य भारत के सिर्फ कोरबा के जंगल में मिलता है पहरचित्ती सांप

पहरचित्ती सांप पर ग्रामीणों की अटूट आस्था स्नेक पार्क की संभावना पर चल रहा रिसर्च

जैव विविधता से भरे कोरबा जिले के जंगल की अब सांप भी पहचान बनेंगे। पूरे मध्य भारत में सिर्फ कोरबा के जंगल में दुर्लभ सांपों का राजा किंग कोबरा पाया जाता है।इसे स्थानीय ग्रामीण पहरचित्ती के नाम से भी पुकारते हैं और इसे देवतुल्य भी मानते हैं। ग्रामीणों को जैसे ही पता चलता है कि इन सांपों के संरक्षण पर कोई खतरा मंडरा रहा है तो ग्रामीण स्वयं मोर्चा संभाल लेते हैं। कई बार कुछ तस्करों को जमकर सबक भी सिखाया है। अब वन विभाग सांपों के राजा के कुनबे को बढ़ाने और संवर्धन पर रिसर्च कर रहा है ताकि इनका संरक्षण हो सके। यदि इस दिशा में गंभीरता से प्रयास किया गया तो कोरबा देश के मानचित्र में स्नैक पार्क के रुप में जगह बना सकेगा।

कोरबा का जंगल साल-सागौन और विभिन्न प्रजाति के पेड़ पौधों से भरा पूरा जंगल है। बड़े पैमाने पर जंगल होने की वजह से यहां दर्जनों विलुप्त प्रजाति के वन्य प्राणियों की मौजूदगी भी है। इस जंगल की खासियत यह है कि यहां के घने जंगल में 15 फीट लंबा किंग कोबरा (स्थानीय नाम पहरचित्ती) नामक सांप पाया जाता है, जो पूरे मध्य भारत में सिर्फ कोरबा के जंगल में ही मिलता है। जंगल में बेहतर रहवास मिलने की वजह से इनकी मौजूदगी है। फिलहाल कोरबा वनमंडल के पसरखेत, लेमरु, बालको, कुदमुरा रेंज में उनकी मौजूदगी है। अक्सर 15 से 16 फीट का यह किंग कोबरा ग्रामीणों के घर और बाड़ियों में भी दिखाई देते रहता है। ग्रामीण मानते हैं, उसके रहने से उनके धन-धान्य में वृद्धि होती है। एक ओर जहां वन विभाग इनके संरक्षण का प्रयास कर रहा है तो वहीं दूसरी ओर स्थानीय ग्रामीण भी इसके संरक्षण के लिए कुछ भी कर गुजरने के लिए तैयार रहते हैं। कई बार ऐसा नजारा देखने को भी मिला है, जब तस्करी के लिए इन सांपों को पकड़ने आए तस्करों को पकड़ कर ग्रामीणों ने सबक भी सिखाया है। कोरबा वनमंडलाधिकारी अरविंद पीएम व एसडीओ आशीष खेलवार ने इस सांप के संरक्षण का बीड़ा अपने हाथों में ले रखा है। वन विभाग द्वारा इसके कुनबे को बढ़ाने रिसर्च कराया जा रहा है। रायपुर की नोवा नेचर नामक संस्था किंग कोबरा के स्वभाव, उसके रहवास पर रिसर्च कर रही है। आने वाले दिनों में यदि सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो किंग कोबरा को लेकर कोरबा के जंगल में स्नैक पार्क भी तैयार हो सकता है और इसे देखने के लिए छत्तीसगढ़ और मध्य भारत के नहीं बल्कि देश के और भी विभिन्न राज्यों से लोग यहां पहुंचेंगे।

नागेन्द्र श्रीवास
कोरबा

एक साल तक होगा सर्वे

राजकीय नाग का मिले दर्जा

नोवा नेचर संस्था के अध्यक्ष एम सूरज ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्य भारत की बात करें तो महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में सिर्फ छत्तीसगढ़ राज्य के कोरबा जिले में ही इस प्रजाति का किंग कोबरा पाया जाता है। कोरबा के जंगल में जो किंग कोबरा पाया जाता है, उसकी लंबाई 14 से 15 फीट है। रिसर्च के दौरान कोरबा वनमंडल के कुछ परिक्षेत्र में किंग कोबरा पाए गए हैं । यदि राज्य सरकार पहल करे तो इसे राजकीय नाग का दर्जा मिल सकता है। इसके संवर्धन में और बेहतर पहल हो सकती है। छत्तीसगढ़ के कोरबा में पाया जाने वाले इस सांप की खासियत यह है कि यह विश्व में सबसे लंबा विषैला सांप है। यह ऐसा सांप है, जो घोंसला बनाकर रहता है। कोरबा वनमंडल का यह परिक्षेत्र इस सांप के रहने के लिए प्राकृतिक रुप से पूरे प्रदेश में सबसे है।

किंग कोबरा एक नजर में

सामान्य नाम
किंग कोबरा
स्थानीय नाम
पहरचित्ती
वैज्ञानिक नाम
ओफियाफैगस हन्ना
प्रकार
सरीसृप
आहार
मांसाहारी
समूह का नाम
क्विवर
जीवनकाल
20 साल
लंबाई
15 फीट
वजन
10 से 12 किलो

अब तक किसी को भी नहीं बनाया है शिकार

कोरबा के जंगल में पाए जाने वाले किंग कोबरा की लंबाई 15 फीट तक पाई गई है। विश्व में इसकी अधिकतम लंबाई 18 से 20 फीट होती है। किंग कोबरा दुनिया के सबसे खतरनाक सांपों में से एक है। कोरबा वनमंडल के विभिन्न परिक्षेत्र में किए गए रिसर्च के मुताबिक किंग कोबरा ने अभी तक किसी भी ग्रामीण को डसा नहीं है।

रिसर्च हो चुका है शुरु

किंग कोबरा की प्रारंभिक रिसर्च के दौरान जो बात सामने आई है उसके मुताबिक कोरबा का जंगल किंग कोबरा के लिए अनुकूल है लेकिन इसे और अनुकूल कैसे बनाया जा सकता है। इस सांप की क्या-क्या खूबी है, इस विषय पर रिसर्च किया जा रहा है। एक महीने के रिसर्च के दौरान आधा दर्जन से अधिक किंग कोबरा अलग-अलग प्रकार के पाए गए हैं, जो दर्शाता है कि इनके कुनबे को बेहतर रहवास कोरबा के जंगल में मिल रहा है।

एम सूरज, अध्यक्ष, नोवा नेचर

करोड़पति किसान की कहानी, कमाई 5-6 लाख महीना

नई तकनीक-विदेशी सब्जियों ने दीपक की बदली किस्मत

उन्नत तकनीक के उपयोग से खेती में बड़े मुनाफ़े के कारण अब पढ़े-लिखे युवा भी खेती-किसानी की तरफ रूख कर रहे हैं। कोरिया जिले के एक युवा ने नौकरी छोड़ने के बाद खेती की ओर अपना रूख किया और वैज्ञानिक तरीके से कृषि करना शुरू किया। उसकी मेहनत रंग लाई और वह कुछ ही समय में करोड़पति किसान बन गया।

प्रवींद्र सिंह
बैकुण्ठपुर

नौकरी छोड़ने के बाद शुरू की खेती

बात है कोरिया जिला मुख्यालय बैकुंठपुर से करीब 15 किमी दूर स्थित छोटे से ग्राम पंचायत नगर के युवा किसान दीपक शर्मा की। दीपक ने नौकरी छोड़कर खेती को अपनी आय का जरिया बनाया और आज विदेशी प्रजातियों वाली सब्जियों की खेती करके महीने के लाखों रुपए की कमाई कर रहे हैं। शहर के सब्जी मार्केट के अलावा जिले के होटलों, अन्य रिहायशी ठिकानों में इनकी दिनों-दिन डिमांड बढ़ती जा रही है। लोकल मार्केट में सब्जियों की बिक्री के साथ ही अब दीपक ने मोबाइल से सब्जियों के आर्डर लेने शुरू कर दिए हैं। दीपक ने इस वर्ष 2 एकड़ में विदेशी सब्जियों की खेती की थी। इन सब्जियों की खेती से उन्हें लाखों का मुनाफा हुआ है। आधुनिक तरीके से खेती करने पर इन सब्जियों की खेती में भी लगभग सामान्य सब्जियां जितनी ही लागत लगती है, लेकिन मुनाफा उससे कहीं अधिक होता है। इस वर्ष दीपक ने ब्रोकली, लेटेस, चाइनीस पत्ता गोभी, लाल मूली, शलगम और बैंगनी पत्ता गोभी की खेती की थी। नासिक से सब्जियों के बीज और खेती का तरीका सीखने के बाद खेती में जमकर उत्पादन हुआ। इसमें ब्रोकली का ढाई टन, चाइनीस पत्ता गोभी का डेढ़ टन वहीं लाल मूली करीब 6 क्विंटल तक प्राप्त हुई। इन विदेशी सब्जियां को बेचने में भी कम मशक्कत करनी पड़ी। सामान्य तौर पर बाजार में नहीं दिखने वाली यह सब्जियां हाथों-हाथ बिक जाती हैं। सब्जियों की खेती के तरीके के बारे में दीपक बताते हैं कि वह सब्जियों की खेती आधुनिक तरीके से करते हैं, सब्जियों में ऑर्गेनिक खाद के रूप में मुर्गी खाद का उपयोग व कीटनाशक के रूप में नीम बेस्ड का उपयोग किया जाता है। लाइन से लाइन में पर्याप्त दूरी पर सब्जियों को लगाने एवं खेती से पहले मिट्टी में खाद का उपयोग करने से अच्छा उत्पादन होता है। कृषि विज्ञान केन्द्र कोरिया और नासिक की टीम से मिले गाइडेंस के बाद सब्जियों की खेती में यह कामयाबी मिली है। हाल ही में दीपक को करोड़पति किसान का अवार्ड भी दिल्ली में मिला है।

दिल्ली में दीपक को मिला करोड़पति किसान का अवार्ड

धान की गठवन, महाराजी व लाइच में फेफड़े व स्तन कैंसर की कोशिकाओं को खत्म करने के गुण मिले

चूहों पर सफल प्रयोग के पश्चात अब केन्द्र सरकार से मानवीय मॉडल पर परीक्षण की अनुमति मांगी गई

कैंसर के उपचार में आशा की नई किरण

छत्तीसगढ़ के धान की तीन किस्मों में मिले कैंसररोधी तत्व

विकास चौबे
बिलासपुर

छत्तीसगढ़ में धान की तीन पारंपरिक किस्मों में कैंसर रोधी क्षमता पाई गई है। धान की गठवन, महाराजी व लाइचा में फेफड़े व स्तन कैंसर की कोशिकाओं को खत्म करने के गुण मिले हैं। भाभा एटामिक रिसर्च सेंटर और इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय ने धान की इन प्रजातियों के औषधीय गुणों का अध्ययन करने के लिए चूहों पर इसका प्रयोग किया जो सफल रहा। वैज्ञानिकों के मुताबिक इन प्रजातियों के धान की भूसी में कैंसर रोधी तत्व पाए गए हैं।

चूहों पर सफल प्रयोग के पश्चात भाभा एटामिक रिसर्च सेंटर ने केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजकर मनुष्यों पर इसके प्रयोग की अनुमति मांगी है। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान संचालक विवेक त्रिपाठी का कहना है कि इसका मानवीय माडल पर परीक्षण की अनुमति मिलते ही इसका परीक्षण किया जाना है। यह परीक्षण टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल के सहयोग से होगा। इसके बाद इसके व्यावसायिक उपयोग के बारे में भी सोचा जाएगा। इसे दवा के रूप में या भोजन के रूप में लांच करना है, उसके बाद ही तय किया जाएगा। धान का कटोरा कहे जाने वाले छत्तीसगढ़ में धान की कई परंपरागत प्रजातियां मिलती हैं। इंदिरा गांधी कृषि विवि में धान की लगभग 23250 प्रजातियां हैं।इनमें से बहुत में औषधीय गुण भी है। ऐसी ही 13 प्रजातियों को विवि ने चिन्हित किया था। इनमें से तीन प्रजातियों में कैंसर रोधी गुण पाए गए है। ये किस्में है गठवन, महाराजी व लाइचा। यह देसी परंपरागत वैराइटी है। कृषि वैज्ञानियों के अनुसार इन तीनों प्रजातियों में कैंसर की कोशिकाओं का प्रगुणन रोकने और उन्हें खत्म करने में प्रभावी है। इस अनुसंधान से कैंसर के उपचार में आशा की नई किरण जगी है।

कैंसर की कोशिकाओं की वृद्धि को रोका, नष्ट भी किया

वैज्ञानिकों के मुताबिक इन तीनों ही धान की प्रजातियों के एक्सट्रेक्ट का प्रयोग स्तर मानव ब्रेस्ट कैंसर सेल्स (एमसीएफ -7) एवं मानव लंग कैन्सर सेल्स (ए-549)के प्रगुणन को रोकने के लिए किया गया था। अनुसंधान से पता चलता है कि इन तीनों प्रजातियों में मेथेनॉल में बने एक्सट्रेक्ट ने ब्रेस्ट कैंसर की कोशिकाओं की वृद्धि को न केवल रोक दिया बल्कि इन्हें नष्ट भी कर दिया। इसमें गठवन, महाराजी और लाइचा की धान प्रजाति ब्रेस्ट कैंसर सेल को नष्ट करने में सबसे प्रभावी साबित हुई।

इस तरह किया गया रिसर्च

1 कृषि विवि और भाभा सेंटर के विशेषज्ञों ने प्रारंभिक शोध में कैंसर सेल और स्वस्थ सेल पर इन चावलों के एक्सट्रैक्ट का उपयोग किया। इसमें पाया गया कि चावल के तत्वों ने न सिर्फ कैंसर सेल की वृद्धि को रोका बल्कि इसे काफी हद तक नष्ट भी किया। साथ ही राष्ट्रीय संस्थान से शोध होने पर यह काम आगे बढ़ा और इसके तहत जीवित प्राणी या जानवर पर टेस्टिंग जल्द हो सकेगी।

2 इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के राइस जर्मप्लाज्मा बैंक से धान की यह तीनों प्रजातियां ली गईं। शोध में पाया गया कि इनमें फेफड़े के कैंसर का इलाज करने का गुण है और वह भी सामान्य कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाए बिना। दावा है कि मरीज अगर रोज 200 ग्राम इन चावलों का सेवन करें तो शरीर में कैंसर रोकने वाले तत्वों की पर्याप्त मात्रा पहुंच जाएगी।

दो प्रमुख शोध संस्थानों के साथ अनुबंध

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के एसोसिएट डायरेक्टर (रिसर्च) डा. धनंजय शर्मा ने बताया कि रिसर्च में यह साफ हो गया है कि चावल की इन किस्मों में ऐसे तत्व हैं, जो कैंसर की कोशिकाओं को तेजी से खत्म करते हैं। खासकर ब्रेस्ट और लंग्स कैंसर में यह काफी प्रभावी निकले हैं। इन तत्वों का पता लगाने के लिए कृषि विश्वविद्यालय ने देश के दो प्रमुख शोध संस्थानों इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल बायोलॉजी और इंस्टीट्यूट ऑफ फॉर्मेकोलॉजी के साथ अनुबंध किया है। यह संस्थान इन तत्वों का पता लगाने के बाद कैंसर की दवाई बनाने पर भी काम करेंगे।

जल्द ही किसानों को उपलब्ध होगा बीज

वैज्ञानिकों के मुताबिक इन तीनों धान की किस्मों की ऊंचाई अधिक है, इसके चलते यह पकने के बाद भार ज्यादा होने से गिर जाती है। बताया जा रहा है कि इन प्रजातियों की ऊंचाई को कम करने के लिए या बौना करने के लिए म्यूटेशन ब्रीडिंग का प्रोग्राम भी भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र मुंबई के साथ चल रहा है। अभी इस पूरी प्रक्रिया में साल भर का समय लग सकता है। इसके बाद किसानों को बीच उपलब्ध कराए जाएंगे। बीज उत्पादन करने के लिए भी केन्द्र की अनुमति जरूरी होगी जिसके लिए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय की ओर से राज्य शासन की सहमति के बाद प्रस्ताव केन्द्र के पास जाएगा।

प्रयोग सफल रहा

धान की तीन पारंपरिक किस्मों में कैंसर निरोधी क्षमता पाई गई है। गठवन, महाराजी व लाइचा में फेफड़े व स्तन कैंसर की कोशिकाओं को खत्म करने के गुण मिले हैं। भाभा एटामिक रिसर्च सेंटर और इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय ने धान की इन प्रजातियों के औषधीय गुणों का अध्ययन करने के लिए चूहों पर इसका प्रयोग किया जो सफल रहा। इस अनुसंधान से कैंसर के उपचार में आशा की नई किरण जगी है।

- संजय नायर, जनसंपर्क अधिकारी, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय

स्वागत नववर्ष

हरिभूमि

रायपुर। जन सरोकार की पत्रकारिता हरिभूमि की पहचान रही है। हममें सर्वहारा के लिए संघर्ष का माद्दा भी है और सही-गलत की पहचान के साथ जोखिम उठाने का साहस भी। यही वजह है कि हमेशा की तरह बीते साल यानी 2023 में भी हमने ऐसी कई खबरों को सुर्खियां बनाईं, जिनका सीधा वास्ता आप से था। जाहिर है, इन खबरों का असर भी हुआ। गलतियां सुधारी गईं। जहां जरूरत थी, एक्शन हुआ। हरिभूमि ऐसा ही आप के सहयोग से आपकी ही लड़ाई लड़ता रहेगा, इस भरोसे के साथ यहां कुछ खबरों की सुर्खियां आपके सामने रखी जा रही हैं, जिनका जन, समाज और इसके सभी अंगों पर व्यापक असर रहा।

हरिभूमि की ऐसी चुनिंदा खबरों ने जीता जनमानस का विश्वास, हुआ व्यापक असर

जन सरोकार की पत्रकारिता का भी नए साल में उम्मीदों के साथ प्रवेश

जनहित की पत्रकारिता का साल-दर-साल संकल्प

सही गलत की पहचान के साथ जोखिम उठाने का साहस भी

धन्यकुमार जैन
राजनांदगाव

संत की सोच ने बदली धारा, जुर्म से तौबा बढ़ा धर्म, गुरु और अपनों से लगाव

सकारात्मक सोच के साथ संत के विचार, उनके आदर्श का समावेश हो जाए तो बड़ा बदलाव आने और जीवन की धारा बदलने में देर नहीं लगती, जिसका परोक्ष उदाहरण जगदलपुर सहित देश के विभिन्न राज्यों के जेल में देखा जा सकता है। इन जेलों में सजायाफ्ता कैदी जैनाचार्य विद्यासागर महाराज की प्रेरणा से अपराध की दुनिया से बाहर निकलकर सम्मानजनक जीवन गुजारने की सार्थक कोशिश कर रहे हैं जिसमें उन्हें कामयाबी भी मिल रही है।

जैन समाज के बड़े संत विद्यासागर जी महाराज की सोच के चलते सागर, जगदलपुर, तिहाड़ जेल दिल्ली, शिवपुरी, आगरा, मथुरा, मंडोली, मिर्जापुर जेल सुधार गृह के रूप में तब्दील हो गए हैं। इन जेलों मे बंद अपराधियों को आपराधिक प्रवृत्ति से बाहर निकालकर उन्हें हुनरमंद बनाने का प्रयास किया जा रहा हैं ताकि वह अपराधिक सोच से बाहर निकलकर सम्मान के साथ गुजर बसर कर सकें। इन जेलों में सजायाफ्ता लोगों को हथकरघा का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जेल में निरूद्ध रहने के दौरान यह लोग कपड़ा बुनकर परिवार की आर्थिक मदद करते हैं और बाहर आने के बाद स्वरोजगार से जुड़े रहते हैं।

नवाचार की शुरुआत

जेल में निरुद्ध बंदियों की मानसिकता में परिवर्तन, उन्हें स्वरोजगार से जोड़ने, बिखरते परिवारों को बचाने और अपराध मुक्त समाज बनाने की सोच को आचार्य विद्यासागर महाराज ने विभिन्न मौके पर व्यक्त करते रहे हैं। आचार्य श्री की सोच के अनुरूप सागर केंद्रीय जेल में प्राइवेट पार्टनरशिप प्रोजक्ट के तहत हथकरघा केंद्र की स्थापना एमपी के तत्कालीन जेल महानिदेशक संजय चौधरी, जेल अधीक्षक राकेश भांगरे ने सम्यक दर्शन सहकार संघ जबलपुर के सहयोग से किया था। केंद्रीय जेल सागर में बंदियों के सुधार और पुनर्वास के लिए खजुराहो चातुर्मास के दौरान जेल अधीक्षक श्री भांगरे और सहायक जेल अधीक्षक नागेंद्र चौधरी ने प्रस्ताव रखकर जैन समाज से सहयोग करने का आह्वान किया।

नशा और मांसाहार से किया तौबा

तिहाड़ जेल दिल्ली के नंबर-1 शाखा में जब आचार्य श्री द्वारा प्रेरित हथकरघा केंद्र का शुभारंभ किया गया तो वहां मौजूद 2200 कैदियों ने एक साथ गीता और विद्यासागर महाराज के चित्र के सामने शपथ ली थी कि वह जब तक जीवित रहेंगे, तब तक मांसाहार और शराब का सेवन नहीं करेंगे।

आ रहा बदलाव

पूर्व डीएसपी डॉ रेखा जैन बताती हैं कि आचार्य श्री की इस पहल के बाद कैदियों में काफ़ी बदलाव देखने मिल रहा हैं। सजा के दौरान हथकरघा चलाने के बाद उन्हें मेडिकल चेकअप की जरूरत कम पड़ रही है। जेल में कैदियों के बीच आपसी विवाद की घटनाओं में भी कमी आई है। उनमें परिजनों, धर्म और गुरुओं के प्रति लगाव बढ़ा है।

10 राज्यों में पानी सफाई का खर्च हुआ आधा, बॉयोटेक वैज्ञानिक डॉ. प्रशांत शर्मा के प्रयोग से तालाब और नदियां हो रहीं निर्मल

छत्तीसगढ़ में बना ई-बॉल नेपाल और फ्रांस की नदियों को कर रहा साफ

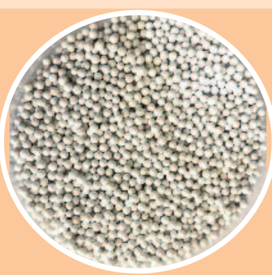

किसी भी शहर की नदी, तालाब और नालियां अगर साफ और स्वच्छ है तो वह शहर लोगों की नजर में भी खूबसूरत बन जाता है। सफाई के नाम पर राज्यों में करोड़ों रुपए खर्च होते हैं, लेकिन इसके बाद भी जाम नालियों, नदियों में गंदगी और तालाब साफ नहीं हो पाते हैं। इस समस्या को खत्म करने छत्तीसगढ़ में बना ई-बॉल अब देश के साथ अब विदेश में इसकी मांग अब बढ़ गई है। विदेशी नदियों को साफ करने का कार्य जारी है। 5 रुपए की ई-बॉल गंदे पानी को पूरी तरह से साफ कर रही है।

ललित राठोड़
रायपुर

बॉयोटेक वैज्ञानिक डॉ. प्रशांत शर्मा ने बताया कि 13 सालों की मेहनत से ई-बॉल को तैयार किया है। ई-बॉल में बैक्टीरिया और फंगस का मिश्रण है। इसमें मुख्य रूप से टी-64 और एलबी-2 बैक्टीरिया का उपयोग किया गया है। उन्होंने बताया कि पानी में ई-बॉल डालते ही सप्ताहभर के भीतर इसका असर पानी में देखने को मिलता है। इसका प्रभाव देखते हुए नेपाल और फ्रांस से ई-बॉल की मांग हुई थी, जो उन्हें उपलब्ध कराई जा चुकी है। वहां की नदियों और नालियों को साफ करने छत्तीसगढ़ की ई-बॉल रामबाण बन चुकी है। दोनों देशों में अभी तक लगभग 2 हजार से अधिक ई-बॉल भेजी जा चुकी है।

90 दिन तक रहती है प्रभावी

ई-बॉल बैक्टीरिया और फंगस का मिश्रण है। इसमें मुख्य रूप से टी-64 और एलबी-2 बैक्टीरिया का उपयोग किया गया है। यह मिश्रण हर पीएच और 45 डिग्री तापमान पर भी सक्रिय होकर काम कर सकता है। ई-बॉल में मौजूद लाभदायक सूक्ष्मजीव नाली या तालाब के गंदे पानी में जाते ही वहां के ऑर्गेनिक वेस्ट से पोषण लेना चालू कर अपनी संख्या में तेजी से वृद्धि करते हैं तथा पानी को साफ करने लगते हैं। एक ई-बॉल करीब 100 से 150 मीटर लंबी नाली को साफ कर देती है। एक बार ई-बॉल का प्रयोग करने के बाद यह 90 दिन तक प्रभावी रहती है।

विदेश के प्रशासन ने बताया असरदार

बीते दिनों स्वच्छता कार्यक्रम दिल्ली में आए विदेशी मेहमानों को छत्तीसगढ़ की ई-बॉल खूब पसंद आई। पानी को साफ करने कुछ ई-बॉल वे साथ भी लेकर गए थे। पानी में ई-बॉल का असर देखकर नदियों और नालियों को साफ करने के लिए नेपाल और फ्रांस से मांग मिली। विदेशी प्रशासन ने भी इसे असरदार बताया है। वैज्ञानिक ने कहा कि ई-बॉल की कीमत कम होने से राज्य के साथ विदेश में भी इसका उपयोग बढ़ रहा है।

महानगरों की नालियों की भी सफाई

महानगरों में जाम नालियों की बदबू से लोग परेशान रहते हैं, जिसे खत्म करने छत्तीसगढ़, दिल्ली, झारखंड, यूपी व बिहार समेत आंध्रप्रदेश, केरल और राजस्थान, मध्यप्रदेश में ई-बॉल का उपयोग किया जा रहा है। 500 से 800 ई-बॉल से बिना मशीन और कर्मचारी के एक तालाब को साफ किया जा रहा है, जिसका खर्च 2 से 3 हजार तक आता है। इसी तरह नालियों की साफ-सफाई कम खर्च में हो रही। ई-बॉल को नाली में डालते ही पानी में ऑक्सीजन मात्रा अधिक, कार्बन में कमी और पानी का टीडीएस कम पाया गया है। इससे जीव-जंतु भी पानी पी सकते हैं।

देश के 550 तालाबों का पानी हुआ साफ

ई-बॉल की मदद से देशभर के 550 तालाबों को साफ किया जा चुका है। साथ ही 300 से अधिक तालाबों और नदियों को साफ करने का काम जारी है। वैज्ञानिक ने बताया कि 10 राज्यों में पानी को साफ करने दो साल में 6 लाख से अधिक ई-बॉल बनाकर भेजी जा चुकी है। वर्तमान में 30 हजार से अधिक ई-बॉल तैयार कर विभिन्न राज्यों में भेजी जा रही है। इस बार बिहार में छठ पूजा घाट, गंगा घाट समेत विभिन्न नदियों के गंदे पानी, कचरे और जलकुंभी को ई-बॉल की मदद से पूरी तरह खत्म किया गया है। छत्तीसगढ़ में दलपत सागर, रायपुर महादेवघाट समेत 4 अन्य तालाब के साथ 14 जिलों के तालाबों को साफ किया गया है। ई-बॉल के प्रयोग से लाखों रुपए की बचत हो रही है और सफाई का खर्च हजार रुपए तक आ रहा है।

सात दशक पहले गुजरात के भरूच से लाए पौधों से बनाई नर्सरी

'चीकू' ने दिया फल और बन गए विधायक !

गुजरात के भरूच इलाके में घूमने गए वनक परिवार के एक युवक को चीकू इतना पसंद आया कि उसने वहां से पौधे लाकर नगर में 25 एकड़ जमीन पर नर्सरी शुरू की। आज उन रोपे गए पौधे पेड़ बन चुके हैं और उनसे मिलने वाले चीकू से नगर के वनक परिवार की अच्छी खासी कमाई भी हो रही है।

टेकचंद कारडा
तखतपुर

आज हो रही अच्छी खासी कमाई

सन 1900 में जब देश को आजादी दिलाने के लिए लड़ाई चल रही थी तब पूरा देश अव्यवस्था के दौर से गुजर रहा था। देश की माली हालत तंग थी। ऐसे में कई परिवार देश में व्यवसायिक दृष्टिकोण से नए ठिकाने की तलाश कर रहे थे। ऐसे ही गुजरात भरूच निवासी बोहरा समाज के लोग भी भारत के कोने कोने में व्यवसायिक वातावतरण देखकर अपना ठिकाना बनाते जा रहे थे। ऐसे में वनक परिवार के साल्हेभाई वनक जो 1900 में तखतपुर में आकर अपनी आजीविका चला रहे थे इनके दो पुत्र असगर भाई वनक और ताहेर भाई वनक तखतपुर में ही रहकर जीवन यापन कर रहे थे। तभी परिवार के किसी कार्यक्रम में आजादी के बाद लगभग 1950 में अपने परिजनों से मिलने के लिए गुजरात के भरूच गए तब वहां पर चीकू फल खाया ।उन्हें यह बहुत पसंद आया ।वहां से वे आम, चीकू, लीची के पौधे लेकर आए और नदी किनारे 25 एकड़ जमीन में उस समय नर्सरी लगाई जब नर्सरी की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। धीरे धीरे चीकू का व्यापार फैलने लगा। इस फल की मिठास ने ताहेर भाई वनक और असगर भाई वनक को एक नई पहचान दिलाई। चीकू की लोकप्रियता के कारण प्रसिद्ध हुए ताहेर भाई वनक सन 1979 में कांग्रेस की टिकट से तखतपुर विधानसभा का चुनाव भी जीते।

अब्बास वनक ने बताया कि आज शहर में अशरफ बगीचा के नाम से प्रसिद्ध चीकुओं को नगर सहित आसपास के शहर काफी पसंद कर रहे हैं। लोग मिठाई के बजाए अपने रिश्तेदारों को चीकू भेजना अधिक पसंद करते हैं। आज तखतपुर की पहचान चीकू के नाम से भी होती है। नगर के वार्ड क्रमांक 13 के 25 एकड़ में फैले अशरफ बगीचा के नाम से प्रसिद्ध इस क्षेत्र में वर्तमान में 126 चीकू के पेड़ हैं। मार्च महीने में इसमें फल लगना शुरू हो जाता है जो जुलाई अंतिम तक चीकू बाजार में दिखता रहता है। इसी समय देश के कोने कोने में चीकू यहां से जाता है। लगभग प्रतिदिन 100 किलो से भी अधिक चीकू तोड़े जाते हैं।

जम्मू-कश्मीर के बाद कोरबा जिले में मिला लिथियम का भंडार

बदलेगी विकास की तस्वीर

काले हीरे की धरती उगलेगी 'सफेद सोना'

कटघोरा-घुचापुर में 256.12 हेक्टेयर में फैला हुआ है लिथियम ब्लॉक

जिले को ऊर्जा और कोल उत्पादन के लिए जाना जाता है। अब कोरबा को नई पहचान मिलने वाली है। यहां लिथियम का भंडार मिला है, लिथियम का इस्तेमाल ग्रीन एनर्जी में होता है। जम्मू कश्मीर के बाद पूरे देश में अब कोरबा में लिथियम का भंडार मिला है। कटघोरा ब्लॉक के महेशपुर सहित 19 गांव में लिथियम के भंडार मिलने की पुष्टि हुई है। अब तक भारत लिथियम के लिए चीन, ऑस्ट्रेलिया और अर्जेंटीना जैसे देशों पर ही निर्भर है। ऐसे में दो राज्यों में लिथियम का भंडार मिलने से अब लिथियम के लिए विदेशों पर निर्भरता खत्म होगी।

अश्वनी मिश्रा
कोरबा

खनन मंत्रालय ने यह जानकारी सार्वजनिक की थी कि जम्मू कश्मीर में लिथियम का बड़ा भंडार मिला है। यहां लिथियम का 59 लाख टन का विशाल भंडार मौजूद है। जम्मू काश्मीर के बाद यह कीमती खनिज कोरबा जिले में पाया गया है। यह धातु लकड़ी से भी ज्यादा हल्का होता है खासतौर पर इलेक्ट्रिक मोटर वाहनों में रिचार्जेबल बैटरी बनाने में इसका अधिक इस्तेमाल किया जाता है इसलिए लिथियम को ग्रीन एनर्जी का प्रमुख स्त्रोत कहा जाता है। जिले के कटघोरा ब्लॉक में इस वर्ष 2023 फरवरी माह में जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया की टीम को सर्वे में लिथियम मिला है। जिसमें कटघोरा के ग्राम महेशपुर, रामपुर, नावापारा, घुंचापुर, दर्राभांठा आदि शामिल हैं। वहां कितना भंडार है जिसे रिकवर किया जा सकता है? कितनी गहराई में है, मात्रा कितनी है इकोनॉमिकली इसकी क्या स्थिति है। यह सब आगे सर्वे में स्पष्ट होगा लेकिन अभी जो जानकारी सामने आई है। उसके अनुसार 18 से 19 गांव में लिथियम का रिजर्व भंडार पाया गया है, ये गांव मुख्य मार्ग से बहुत ज्यादा दूर नहीं हैं। कनेक्टिविटी भी अच्छी है, इसलिए यदि भविष्य में बेहतर परिणाम मिले तो अच्छे तरीके से उसे रिकवर किया जा सकेगा।

लिथियम ब्लॉक की नीलामी प्रक्रिया शुरू

खान मंत्रालय ने 29 नवम्बर से महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजों की पहली किश्त की नीलामी प्रक्रिया प्रारंभ की है। इसके तहत देशभर में स्थित 20 मिनरल्य ब्लॉक्स के लिए बोली लगाई जाएगी। इसमें छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में स्थित कटघोरा-घुचापुर में स्थित लिथियम ब्लॉक भी शामिल है। सर्वे के अनुसार यहां पर्याप्त मात्रा में रेअर अर्थ एलिमेंट्स की उपलब्धता है। महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजों की नीलामी प्रक्रिया 29 नवम्बर से प्रारंभ की गई है। निविदा दस्तावेजों की बिक्री का कार्य 16 जनवरी, 2024 तक चलेगा। बोली जमा करने की अंतिम तिथि 22 जनवरी निर्धारित की गई है। नीलामी से जुटाया गया राजस्व राज्य सरकार को भी मिलेगा।

एक टन की कीमत 57.36 लाख रुपए

ग्लोबल मार्केट में एक टन लीथियम की कीमत करीब 57.36 लाख रुपए है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2050 तक लिथियम की वैश्विक मांग में 500 प्रतिशत की वृद्धि होगी।

आसान होगा स्वदेशी बैटरी निर्माण

लिथियम के स्रोत पर अधिकार होने के बाद भारत के लिए अपने देश के अंदर ही बड़े स्तर पर बैटरी निर्माण करना आसान हो जाएगा। नीति आयोग इसके लिए एक बैट्री मैन्युफैक्चरिंग प्रोग्राम भी तैयार कर रही है जिसमें भारत में बैटरी की गीगाफैक्ट्री लगाने वालों को छूट भी मिलेगी।

लिथियम का उपयोग

लिथियम एक रासायनिक पदार्थ है, जिसे सबसे हल्की धातुओं की श्रेणी में रखा जाता है। यहां तक कि धातु होने के बाद भी ये चाकू या किसी नुकीली चीज से आसानी से काटा जा सकता है। इस पदार्थ से बनी बैटरी काफी हल्की होने के साथ-साथ आसानी से रिचार्ज हो जाती है। लिथियम का इस्तेमाल रिचार्जेबल बैटरियों के निर्माण में होता है और इस क्षेत्र में चीन का भारी दबदबा है। आरईई के विशिष्ट गुणों के कारण इसका इस्तेमाल स्मार्ट फोन, एचडी डिस्प्ले, इलेक्ट्रिक कार, वायुयान के महत्त्वपूर्ण उपकरण, परमाणु हथियार और अंतरिक्ष कार्यक्रमों के साथ कई अन्य महत्त्वपूर्ण तकनीकी विकास में होता है।

पर्याप्त मात्रा में रेअर अर्थ एलिमेंट्स मौजूद

कटघोरा-घुचापुर में 256.12 हेक्टेयर में लिथियम ब्लॉक फैला हुआ है। इसमें 84.86 हेक्टेयर फॉरेस्ट लैंड है। यहां लिथियम एंड री ब्लॉक का जी-4 सर्वे हो चुका है। सर्वे के अनुसार यहां पर्याप्त मात्रा में रेअर अर्थ एलिमेंट्स की उपलब्धता है। क्षेत्र में लिथियम की उपलब्धता को लेकर किए गए सर्वे के दौरान लगभग 100 स्क्वायर किमी क्षेत्र से 138 नमूने एकत्र किए गए थे। इन नमूनों की जांच के बाद पता चला कि यहां रेअर अर्थ एलिमेट्स के साथ ही इससे संबंधित तत्वों की पर्याप्ता मात्रा में मौजूदगी है। यहां बताना होगा कि भारत अब लिथियम को लेकर चीन से अपनी निर्भरता पूरी तरह से खत्म करने के प्रयास में है।

खनन के दुष्प्रभाव

दुर्लभ मृदा तत्त्व अंतरिक्ष तथा अन्य तकनीकी विकास के लिये बहुत ही आवश्यक हैं, लेकिन इसके खनन के अनेक दुष्प्रभाव भी हैं। प्राकृतिक तटों और उन पर आश्रित पारिस्थितिकी प्रणालियों की क्षति होगी ,कई महत्त्वपूर्ण और दुर्लभ प्रजातियों के वास स्थान इस प्रक्रिया में नष्ट हो जाते हैं।जंगल कटने से आबोहवा भी प्रभावित होगी ।तटों के प्राकृतिक तंत्र की हानि जिससे मृदाक्षरण जैसी अनेक समस्याएं उत्पन्न होती हैं। दुर्लभ मृदा तत्त्वों के खनन तथा प्रसंस्करण से बड़ी मात्रा में जल प्रदूषण होता है तथा मोनाजाइट जैसे तत्त्वों में यूरेनियम (0.4 प्रतिशत) की उपस्थिति से इसके खतरे और भी बढ़ जाते हैं। उत्पादन में अत्यधिक पानी की ज़रूरत पड़ती है इससे आसपास पेयजल संकट की स्थिति भी पैदा हो सकती है।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

वेलकम 2024.... हर तरफ आतिशबाजी, सड़कों पर जुटे लोग, एक-दूसरे को दी शुभकामनाएं

सबसे देर में मनाया जाता है नया साल

अब बात कर लेते हैं कि सबसे आखिर में नया साल कहां मनाया जाता है तो अमेरिका के कुछ आईसैंड्स हैं, जहां पर सबसे बाद में नया साल मनाया जाता है। अमेरिका के बेकर आइलैंड और हाउलैंड आईलैंड में सबसे बाद में नए साल का जश्न मनाया जाता है। पृथ्वी के चक्कर के हिसाब से यहां सबसे आखिर में एक जनवरी मनाई जाती है। भारतीय समयानुसार जब भारत में 1 जनवरी को 5:30 बजते हैं तब वहां नए साल का जश्न मनाया जाता है।

नए साल के जश्न में सराबोर रही दुनिया रंग-बिरंगी रोशनी से नहाया आसमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारत समेत दुनिया भर में नए साल के स्वागत के लिए 31 दिसंबर की शाम से लेकर देर रात तक जश्न मनाया जाता रहा। लोग अलग-अलग जगहों पर न्यू ईयर सेलिब्रेट करने के लिए पहुंचे। कोई हिल स्टेशन पर गया है तो किसी ने अपनों के बीच घर पर ही जश्न मनाया। वहीं न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में नए साल का आगाज सबसे पहले हुआ। इसके साथ ही 2023 अब गुजरे जमाने की बात हो गई। भारत में भी नए साल 2024 का आगाज कल शाम से ही शुरू हो गया था।

बड़े शहरों में रही रातभर धूमधाम

भारत में भी दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, वाराणसी समेत देश के तमाम शहरों में नए साल का जश्न मनाया गया। दिल्ली के कनॉट प्लेस में बड़ी संख्या में लोग नए साल का जश्न मनाने के लिए एकजुट हुए। उत्तराखंड के मसूरी में चमकदार रोशनी, संगीत और नृत्य के साथ लोगों ने नए साल की शुरुआत का जश्न मनाया। महाराष्ट्र के मुंबई स्थित मरीन ड्राइव में नए साल पर लोगों को पैर रखने तक की जगह नहीं बची।

वाराणसी के घाट में पहुंचे श्रद्धालु

नए साल की पूर्व संध्या पर वाराणसी में जमकर भीड़ पहुंची। गंगा आरती के बाद लोगों ने नया साल मनाया।

महाराष्ट्र में नए साल का जश्न

पुणे में नए साल के जश्न के लिए लोग सड़कों पर निकल आए। जिससे शहर में जगह-जगह जाम जैसी स्थिति हो गई।

न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया में नया साल

न्यूजीलैंड में सबसे पहले नए साल ने दस्तक दी है। ऑकलैंड शहर में लाइट शो के बीच जमकर जश्न मनाया गया। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर के पर्ल हार्बर ब्रिज पर नए साल का जश्न मनाया गया। सबसे पहले नया साल मनाने में टोंगा का नाम भी आता है।

अलग-अलग देश के अलग-अलग टाइम

दरअसल, अंतर्राष्ट्रीय तिथि रेखा के अनुसार अलग-अलग देशों के लिए अलग-अलग टाइम जोन निर्धारित किया गया है। इसी टाइम जोन के हिसाब से उस देश में नया साल मनाया जाता है। जब भारत में शाम के 4.30 बज रहे होते हैं तो टोंगा में नए साल का जश्न मनाया जाता है।

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

नया साल, नए नियम

आईटीआर, सिम कार्ड और बैंक लॉकर सहित बदल गए अब कई नियम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

आज यानी 1 जनवरी से साल 2024 की शुरुआत हो गई। दुनियाभर में इसे लेकर खासा उत्साह है। 1 जनवरी, 2024 से कैलेंडर के साथ कई नियम भी बदल जाएंगे जो आपकी जेब पर सीधा असर डालेंगे। इसमें सिम कार्ड, आईटीआर और जीएसटी दर से लेकर आपके बैंक लॉकर सहित अन्य संसाधन शामिल हैं। इन नियमों को 1 जनवरी से लागू करने की घोषणाएं पहले की जा चुकीं थीं अब इन नियमों का क्रियान्वयन किया जाएगा।

सेबी ने डीमैट खाताधारकों के लिए 1 जनवरी, 2024 तक नॉमिनी दर्ज करना अनिवार्य कर दिया है। ऐसा नहीं करने पर वे शेयरों का लेनदेन नहीं ▶▶|शेष पेज 5 पर

आम आदमी की जेब पर पड़ेगा इसका सीधा असर

विदेशी वीजा के भी बदलेंगे नियम

साल 2024 से विदेशों में पढ़ाई कर रहे छात्रों को नौकरी के लिए पढ़ाई समाप्त होने से पहले वीजा अप्लाई करना पड़ेगा। यानी किसी भी देश के छात्र तब तक कार्य वीजा पर स्विच नहीं कर पाएंगे। जब तक उनका पाठ्यक्रम पूरा न हो जाए। उदाहरण के लिए जो छात्र नीदरलैंड में काम करना चाहते हैं। उन्हें अपनी पढ़ाई पूरी करने से पहले वर्क वीजा के लिए आवेदन करना पड़ेगा। साथ ही पढ़ाई पूरी होने के बाद उन्हें वहां काम करने की अनुमति मिल सकेगी।

आईटीआर दाखिल न करने पर जुर्माना

वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए जुर्माने के साथ आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर, 2023 है। आयकर अधिनियम की धारा 234 एफ के तहत, जो व्यक्ति तय तिथि से पहले रिटर्न दाखिल नहीं करेगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। देर से आईटीआर फाइल करने वालों पर पांच हजार रुपए का जुर्माना लगेगा। हालांकि, जिन करदाताओं की आय पांच लाख रुपए से कम है, उन्हें केवल 1,000 रुपए का जुर्माना देना होगा।

आज से लागू होंगे ये बदलाव कहीं राहत और कहीं आफत

रसोई गैस के दाम: हर महीने की तरह ही नए साल की पहली तारीख यानी 1 जनवरी को देश की ▶▶|शेष पेज 5 पर

बैंक लॉकर एग्रीमेंट: आरबीआई ने बैंक लॉकर एग्रीमेंट को रिवाइज किया है। इसके तहत यूजर्स को ▶▶|शेष पेज 5 पर

यूपीआई यूजर्स के लिए: 1 जनवरी की तारीख यूपीआई यूजर्स के लिए भी खास है। दरअसल एनपीसीआई ▶▶|शेष पेज 5 पर

नया सिम कार्ड लेने के लिए: 1 जनवरी 2024 से टेलिकॉम डिपार्टमेंट 1 जनवरी से सिम कार्ड के लिए ▶▶|शेष पेज 5 पर

गाड़ी खरीदना पड़ेगा महंगा: नए साल में नई गाड़ी खरीदना आपको महंगा हो जाएगा। हुंडई, मर्सिडीज जैसी ▶▶|शेष पेज 5 पर

आधार के लिए शुल्क: वहीं आधार में ऑनलाइन अपडेशन के लिए 31 दिसंबर तक फ्री सुविधा दी गई ▶▶|शेष पेज 5 पर

अनुपयोगी जी-मेल अकाउंट किए जाएंगे बंद: गूगल ऐसे सभी जीमेल अकाउंट डिलीट कर रहा है, जिनका ▶▶|शेष पेज 5 पर

दास्ताने बनाने वाली फैक्ट्री में लगी आग, सो रहे छह मजदूरों की जलकर मौत

एजेंसी ▶▶| मुंबई

महाराष्ट्र में साल के आखिरी दिन दर्दनाक हादसा हुआ है। यहां छत्रपति संभाजीनगर में रविवार तड़के दस्ताने बनाने वाली एक फैक्ट्री में भीषण आग लगने से कम से कम 6 लोगों की मौत हो गई है। मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने आग बुझाने का प्रयास किया।

■ **महाराष्ट्र : छत्रपति संभाजीनगर में घटना**

मृतकों की नहीं हो पाई शिनाख्त

बताया गया कि फैक्ट्री में आग से जलकर जिन 6 मजदूरों की मौत हुई है, अभी तक उन मजदूरों की शिनाख्त नहीं हो पाई है। आग लगने के सही कारण का अभी तक पता नहीं चल पाया है। आग की चपेट में आकर झुलसे मजदूरों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दमकलकर्मियों को मिले 6 मजदूरों के शव

मीडिया से बात करते हुए दमकल विभाग के अधिकारी मोहन मुंगसे ने कहा, हमें 2:15 बजे आग लगने की सूचना मिली। जब हम साइट पर पहुंचे तो आग पूरी फैक्ट्री में फैल चुकी थी। उन्होंने कहा, हमारे दमकलकर्मी फैक्ट्री के अदंर पहुंचे, लेकिन तब तक सभी लोग दम तोड़ चुके थे। हमने 6 शव बरामद किए हैं। आग पर काफी मशक्कत के बाद काबू पाया गया।

खबर संक्षेप

अरविंद पनगढ़िया 16वें वित्त आयोग के चेयरमैन नियुक्त

नई दिल्ली। सरकार ने रविवार को नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया को 16वें वित्त आयोग का चेयरमैन नियुक्त किया। सरकार ने एक अधिसूचना में कहा कि वित्त मंत्रालय में संयुक्त सचिव ऋत्विक रंजनम पांडेय आयोग के सचिव होंगे। आयोग के सदस्यों को अलग से अधिसूचित किया जाएगा।

अरब सागर में तैनात किए 3 वॉरशिप

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना ने अरब सागर में आने वाले व्यवसायिक जहाजों की सुरक्षा बढ़ा दी है। इसके लिए सेना ने अरब सागर में 3 वॉरशिप तैनात किए हैं। ये फैसला 23 दिसंबर को सऊदी से भारत आ रहे जहाज पर हुए ड्रोन अटैक के बाद लिया गया।

रेव पार्टी करते धरे गए 100 युवक-युवती

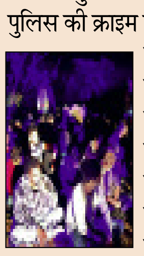

मुंबई। महाराष्ट्र के ठाणे में एक रेव पार्टी पर पुलिस ने छापा मारा। पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम ने कार्रवाई करते हुए ठाणे के घोड़बंदर कासारवडवली गांव के पास रेव पार्टी कर रहे 100 लोगों को हिरासत में लिया है। ठाणे क्राइम ब्रांच के सहायक शिवराज पाटिल, एसीपी यूनिट पांच और यूनिट दो ने संयुक्त कार्रवाई की है।

उत्तर भारत के कई राज्यों में घना कोहरा

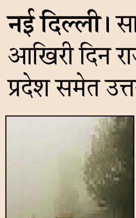

नई दिल्ली। साल 2023 के आखिरी दिन राजस्थान, मध्य प्रदेश समेत उत्तर भारत के 7 राज्यों में घना कोहरा देखने को मिला। असम के जोरहाट, पंजाब के पठानकोट-बठिंडा, जम्मू और आगरा में जीरो विजिबिलिटी रिकॉर्ड की गई।

कुकी उग्रवादियों ने घात लगाकर रॉकेट से किया ग्रेनेड हमला, 4 कमांडो घायल

एजेंसी ▶▶| इंफाल

मणिपुर में एक बार फिर हिंसा भड़कती नजर आ रही है। बता दें कि मणिपुर के मोरेह में पुलिस और सशस्त्र उग्रवादियों के बीच टकराव हुआ। इस टकराव में उग्रवादियों ने सुरक्षाबलों पर घात लगाकर आधी रात को रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड अटैक किया। जिसमें पुलिस के 4 कमांडो घायल हो गए। बता दें कि देर रात संदिग्ध कुकी उग्रवादियों ने सुरक्षाबलों पर आरपीजी हमला कर दिया।

मणिपुर में हालात फिर बेकाबू उग्रवादियों व सैन्य बल में टकराव

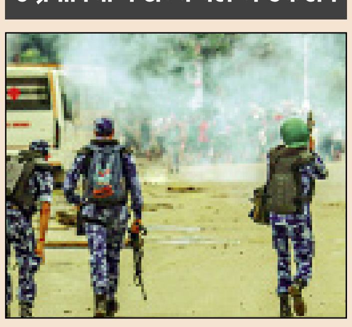

दिन में दो बार हुआ दोनों में टकराव

जानकारी के अनुसार, 30 दिसंबर को दिन में उग्रवादियों ने सुरक्षाबलों पर हमला बोल दिया। इस दौरान एक पुलिसकर्मी के पैर पर चोट आई थी। वहीं हमला करने के लिए आईईडी का इस्तेमाल किया गया। दिन में किसी तरह सेना ने मौर्चे को संभाल लिया। इस दौरान दोनों ओर से 400 से ज्यादा राउंड फायर हुए थे।

बंदूक की नोंक पर छात्रा से की थी बदसलूकी

गैंगरेप में भाजपा आईटी सेल के नेता गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶| वाराणसी

आईआईटी बीएचयू में पहली नवंबर की रात परिसर स्थित कर्मनवीर बाबा मंदिर के पास छात्रा से गैंगरेप में लंका पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वारदात में प्रयोग की गई मोटर साइकिल को भी बरामद किया है। ज्ञात हो कि छात्रा से गैंगरेप की घटना के 1 महीने तक कार्रवाई न होने से शहर में आक्रोश व्याप्त रहा।

कैमरे में हुए थे कैद

घटना के दूसरे दिन ही सीसीटीवी कैमरे में चेतगंज में तीनों बुलेट पर कैद हुए। वही फुटेज अब सोशल मीडिया पर वायरल है। चूंकि उस समय संदिग्ध के तौर पर चिह्नित हुए लेकिन पुष्टि नहीं थी इसलिए पुलिस ने पुष्टि के बाद गिरफ्तारी की है।

क्या है पूरा मामला

आईआईटी बीएचयू में एक नवंबर की रात न्यू गर्ल्स हॉस्टल में रहने वाली छात्रा व उसका दोस्त घूमने निकले। दोनों कर्मनवीर बाबा मंदिर के पास पहुंचे थे। तभी पीछे से बुलेट सवार तीन युवक आए और कथित रूप से बंदूक दिखाकर व डरा-धमकाकर छात्रा के दोस्त को भगा दिया। युवकों ने छात्रा का मुंह दबा दिया उसके कपड़े उतरवाकर उसके साथ घिनौनी हरकत की। वीडियो भी बनाया था। चीखने चिल्लाने पर जान से मारने की धमकी भी दी। उसका फोन भी ले लिया।

राम मंदिर के लिए रामलला की प्रतिमा फाइनल

51 इंच की खड़ी प्रतिमा, नीले पत्थर से तैयार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

श्रीरामभक्तों के लिए खुशखबरी है। राम मंदिर के गर्भगृह में स्थापित होने वाली रामलला की प्रतिमा का चयन रविवार को कर लिया गया। 51 इंच की मूर्ति प्रभु राम के बचपन के स्वभाव, उनकी मासूमियत और शरारती पन को झलकाती है। इसके लिए कर्नाटक के नीले पत्थर का इस्तेमाल किया गया है। यह चयन तीन प्रतिमाओं में से किया गया है। इनमें से दो ▶▶|शेष पेज 5 पर

कर्नाटक की कृष्ण शिला

मूर्तियां तराशने के लिए कृष्ण शिला पसंदीदा पत्थर माना जाता है। यह कृष्ण रत्न कर्नाटक के मैसूर तालुक के हारोहल्ली गांव के राम दास के खेत में पाया गया था। सुरेंद्र विश्वकर्मा ने राम दास की जमीन का पट्टा लेने वाले श्रीनिवास से संपर्क किया।

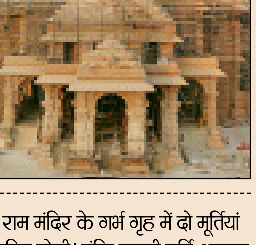

नई और पुरानी प्रतिमाएं होगी साथ: राम मंदिर के गर्भ गृह में दो मूर्तियां रखी जाएंगी। नई के साथ पुरानी मूर्ति भी यहीं स्थापित होगी। चूंकि पुरानी मूर्ति आकार में छोटी है, इसलिए वह भक्तों को दूर से दिखाई नहीं देगी। वहीं, नई मूर्ति भी रामलला के बाल रूप की ही बनी है, लेकिन इसका आकार बड़ा है जो दूर से दिखाई देगी।

प्रभु आप ही अपनी मूर्ति बनाइए

रामलला की मूर्ति की नक्काशी मैसूर के मूर्तिकार अरुण योगीराज ने की है। मूर्तिकार अरुण ने बताया कि भगवान राम की मूर्ति बनाने के लिए हमें सीधे पत्थरों पर काम करना था। अगर मेरे मन में होता कि मैं रामलला की मूर्ति बनाऊंगा तो मैं तनाव में आ जाता और गलतियां हो सकती थीं।

तत्कालीन विधायक उदय मुदलियार की पहल पर 1995-96 में इस संस्था की रखी गई थी नींव

एक सोच ने बदल दिया 1400 मूक-बधिर बच्चों का जीवन

सचिन अग्रहरि
राजनांदगांव

28 साल पहले शहर के गायत्री परिवार से जुड़े मित्रों की एक सोच ने देश के करीब 1400 मूक-बधिर बच्चों के जीवन में ऐसा परिवर्तन ला दिया कि अब वे न सिर्फ शिक्षित हो गए, बल्कि रोजगार की दिशा में भी उन्होंने अपना अच्छा खासा मुकाम हासिल कर लिया है। शहर के आस्था मूकबधिर स्कूल में पढ़े बच्चे देश में सरकारी नौकरी भी कर रहे हैं। 1995 में इस संस्था की नींव रखने वाले हेमंत तिवारी कहते हैं कि इन मूकबधिर दिव्यांग बच्चों में ईश्वर सच में वास करते हैं। यही कारण है कि उन्हें संस्था के संचालन या उसकी प्रगति में कभी कोई दिक्कत यह परेशानी नहीं आई। संस्कारधानी शहर के सभी लोगों ने इस संस्था को आगे बढ़ाने में हमेशा हर संभव मदद भी की।

राजनांदगांव के तत्कालीन विधायक उदय मुदलियार की पहल पर 1995-96 में इस संस्था की नींव रखी गई थी। हेमंत कहते हैं कि उन्होंने उदय भाई के कहने पर गायत्री परिवार के साथी यशवंत भाई ठक्कर और जुगल किशोर लड्डा से बात की। मूक बधिर शाला शुरू करने का जैसे ही उन्होने प्रस्ताव दिया, वे भी तत्काल राजी हो गए। श्री ठक्कर ने उन्हें रामदरबार के समीप अपने दस कमरे का एक मकान निशुल्क देने का ऐलान भी कर दिया। वे कहते हैं कि जब जगह मिल गई तो मूक बधिर बच्चों की तलाश शुरू की गई। सोमनी-ईरा गांवों के आसपास दौरा कर दो बच्चों को यहां लाया गया और उन बच्चों को शिक्षा देने के साथ इस स्कूल की नींव रखी गई। श्री तिवारी ने बताया कि धीरे-धीरे स्कूल में बच्चों की संख्या बढ़ती गई और वर्तमान में 104 बच्चे आवासीय शाला में अध्ययनरत हैं। पिछले 28 सालों में करीब 1400 बच्चों को यहां ऐसे शिक्षा दी गई कि वे अपने पैरों में खड़े हो चुके हैं। कुछ बच्चे सरकारी नौकरी भी कर रहे हैं।

हर क्षेत्र में दबदबा

आस्था मूक-बधिर स्कूल के बच्चों का हर क्षेत्र में दबदबा कायम है। सांस्कृतिक आयोजनों की प्रस्तुति को लेकर इस स्कूल के बच्चों को राष्ट्रीय अवार्ड मिला है। वहीं पैराजूडो खेल के क्षेत्र में भी यहां के मूकबधिर बच्चों ने कई पुरस्कार अर्जित किए हैं। यहां मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

दानदाताओं से मिली जमीन

संस्था की स्थापना के कुछ सालों बाद किशनलाल अरोरा ने बसंतपुर के समीप अपनी जमीन संस्था को दान दी। यहां संस्था ने लोगों और सरकारी मदद लेकर कमरों का निर्माण कराया। इस बीच राजनांदगांव सिंधी समाज के एक प्रतिष्ठित समाजसेवी ने स्कूल से लगी जमीन दान कर दी। जिससे इस स्कूल का कैंपस अब काफी बढ़ गया है और बच्चो की गतिविधियों के संचालन में आने वाली दिक्कतें भी दूर हो गई है।

शहरवासियों का जुड़ाव

स्कूल की नींव रखने वाले एवं आस्था के संरक्षक जुगल किशोर लड्डा ने कहा कि वे अकेले इस संस्था को नहीं चला रहे हैं, बल्कि पूरे शहर और जिले के लोगों का जुड़ाव यहां अध्ययनरत बच्चों के साथ है। यही कारण है कि संस्था को दूध, सब्जियां, फल और अनाज आदि दान से मिल जाता है। समाजसेवा विभाग से जो फंड मिलता है, उससे बच्चों को भोजन और स्कूल स्टाफ के वेतन तथा संधारण में खर्च किया जाता है।

किडनी प्रत्यारोपण के बाद स्वस्थ

अनजान फरिश्तों ने हर ली 'पीड़ा'

कभी उठना-बैठना भी मुश्किल था और अब जीवन की राह आसान

विकास शर्मा
रायपुर

राज्य में केडेवर डोनेशन की शुरुआत के बाद डायलिसिस और दवाओं के भरोसे जिंदगी जीने वाले किडनी-लिवर की गंभीर बीमारी से ग्रसित मरीजों की जिंदगी में बदलाव की किरण नजर आने लगी है। ऐसे मरीजों के लिए ब्रेनडेड होने वाले मरीज किसी मसीहा से कम साबित नहीं हो रहे हैं। एक साल के भीतर पांच लोगों ने अपनी अंतिम सांस लेने के पहले अपनी किडनी-लिवर और आंखों को दान देकर पच्चीस लोगों की जिंदगी बदल चुके हैं। इनके शरीर के एक-एक अंग जरूरतमंद मरीजों को जीवनदान साबित हो रहे हैं। हरिभूमि टीम ने ऐसे ही कुछ मरीजों से प्रत्यारोपण के बाद जिंदगी में हुए बदलाव के बारे में जानने का प्रयास किया। ज्यादातर मरीज उन अनजान फरिश्तों को धन्यवाद देते थक नहीं रहे हैं जिनके सहारे उनका जीवन अब सामान्य तरीके से गुजरेगा।

छात्रों को सेहतमंद रहने का तरीका सिखाएंगे पीटी मास्ट जफरउल्लाह

राज्य में शुरु हुई केडेवर डोनेशन की परंपरा के बाद किडनी की गंभीर बीमारी से जूझ रहे व्यायाम शिक्षक जफरउल्लाह सिद्धकी की जिंदगी में बदलाव की बयार नजर आने लगी। अनजान फरिश्ते से मिली किडनी के प्रत्यारोपण के बाद उनकी सारी शारीरिक समस्या दूर हो गई। पीटी के शिक्षक अब नियमित रुप से अपने स्कूल के छात्रों को सेहतमंद रहने की तरीका सिखाएंगे। रायगढ़ जिले के कोतरलिया उमा. शाला के शिक्षक जफरउल्लाह शासकीय स्कूल में पीटी के टीचर थे और नियमित रुप से स्कूल के बच्चों को व्यायाम करना सिखाते थे। अपनी नियमित दिनचर्या के दौरान उन्हें करीब नौ माह पहले अचानक कमजोरी सी महसूस होने लगी। स्थानीय स्तर पर इलाज से लाभ नहीं होने पर वे राजधानी के अस्पताल तक पहुंचे जहां जांच के बाद मिली रिपोर्ट से उनके साथ पूरा परिवार दुखी हो गया। रिपोर्ट में उनकी दोनों किडनी खराब होने की जानकारी था, परिवार वाले किडनी देने को तैयार थे मगर मैच नहीं हो पा रहा था। फिर एक उम्मीद नजर आई।

अब दीनानाथ बन सकेगा कालेज का प्रोफेसर

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के ग्राम गोखा में रहने वाला 20 साल का दीनानाथ अब कालेज में प्रोफेसर बनने के लक्ष्य को पूरा कर पाएगा। कृषक परिवार से संबंधित दीना बीएससी का छात्र है। कुछ साल पहले पढ़ाई के दौरान उसे अक्सर नींद आती थी कोई काम में मन नहीं लगता था और अक्सर थकान महसूस होती थी। घरवाले उसे इलाज के लिए अस्पताल लेकर गए तो पता चला कि उसकी दोनों किडनी गंभीर रोग की वजह से खराब हो चुकी है और उसे सप्ताह में दो बार डायलिसिस की जरूरत पड़ने लगी। बीमारी की वजह से उसकी पढ़ाई भी प्रभावित होने लगी थी। इकलौते बेटे की बड़ी बीमारी से उसके माता-पिता भी दुखी हो चुके थे मगर बेबसी की वजह से कुछ कर नहीं पा रहे थे। उन्हें चिकित्सकों ने किडनी ट्रांसप्लांट कराने का रास्ता बताया और एक शासकीय अस्पताल के माध्यम से उसका पंजीयन भी करवाया। डायलिसिस और दवा के दौरान उसके कुछ महीने गुजरे और इंतजार खत्म हो गया। संबंधित अस्पताल में एक ब्रेनडेड का मामला आया और उससे मिले गुर्दा की मदद से दीना की जिंदगी में बदलाव हो गया। अब वह दोगुनी हिम्मत और जोश के साथ प्रोफेसर बनने की तैयारी में जुट चुका है। अधूरी पढ़ाई पूरी करने के लिए अब वह दिनरात एक करने लगा है। बीस साल के इस बच्चे की जिंदगी में बदलाव करने वाले डाक्टर, चिकित्सकीय टीम के साथ उस अपरिचित को धन्यवाद देने के लिए दीनानाथ और उसके माता-पिता सहित परिवार के शब्द कम पड़ने लगे है।

आदिवासी युवाओं की समाजसेवा अंचल में बनी मिसाल

नौकरी न जमीन, मजदूरी के पैसे से पूरा कर रहे समाजसेवा का जूनून

क्या आपने कभी सुना है कि कोई मजदूरी करके भी अपने समाज और जरुरतमंदों की सेवा कर रहा है और वो भी दशकों से। मजदूर को जहां पूरा समाज तथा सरकार वंचित और विपन्न मानती है वहीं ऐसी बात सुनने मे किसी फिल्म की कहानी लगती है , लेकिन यह कहानी जिला मुख्यालय से करीब 70 किमी दूर धुर आदिवासी क्षेत्र में बीते एक दशक से बगैर शोर शराबे के समाजसेवा का सराहनीय आयाम गढ़ रही है।

पंकज तिवारी
रायगढ़

सारंगढ़ जिले के बडे नवापारा गांव के आदिवासी युवा अपनी मेहनत की कमाई समाजसेवा में खर्च कर रहे हैं। खास बात यह है कि ना तो इन आदिवासी युवाओं के पास कोई जमीन या सम्पत्ति है और ना ही कोई सरकारी नौकरी है। सारंगढ जिला मुख्यालय से करीब 50 किमी दूर बडे नवापारा पंचायत में करीब दस साल से स्थानीय आदिवासी युवाओं का संगठन युवा सेवा संघ न केवल नवापारा बल्कि आस पास के 6 पंचायतों में सैकडों बेसहारा लोगों की उम्मीद बनकर उभरा है। संगठन के सदस्य बाबूलाल सिदार, विश्वनाथ झरिया, सोभनाथ सिदार, दुलारमणी चौहान, विधान चौहान, वृंदावन चौहान, देवराज सिदार, घनश्याम चौहान, गजेंद्र चौहान, विमल सिदार, हरे कृष्णा यादव, नित्यानंद सिदार ने बताया कि उनके गांव मे सरकारी मदद कभी समय पर नहीं मिली और गांव की परेशानी वे सभी बचपन से देखते आ रहे थे । अपने गांव और आस पास के लोगों को मामूली दिक्कतों के लिए संघर्ष के बावजूद असफलता और घर करती निराशा देख गांव के इन डेढ दर्जन युवाओं ने कमर कसी और युवा सेवा संघ की नींव रखी।

मजदूरी के दो लाख समाजहित में

आदिवासी युवाओं ने बताया कि वे सभी दलित और भूमिहीन मजदूर हैं। सभी साल भर कडी मेहनत मजदूरी कर मिले पारिश्रमिक का एक हिस्सा जमा करते हैं और हर साल 6 फरवरी को नवापारा समेत आसपास की पंचायतों के जरुरतमंदों की खोजबीन कर एक मंच पर बुलाकर जमा राशि (30-40 हजार) उनकी मदद के लिए सौंप देते हैं। नकद राशि के आलावा युवा सेवा संघ के आदिवासी श्रमिक नौजवान बुजुर्गों और मरीजों की यथासंभव मदद करने हर वक्त तत्पर रहते हैं साथ ही कंबल, इलाज और दवाइयां आदि की भी व्यवस्था करने में कभी पीछे नहीं रहे। संघ के युवाओं का कहना है कि उन्होंने कभी भी अपने इस काम को जगजाहिर करने के पक्ष में नहीं रहे। कहने को भले ही युवा सेवा संघ के नौजवान आदिवासी और मजदूर हैं लेकिन इनका जज्बा पूरे गांव की हिम्मत बना हुआ है।

बिना किसी मदद के चला रहे रिहैब फाउंडेशन

फिलिप दंपति ने हजारों मानसिक दिव्यांगों को संभाला, रोशन कर दी उनकी जिंदगी

राजेश रंजन सिन्हा/ रायगढ़

किसी ने आपके बुरे वक्त में आपकी मदद की है तो आप समाज को उसे कैसे लौटाओगे यह आप पर निर्भर करता है। कुछ इन्हीं जज्बों के साथ दीन दुखियों की सेवा में जुटे हैं रायगढ़ रिहैब फाउंडेशन के अध्यक्ष फिलिप थॉमस एवम उनकी दिव्यांग पत्नी जस्सी फिलिप। रायगढ़ में बिना किसी सरकारी मदद के आशा वृद्धाश्रम एवं सारंगढ़ में आशा प्रसादम देखभाल केंद्र चला रहे हैं।

श्री फिलिप के अंदर सेवा का जज्बा ऐसा है कि सुबह 5 बजे उठकर वे बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन एवं फुटपाथ पर सोए लाचार बीमार लोगों को चाय नाश्ता कराते हैं। बेघर व्यक्ति को बृद्धाश्रम में लाकर नहलाना साफ सुथरे कपड़े देना एवं उनके रहने की व्यवस्था करते हैं। श्री फिलिप बताते हैं कि अब तक उन्होंने हजारों लोगों को बृद्धाश्रम में आसरा दिया है। ज्यादा बीमार व्यक्ति को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाना कई बार गम्भीर रूप से बीमार व्यक्ति को बड़े सेंटर भी भेजते हैं। कैन्सर जैसे गम्भीर बीमारी के मरीजों को रायपुर भर्ती कराते हैं।

सैकड़ो लोगों को कर चुके हैं रक्तदान

फिलिप दंपती लापता, बीमार या लाचार व्यक्ति फिर वो महिला हो या पुरूष हो, इन सभी जरूरतमंदों का पता लगाकर पहले उन्हें रेस्क्यू करता है, फिर उनकी स्थिति में सुधार होने तक उनकी निःशुल्क सेवा के बाद विभिन्न माध्यमों से उनके परिवार वालों का पता लगाकर उन्हें सूचना देकर विधिवत उन्हें वापस परिजन को सुरक्षित सौंपते हैं। फिलिप और जस्सी न सिर्फ बृद्धा दिव्यांगों असहायों की सेवा करते हैं बल्कि एक दिव्यांग जीवनसाथी चुनकर उन्हें जीने की नई राह भी दिखाते हैं। फिलिप बताते हैं कि उनकी संस्था के माध्यम से वे दर्जनों दिव्यांगों के विवाह करवा चुके हैं।

जीवन की दिलचस्प कहानी

फिलिप के जीवन की कहानी बेहद दिलचस्प है । फिलिप के पिता खरसिया नगर पालिका में इंजीनियर थे। वहीं वीजी वर्गीस जो स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत थे दवाएं बांटने आया करते थे। केरल के मलियाली होने के कारण घनिष्टता बढ़ गयी थी। फिलिप की मां का निधन बचपन में ही हो गया था और पिता फिलिप और उसकी बहनों को छोड़कर सऊदी अरब चले गए। इधर फिलिप और उसकी बहन की तबियत बहुत खराब हो गयी। तब वीजी वर्गीस खरसिया से तीनों भाई बहनों को रायगढ़ ले आए एवं इनको अपने घर में रखकर इलाज करवाया और देखभाल की। वहीं फिलिप की मुलाकात वीजी वर्गीस की दिव्यांग पुत्री जस्सी वर्गीस से हुई। जस्सी को मन ही मन वे चाहने लगे। फिलिप को लगने लगा कि एक अनजान परिवार किस तरह एक अनजान परिवार की मदद कर रहा है। वहीं से फिलिप ने मन मे असहाय दिव्यांग जनों, गरीबों की मदद का संकल्प लिया। 1996 में फिलिप ने जस्सी से विवाह किया। दोनों पति पत्नी मिलकर गरीब असहाय दिव्यांगों की सेवा रिहैब फाउंडेशन के माध्यम से कर रहे हैं।

उद्देश्यों पर खरा उतरता रीहैब फाउंडेशन

फिलिप बताते हैं कि रीहैब फाउंडेशन अपने उद्देश्यों में खरा उतरा है। यहां पर वृद्धों के रहने, भोजन, चिकित्सा सभी की व्यवस्था की गई है। वृद्धों के लिए रीहैब फाउंडेशन बहुत ही अनुकरणीय पहल है। पिछले सात वर्षों से यह संस्था अपना काम कर रही है जिसमें निराश्रित वृद्धों, घर से निकाले गए या दिमागी रूप से कमजोर होने के कारण गुम हुए वृद्धों- दिव्यांगों को आश्रय दिया जाता है। उनकी सभी तरह से देखभाल की जाती है, उनके रहने, खाने- पीने व चिकित्सा सहित सभी प्रकार की सुविधाएं दी जाती है जिसका संचालन फिलिप दंपती के हाथों में है। श्रीमती जस्सी फिलिप जो स्वयं दिव्यांग हैं मगर उनकी इच्छाशक्ति इतनी मजबूत है कि वह भरपूर आत्मविश्वास के साथ यह कार्य कर रही हैं। इसके पहले भी वे सीडब्ल्यूसी, चाइल्ड वेलफेयर कमेटी, बाल सदन व दिव्यांगों के लिए भी अपनी सेवा दे चुकी है।

एक तरफ राम मंदिर में 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियां जोरों पर हैं दूसरी तरफ राम मंदिर के नाम पर साइबर फ्रॉड के मामले भी सामने आ रहे हैं। लोगों से फर्जी सोशल मीडिया आईडी के जरिए चंदा मांगा जा रहा है।

राम मंदिर के नाम पर साइबर फ्रॉड

वीएचपी ने लिखा डीजीपी और गृह मंत्रालय को पत्र

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

साइबर अपराधियों ने सोशल मीडिया पर 'श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र अयोध्या, उत्तर प्रदेश' का फर्जी पेज बनाया है जहां चंदा लेने के लिए फर्जी क्यू आर कोड डाला गया है। इसे लेकर विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) ने गृह मंत्रालय, डीजीपी उत्तर प्रदेश और दिल्ली पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखा है। वीएचपी ने इस खत में राम मंदिर के नाम पर फ्रॉड करने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। इस फर्जी पेज पर क्यूआर कोड भी डाला गया है, अपील की जा रही है की राम मंदिर के नाम पर चंदा दें।

फर्जी सोशल मीडिया आईडी बनाकर मांगा जा रहा चंदा

फर्जी क्यूआर कोड के जरिए दान देने की अपील की जा रही

नहीं मांगा जा रहा दान : बंसल

विहिप प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा कि अयोध्या में भगवान राम के मंदिर के उद्घाटन कार्यक्रम को लेकर कोई दान नहीं मांगा जा रहा है और इसके लिए किसी समिति का गठन नहीं किया गया है। वीएचपी के अयोध्या के एक सदस्य ने ठगी करने से वाले से फोन पर बात की, राम मंदिर के नाम पर चंदा मांगने वाले ने बताया, 'ज्यादा से ज्यादा चंदा दें, नाम नंबर डायरी में नोट किया जाएगा, जब मंदिर कंप्लीट हो जायेगा तो आप सबको अयोध्या बुलाया जाएगा, मैं अयोध्या से बोल रहा हूं, आपको पता है मुस्लिम समाज और हिंदू समाज में जंग चल रहा है। मुस्लिम समाज मंदिर बनने नहीं दे रहा है। हम अपने मंदिर को चंदा एकत्र करके काम कर रहे हैं। अपन इधर ही रहते हैं।

पहले भी की जा चुकी है ठगी

यह पहली बार नहीं है जब राम मंदिर के नाम पर ठगी हुई हो। 2021 में यूपी के गौतमबुद्ध नगर की साइबर सेल ने राम जन्मभूमि की फर्जी वेबसाइट बनाकर लोगों से लाखों रुपए ठगने वाले 5 लोगों को गिरफ्तार किया था। ये सभी राम जन्मभूमि ट्रस्ट के नाम पर फर्जी वेबसाइट बनाकर लोगों से लाखों रुपए ठग रहे थे। जांच में इस बात का खुलासा हुआ था कि सभी आरोपी दिल्ली के रहने वाले हैं पर इनमें से कई सॉफ्टवेयर के बिजनेस से जुड़े हुए थे।

ठगों ने बताया

रिपोर्ट के मुताबिक, वीएचपी अयोध्या के एक सदस्य ने ठगी करने वाले से फोन पर बात भी की। बातचीत के दौरान ठग ने उनसे कहा कि आप लोग ज्यादा से ज्यादा चंदा दें। आपका नाम और नंबर डायरी में नोट किया जाएगा। और जब राम मंदिर निर्माण पूरा हो जाएगा तो आप सभी को अयोध्या बुलाया जाएगा। ठग ने आगे बताया कि वो अयोध्या से ही बात कर रहा है। ठग ने हिंदू-मुस्लिम समाज के बीच लड़ाई की बात कहते हुए बताया कि मुस्लिम मंदिर नहीं बनने देना चाहते हैं। और इसलिए वो लोग मंदिर के लिए चंदा जमा करने का काम कर रहे हैं।

रक्षा मंत्रालय ने रखा पक्ष

विषय से मेल नहीं होने के कारण झांकियां हुईं रिजेक्ट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

गणतंत्र दिवस परेड में पंजाब की झांकी शामिल न करने को लेकर मचे बवाल के बीच रक्षा मंत्रालय ने अपना पक्ष रखा है। रक्षा मंत्रालय ने रविवार को स्पष्ट किया कि पंजाब, पश्चिम बंगाल और दिल्ली की झांकियों को गणतंत्र दिवस परेड में इसलिए शामिल नहीं किया गया क्योंकि वे इस साल की झांकी के व्यापक विषयों के साथ मेल नहीं खाती थीं। विशेषज्ञ समिति की बैठक के पहले तीन दौर में पंजाब की झांकी के प्रस्ताव पर विचार किया गया था। तीसरे दौर की बैठक के बाद इस वर्ष की झांकी के व्यापक विषयों के अनुरूप नहीं होने के कारण झांकी को समिति द्वारा आगे विचार के लिए आगे नहीं बढ़ाया जा सका।

रिजेक्ट कैटेगिरी में भी नहीं भेजेंगे झांकी

वहीं, रक्षा मंत्रालय के बयान के बाद पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कहा है कि हम अपने शहीद भगत सिंह, सुखदेव सिंह, लाला लाजपतराय, उधम सिंह माई भागो, करतार सिंह सराभा, गदरी बाबे व महाराजा रणजीत सिंह की कुर्बानियों का सम्मान करना जानते हैं। हमें इस मामले में भाजपा की एनओसी की जरूरत नहीं है। हम रिजेक्ट कैटेगरी में भी झांकी नहीं भेजेंगे। यह सभी हमारे हीरो है। इन सबका मान सम्मान करना हम जानते हैं। साथ ही उन्होंने रक्षा मंत्रालय के उस पत्र की प्रति भी सोशल मीडिया पर जारी की है, जो कि रक्षा मंत्रालय की तरफ से पंजाब सरकार को भेजी गई है।

भेदभाव के आरोपों से इंकार

पंजाब की झांकियों को 8 वर्षों में 6 बार गणतंत्र दिवस की परेड में शामिल किया गया है। वहीं, बंगाल की झांकियों को 5 बार शामिल किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि ये एक प्रक्रिया के अनुसार ही होता है। भेदभाव के आरोपों को मंत्रालय ने सिरे से नकार दिया। रक्षा मंत्रालय ने ट्वीट कर स्थिति स्पष्ट की है।

कश्मीर में इस्लामिक शासन लागू करने की रची थी साजिश

गिलानी की तहरीक-ए-हुर्रियत पर प्रतिबंध, यूएपीए के तहत कार्रवाई

सरकार ने जम्मू कश्मीर के संगठन तहरीक ए हुर्रियत पर प्रतिबंध लगा दिया है। यूएपीए कानून के तहत यह कार्रवाई की गई है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने यह जानकारी दी। गृहमंत्री ने बताया कि यह संगठन गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल है और जम्मू कश्मीर को भारत से अलग करके राज्य में इस्लामिक शासन स्थापित करना चाहता है। तहरीक ए हुर्रियत का गठन भारत के खिलाफ प्रोपेगैंडा फैलाने और आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए किया गया था। गृहमंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया पर साझा किए एक पोस्ट में बताया कि 'तहरीक ए हुर्रियत, जम्मू कश्मीर को यूएपीए के तहत गैरकानूनी संगठन घोषित किया गया है।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टोलरेंस की नीति के तहत कोई भी व्यक्ति या संगठन अगर भारत विरोधी गतिविधियों में संलिप्त पाया जाएगा तो उसे नेस्तानाबूत कर दिया जाएगा।' सरकार ने इस संबंध में गजट नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। नोटिफिकेशन में कहा गया है कि तहरीक ए हुर्रियत सुरक्षाबलों पर पत्थरबाजी करने और आतंकी गतिविधियों के लिए फंड इकट्ठा करने में लिप्त रहा है। साथ ही यह संगठन देश के संवैधानिक संस्थानों के प्रति अपमान का भाव रखता है। इसके सदस्य सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए आतंकियों को श्रद्धांजलि देते हैं। नोटिफिकेशन में ये भी लिखा गया है कि यह संगठन लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास नहीं रखता है।

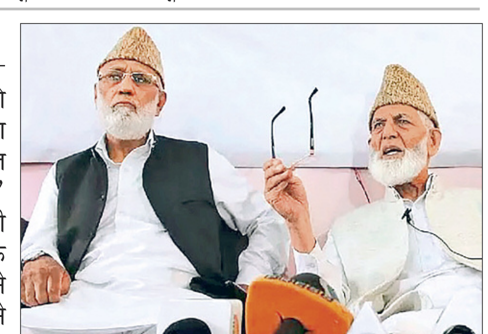

खास बातें

- गृहमंत्री शाह ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी जानकारी
- सुरक्षाबलों पर पत्थरबाजी सहित 'फंडिंग' में लिप्त रहा है हुर्रियत

2004 में गिलानी ने बनाया था संगठन

सैयद अली शाह गिलानी ने साल 2004 में जमात-ए-इस्लामी कश्मीर छोड़ दी थी, जिसके बाद 7 अगस्त 2004 को उसने तहरीक-ए-हुर्रियत संगठन की स्थापना की। यह एक अलगाववादी संगठन है, जिसका उद्देश्य जम्मू-कश्मीर की कथित आजादी के लिए आंदोलन करना है।

4 दिनों में दूसरे ग्रुप पर बैन

केंद्र सरकार ने 27 दिसंबर को मुस्लिम लीग जम्मू कश्मीर मसरत आलम ग्रुप को भी यूएपीए के तहत गैरकानूनी घोषित कर दिया था। गृहमंत्री ने एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी थी। उन्होंने लिखा- देश विरोधी गतिविधियों की वजह से इस संगठन पर यूएपीए के तहत बैन लगाया गया है। मसरत आलम ग्रुप के सदस्य जम्मू-कश्मीर में राष्ट्र-विरोधी और अलगाववादी गतिविधियों में शामिल हैं। आतंकवादी गतिविधियों का समर्थन करते हैं और लोगों को जम्मू-कश्मीर में इस्लामी शासन स्थापित करने के लिए उकसाते हैं। सरकार का संदेश जोरदार और स्पष्ट है कि हमारे राष्ट्र की एकता, संप्रभुता और अखंडता के खिलाफ काम करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और उसे कानून का सामना करना पड़ेगा।

म्यांमार से भागकर मिजोरम पहुंचे 151 सैनिक, भारत में शरण लेने को मजबूर

एलओसी के पास छिड़ा है युद्ध

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पड़ोसी देश म्यांमार में शिविरों पर एक सशस्त्र जातीय समूह द्वारा कब्जा कर लिए जाने के बाद म्यांमार के लगभग 151 सैनिक मिजोरम के लांग्टलाई जिले में भागकर आ गए। म्यांमार की सेना के जवानों को 'टाटमाडॉ' के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने अपने हथियारों के साथ भागकर भारत में शरण लिया।

असम राइफल्स के एक अधिकारी के हवाले से पीटीआई ने बताया कि लॉन्टलाई जिले के तुइसेंटलांग में असम राइफल्स के पास पहुंचे। अधिकारी ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से भारतीय सीमा के करीब के इलाकों में म्यांमार सेना और अराकान सेना के लड़ाकों के बीच तीव्र गोलीबारी हो रही थी। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को मिजोरम में प्रवेश करने वाले म्यांमार सेना के कुछ जवान गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें असम राइफल्स द्वारा प्राथमिक उपचार दिया गया। अधिकारी ने कहा कि म्यांमार के सैनिक अब म्यांमार सीमा के पास लॉन्टलाई जिले के पारवा में असम राइफल्स की सुरक्षित हिरासत में हैं।

भेजा जाएगा वापस

अधिकारी ने कहा कि म्यांमार के सैनिकों को कुछ दिनों में उनके देश वापस भेज दिया जाएगा। भारत के विदेश मंत्रालय और म्यांमार की सैन्य सरकार के बीच बातचीत चल रही है। इससे पहले नवंबर में म्यांमार-भारत सीमा पर उनके सैन्य शिविरों पर पीपुल्स डिफेंस फोर्स (पीडीएफ) द्वारा कब्जा किए जाने के बाद कुल 104 म्यांमार सैनिक मिजोरम भागकर आ गए थे। उन्हें भारतीय वायुसेना द्वारा हवाई मार्ग से मणिपुर के मोरेह ले जाया गया। इसके बाद उन्हें यहां से अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर म्यांमार के निकटतम सीमावर्ती शहर तमू भेजा गया।

चिंतन

नए वर्ष में चुनौतियों से पार पाना होगा

भारत आत्मविश्वास से भरा हुआ है, विकसित भारत संकल्प से ओत-प्रोत है। आज जब नव वर्ष शुरू हो रहा है तो ये आत्मविश्वास और संकल्प वर्ष भर दिखाई देंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मन की बात कार्यक्रम की 108वीं कड़ी में कहा है कि देश विकसित भारत व आत्मनिर्भरता की भावना से भरा हुआ है, वर्ष 2024 में भी गति बनाए रखनी है। देश के लिए नव वर्ष खास है। इस वर्ष लोकसभा चुनाव होने हैं, जिसमें एक तरफ राजग होगा तो दूसरी तरफ इंडि गठबंधन। भाजपा नीत राजग नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता पर सवार होकर राम मंदिर, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, हिंदुत्व व विकास के एजेंडे के साथ मैदान में होगा तो नव गठित इंडि गठबंधन राजग को शिकस्त देने के लक्ष्य के साथ चुनाव में होगा। राष्ट्रीय स्तर पर इंडि गठबंधन की यह पहली परीक्षा होगी। नए वर्ष में राजनीति में बड़ा परिवर्तन दिखाई देगा। भारत अभी सबसे अधिक जीडीपी दर से बढ़ने वाला देश है, नए साल में भी यह स्थिति बनी रहेगी। सड़क, रेल, विमानन, पोर्ट आदि सभी इन्फ्रा क्षेत्र में देश तेजी से नवनिर्माण कर रहा है, नए वर्ष में इन क्षेत्रों में गति बनी रहने की संभावना है। अर्थव्यवस्था के हर क्षेत्र में खास कर डिजिटल, इलेक्ट्रिकल, ग्रीन हाइड्रोजन, ऑटो, फार्मा, बायोटेक, नैनोटेक, अंतरिक्ष, सेमीकंडक्टर आदि क्षेत्र में प्रगति के नए आयाम दिखाई देंगे। इसरो नव वर्ष में नया इतिहास रचने जा रहा है। भारत ने बीते वर्ष में वैश्विक स्तर पर प्रतिकूल परिस्थितियों का 'निर्णायक' तरीके से सामना किया। बढ़ती मांग, घटती महंगाई, स्थिर ब्याज दर परिदृश्य और मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार की वजह से भारतीय अर्थव्यवस्था की चमक बनी रही। दुनिया के विकसित देशों में व्यापक निराशावाद और बिगड़ती भू-राजनीतिक स्थिति के बावजूद मार्च तिमाही में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.1 प्रतिशत रही। जून तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी, जबकि सितंबर तिमाही में वृद्धि दर 7.6 प्रतिशत रही। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में देश की आर्थिक वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत रही है। भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बनी रहेगी। जीडीपी दर में भारत चीन से आगे रहेगा। वर्ष 2023 में प्रौद्योगिकी का विकास अभूतपूर्व रफ्तार से हुआ। भारत ने डेटा गोपनीयता और भंडारण पर नए कानून बनाए। कृत्रिम मेधा (एआई) को लेकर उत्साह के बीच ओपनएआई के चैटजीपीटी की लोकप्रियता और डीपफेक पर भारत की कार्रवाई ने सभी का ध्यान खींचा। भारत ने डिजिटल संप्रभुता पर जोर दिया और सोशल मीडिया तथा बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों पर सख्ती की। डिजिटल सेक्टर में नए वर्ष में भी भारत की प्रगति दिखाई देगी, खासकर एआई में। भू-राजनीतिक उथल-पुथल से भरे इस वर्ष में, भारत ने जी-20 के सदस्य देशों को प्रमुख वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए एक महत्वाकांक्षी रूपरेखा सर्वसम्मति से अपनाने के वास्ते तैयार करने में अपनी कुशल रणनीति का प्रदर्शन किया। चीन के बढ़ते आक्रामक रवैये के बीच अपनी रणनीतिक ताकत से भारत ने अपनी ग्लोबल साख बढ़ाई। नए वर्ष में भी भारत वैश्विक परिदृश्य में चमकता सूर्य साबित होगा। इसके साथ ही गरीबी दूर करने, सामाजिक व सांप्रदायिक विभाजन मिटाने, व्यापार घाटा शून्य करने, महंगाई-बेरोजगारी से निपटने, युद्ध व भूराजनीतिक संकट के बीच आपूर्ति तंत्र दुरुस्त रखने की चुनौतियों से नव वर्ष में पार पाना होगा।

नववर्ष

गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर

आगामी वर्ष में असंभव को सिद्ध करने का स्वप्न देखें

हम सभी इस वसुंधरा पर कुछ आश्चर्यजनक और अतुलनीय करने के लिए आए हैं। यह सुनिश्चित करना आपका काम है कि आप इस अवसर को हाथ से न जाने दें। नए साल में कुछ न कुछ सृजनात्मक अवश्य करें। कुछ सृजन किए बिना कोई वर्ष नहीं बीतना चाहिए। जब तक आपके मन में कोई स्वप्न नहीं जन्मता, आप उसे साकार नहीं कर सकते। हर आविष्कार एक स्वप्न से उपजा है। स्वयं को विराट स्वप्न देखने और चिंतन करने की स्वतंत्रता दें और पूरे समर्पण के साथ उन्हें पूर्ण करने का साहस रखें। अक्सर विराट स्वप्नदर्शियों का उपहास उड़ाया जाता रहा है, किंतु उन्होंने इसकी परवाह किए बिना अपने लक्ष्य को प्राप्त किया। आपकी जीवन-ऊर्जा को प्रवाहित होने के लिए निश्चित दिशा की आवश्यकता होती है। यदि आप इसे सही दिशा नहीं देते, तो आप किसी न किसी भ्रम का शिकार हो सकते हैं। जीवन-ऊर्जा को एक दिशा में ले जाने के लिए प्रतिबद्धता आवश्यक है। आज अधिकांश लोग भ्रमित हैं क्योंकि उनका जीवन दिशाहीन हैं। जब आप प्रसन्न होते हैं, तो आपके भीतर अत्यधिक जीवन-ऊर्जा होती है; लेकिन जब यह जीवन-ऊर्जा इस बात से अनभिज्ञ होती है कि उसका लक्ष्य कहाँ है, तो यह अटक जाती है। जब इसे आगे बढ़ने का मार्ग नहीं मिलता तो यह इसमें सड़न पैदा हो जाती है।

रहस्य यह है कि आप जितने अधिक प्रतिबद्ध होंगे, उस प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए उतनी ही अधिक ऊर्जा का उपयोग होगा। प्रतिबद्धता जितनी अधिक होगी, चीजें आपके लिए उतनी ही आसान होंगी। छोटी-छोटी प्रतिबद्धताएँ आपके लिए दम घोंटने वाली हो सकती हैं क्योंकि आपके पास क्षमता तो अधिक है, लेकिन आप एक सीमित दायरे में फँसे हुए हैं। जब आप समाज की, अपने आस-पास के लोगों की भलाई के लिए काम कर रहे हैं, भले ही आपके पास करने के लिए दस काम हों और अगर एक काम गलत भी हो जाता है, तो आप शेष काम करना जारी रख सकते हैं; जो कार्य ग़लत हो गया है वह अपने आप ठीक हो जाएगा! साधारणतया कृपा इसी तरह काम करती है। हम सोचते हैं कि हमारे पास पर्याप्त संसाधन होने चाहिए और फिर हम प्रतिबद्ध होंगे। आप जितनी अधिक ज़िम्मेदारी लेंगे, संसाधन उतनी ही आसानी से आपके पास आएंगे। आप जिस चीज के लिए भी प्रतिबद्ध हैं, वह आपको शक्ति प्रदान करती है। यदि आप अपने परिवार के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो आपका परिवार आपका सहयोग करता है; यदि आप समाज के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो आप समाज के सहयोग का आनंद लेते हैं। आपके माँगने से पहले ही आपको सहायता मिल जाएगी। प्रतिबद्धता का परिणाम लाने के लिए हमें सही विचारों और सही कार्यों की आवश्यकता है। उन सभी इच्छित वस्तुओं की सूची न बनाएं जिन्हें आप हासिल करना चाहते हैं; बल्कि एक विशाल दृष्टिकोण रखें और कुछ ऐसी वस्तुएँ चुनें जो वास्तव में मायने रखती हैं। यदि हम ऐसी बातों का ध्यान रखते हैं जो हमें अधिकतम संतुष्टि प्रदान करती हैं, और दीर्घ काल तक वे दूसरों के जीवन को ऊपर उठाने में भी सहायक है, तो सामान्य वस्तुएँ अपने आप सही स्थान पर आ जाएंगी। जब मन पूर्ण रूप से वर्तमान में होता है, तो आपके पास संगत विचार आते हैं। आपको न केवल अपने लक्ष्यों की योजना बनानी चाहिए, बल्कि उन पर काम करने के साधनों और तरीकों की भी योजना बनानी चाहिए। तीन साल बाद आप खुद को कहां देखना चाहेंगे? 20 साल बाद 40 साल बाद परिणामों को लेकर उत्तेजित न हों। अपना 100 प्रतिशत दें।

आमतौर पर, हम मस्तिष्क को तो तेज दौड़ाते हैं लेकिन काम धीरे करते हैं। सफलता का सही सूत्र है मन में धैर्य और कर्म में गतिशीलता। उत्साह और वैराग्य दोनों को अपनाएं। अपने लक्ष्यों के लिए प्रयास करने के साहस के साथ आगे बढ़ें और आवश्यकता पड़ने पर हार भी मानें। समृद्धि स्वाभाविक रूप से आएगी। जब आप ध्यान करते हैं तो निरीक्षण की क्षमता बढ़ती है। आप पूरी तरह से निश्चिंत हो जाते हैं, लेकिन साथ ही, आपके पास बौद्धिक शक्ति, जागरूकता और अंतर्ज्ञान की तीव्रता भी होती है। जब आप जागरूक होकर कार्य करते हैं, तो कार्य ठीक होता है। अटूट मनोयोग और सहज मन आपको अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता करेगा। तनावमुक्त ऊर्जा से भरे जीवन का मार्ग 'ध्यान' है, जिसमें अपने लक्ष्य के प्रति दृष्टि स्पष्ट होती है। प्रतिबद्धता भविष्य में सदा सुखद अनुभूति लाएगी। निवास के लिए इस दुनिया को एक सुंदर स्थान बनाने की ज़िम्मेदारी उठायें। असंभव को संभव बनाने का प्रण लें!

स्वागतम 2024

अरविंद जयतिलक

संकल्प सिद्धि का बने नव वर्ष

> यह नया वर्ष निराशाओं के भंवर से पार पाने, भविष्य के नए सपने गढ़ने-बुनने और उसे आयाम देने की प्रेरणा व संकल्प की ताकत दे, ऐसी हम कामना करेंगे। क्योंकि यह संकल्प ही जीवन को उत्सवधर्मी और अपराजेय बनाता है। नई ऊंचाइयों को छूने और विफलताओं को विस्मृत करने की ऊर्जा देता है। वैमनस्यता, कटुता, दुर्भावना और हीनता को पीछे ढकेल सहजता, उदारता और नवीनता को आत्मसात कर आगे बढ़ने की ताकत देता है। हम नए वर्ष में भारत राष्ट्र व समाज को एक समृद्ध, शक्ति संपन्न, समरस और महान राष्ट्र बनाने का संकल्प लें उसके लिए सिद्धि में जुटें।

नए वर्ष की हार्दिक मंगलमय शुभकामनाओं के साथ आइए हम संकल्प लें कि राष्ट्र व समाज निर्माण की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करेंगे। ऊर्जा और उल्लास के साथ चतुर्दिक खुशहाली, समृद्धि और समरसता का वातावरण रचेंगे। जन-जन के मन में शुभकामनाएं प्रस्फुटित हों ऐसी कामना करेंगे। यह नया वर्ष निराशाओं के भंवर से पार पाने, भविष्य के नए सपने गढ़ने-बुनने और उसे आयाम देने की प्रेरणा व संकल्प की ताकत दे, ऐसी हम कामना करेंगे। क्योंकि यह संकल्प ही जीवन को उत्सवधर्मी और अपराजेय बनाता है। नई ऊंचाइयों को छूने और विफलताओं को विस्मृत करने की ऊर्जा देता है। वैमनस्यता, कटुता, दुर्भावना और हीनता को पीछे ढकेल सहजता, उदारता और नवीनता को आत्मसात कर आगे बढ़ने की ताकत देता है। चैतन्यता से भरपूर संकल्प ही स्वयं के जीवन को समुन्नत बनाने के साथ-साथ समाज व देश की भाषा, संस्कृति, विविधता, सर्वधर्म समभाव और लोकमान्यताओं को संवारने और सहेजने का आत्मबल देता है।

आइए हम समवेत प्रयास के जरिए आशान्वित हों कि यह नया साल भी उत्सवधर्मी भारतीय जनमानस को एक नया संकल्प, नई ऊंचाई और नया विचार देगा। विचारों के इस संकल्प को उर्वरता और मुखरता प्रदान करने के साथ उत्थान व विकास की नई लकीर खिंचेगा। ऐसा इसलिए कि राष्ट्र व समाज के उत्थान में ही स्वयं के उत्थान व विकास के बीज निहित होते हैं। भारतीय जनमानस को इस नए साल में इसी उत्थान व विकास के बीज के प्रकीर्णन का संकल्प लेना होगा। इस बीज के प्रस्फुटन से ही देश में तरक्की का अमृत रस छलकेगा और सौहार्द का वातावरण निर्मित होगा।

तरक्की व सौहार्द के जुड़ाव से ही राष्ट्र व समाज की चेतना मजबूत होगी। नए संकल्पों के जरिए ही मनोकामनाओं की पूर्ति होगी। राष्ट्र का मान और शान बढ़ेगा। कामना करें कि यह नया साल इन्हीं संकल्पों को पूरित करने का एक सात्विक क्षण बनें। इसी क्षण के संकल्पों के जरिए ही भारतीय समाज में व्याप्त सामाजिक-आर्थिक गैर बराबरी और धार्मिक-सांस्कृतिक टकराव को मिटाया जा सकता है। इसी क्षण में भारत राष्ट्र के सनातन मूल्यों को सहेजा जा सकता है। इसी क्षण में लोककल्याण के मार्ग के विघ्न-बाधाओं को दूर किया जा सकता है। बस संकल्पों को साधने और मूर्त रुप देने की जरुरत है। यह कार्य हम छोटे-छोटे प्रयासों के जरिए कर सकते हैं। बस सिर्फ अपने आसपास सकारात्मक विचारों को प्रसारित करने की जरुरत है। हमारे आसपास अभावग्रस्त लोगों की कमी नहीं है। हम चाहें तो इन्हें मदद पहुंचाकर और जागरूकता के जरिए नए साल का उपहार दे सकते हैं। इस समय भीषण ठंड है। ऐसे हजारों लोग हैं जिनके पास गरम कपड़े नहीं हैं। वे ठंड से ठिठुर रहे हैं। गौर करें तो हर वर्ष ठंड और भूख से हजारों लोग मरते हैं। हम इन्हें कपड़े और भोजन उपलब्ध कराकर उनकी सुरक्षा और सेवा का व्रत ले सकते हैं। सेवा परमोधर्म है। इसी सेवा भाव से हम स्कूल जाने वाले गरीब बच्चों की मदद कर सकते हैं।

अंतिम हाशिए पर खड़े-पड़े अभावग्रस्त लोगों के होठों पर मुस्कान व मिठास बिखेरती है। हम भी ऐसा कर गांधी जी के रामराज वाले सपने को साकार कर सकते हैं। अच्छी बात है देश की तकरीबन सभी सरकारें इस दिशा में सकारात्मक पहल कर रही हैं। वह रैन बसेरों के जरिए बेघर लोगों को सुरक्षा प्रदान कर रही है। केंद्र व राज्य सरकारें गरीबों और जरुरतमंदों के कल्याण के लिए कई लाभकारी योजनाएं चला रही हैं। लेकिन बढ़ती आबादी की चुनौतियों को देखते हुए यह पर्याप्त नहीं है। बढ़ती जनसंख्या से निपटने के लिए जन-जन की भागीदारी और सहभागिता बेहद आवश्यक है।

हम हर वर्ष लाखों टन भोजन बर्बाद बर्बाद हकर देते हैं।घर में बचे भोजन को इधर-उधर फेंक देते हैं। अगर हम इसी भोजन को जरुरतमंदों तक पहुंचा दें तो उनका भला हो सकता है। वैसे भी भारत की सनातन संस्कृति और मूल्य-विचार मिलजुलकर रहने और मिल-बांटकर खाने की प्रेरणा देती हैं। हमें उन आजमाए मूल्यों पर आगे बढ़ना चाहिए। हमारे आसपास हजारों ऐसे लोग हैं जो बीमार और अस्वस्थ हैं। उनके पास धन का अभाव और जागरुकता की कमी है। हम चाहे तो उन्हें आसानी से सहयोग कर अस्पताल पहुंचा सकते हैं। विचार करें तो इस कार्य में देश के लाखों चिकित्सक अहम भूमिका निभा सकते हैं। वे अपने आसपास रहने वाले गरीब लोगों का निःशुल्क इलाज व दवा प्रदान कर उनकी सेवा कर सकते हैं। चिकित्सकों को दूजा भगवान की संज्ञा दी गयी है। लिहाजा उन्हें भगवान जैसा आदर्श विचार का संकल्प लेना चाहिए। इसी तरह देश के वकील, नौकरशाह, सरकारी कर्मचारी और उद्योगपति भी देश को संवारने में अपना सकारात्मक योगदान दे सकते हैं। देश प्रदूषण की समस्या से कराह रहा है। हर वर्ष लाखों लोग प्रदूषण से जान गंवा रहे हैं। उनकी उम्र कम हो रही है। इस प्रदूषण के लिए कहीं न कहीं हम खुद जिम्मेदार है।

आइए हमलोग संकल्प लें कि इस वर्ष प्रदूषण न कर पर्यावरण की रक्षा करेंगे। प्रदूषण की तरह गंदगी भी एक भीषण समस्या है। गंदगी के कारण विभिन्न किस्म के रोग उत्पन होते हैं। इन रोगों से निपटने के लिए सरकार हर वर्ष हजारों करोड़ रुपए खर्च करती हैं। गंदगी मिटाने के लिए देश में स्वच्छता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। हमलोग नए साल में समूहबद्ध होकर अपने आसपास की गंदगी को साफ करने और वातावरण को स्वच्छ बनाने का संकल्प ले सकते हैं। अगर ऐसा करते हैं तो बीमारियो पर खर्च होने वाली धनराशि को शिक्षा-स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण मदों में खर्च किया जा सकता है।

देश में नशाखोरी भी एक भयावह समस्या है। युवाओं में धूम्रपान की प्रवृत्ति बढ़ी हैं। कहा जाता है कि एक स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का निवास होता है। इस वर्ष युवाओं को संकल्प लेना होगा कि वह शराबखोरी और धूम्रपान का परित्याग करेंगे। गांधी जी ने नशामुक्त भारत का सपना देखा था। उस सपने को देश के युवाओं को पूरा करना चाहिए। भारत एक विविधतापूर्ण बहुधर्मी व संस्कृति संपन्न देश है। लेकिन जब देश में धार्मिक-सांस्कृतिक टकराव होते हैं तो देश की एकता और अखंडता को चोट पहुंचती है। हिंसा से हजारों लोगों की जान जाती है। हजारों करोड़ की संपत्ति का सर्वनाश होता है। दुर्भाग्यपूर्ण यह कि इन हिंसात्मक घटनाओं को अंजाम देने के लिए युवाओं का इस्तेमाल होता है। यह ठीक नहीं है। युवा वर्ग ही देश में बदलाव का सबसे बड़ा संवाहक है। देश को बदलने, संवारने और सहेजने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी युवाओं के कंधे पर है। हम नए वर्ष में भारत राष्ट्र व समाज को एक समृद्ध, शक्ति संपन्न, समरस और महान राष्ट्र बनाने का संकल्प लें व सिद्धि में जुटें।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

जीवन मूल्यों का पाठ है योग

संकलित

दर्शन

भारत ने जो विश्व को बहुमूल्य उपहार दिए हैं, योग उनमें से एक है। योग हमारी अंतर्जात क्षमताओं को जाग्रत करने और पूर्णता की उच्चतम स्थिति की प्राप्ति में सहायक है। लोहे का एक टुकड़ा चुंबक कैसे बन जाता है? जब लौह कण एक दिशा-विशेष में एकत्र हो जाते हैं, तब यह होता है। उसी प्रकार, यदि हम अपने मन को एक ही बिंदु पर-एक ही दिशा में एकाग्र करें तो हम असीम ऊर्जा उत्पन्न कर सकते हैं। हमारे प्राचीन ऋषि-मुनियों ने एकाग्रता के साथ तप किया और इतनी शक्ति अर्जित की। जैसे सूर्य की किरणों को आवर्धक लेंस द्वारा एक बिंदु पर एकत्रित करें, तो रुई जल सकती है। यही बात हमारी आंतरिक शक्तियों पर भी लागू होती है। हम निष्ठापूर्ण एकाग्रता-शक्ति अर्थात योग द्वारा इनका आह्वान कर सकते हैं। योग हो या कोई अन्य साधना, सम्यक ज्ञान और मार्गदर्शन बहुत आवश्यक है। साथ ही, बाहरी व भीतरी अनुशासन भी बरतना चाहिए।बुरे कर्मों से बच कर, हम स्वस्थ विचार और दृष्टिकोण बनाएं और धर्मोचित कर्म करें। मूल्यों पर आधारित जीवन जिएंगे, तभी हमें योगाभ्यास का पूरा-पूरा लाभ प्राप्त होगा। योग हमारी बुद्धि,भावनात्मक मन एवं शरीर के लिए उपयोगी है। यह बिना दुखी हुए, हमें जीवन की समस्याओं से संतुलित रूप से निपटना सिखाती है। आइए, हम सब अपने प्राचीन ऋषि-मुनियों द्वारा सिखाई गई इस अमूल्य विद्या को प्रोत्साहन देने एवं इसे लोकप्रिय बनाने का प्रयत्न करें। ***-अम्मा अमृतानंदमयी देवी***

भक्ति का मतलब ये नहीं कि दुख नहीं आएंगे

संकलित

प्रेरणा

महाभारत युद्ध के बाद का किस्सा है। पांडवों ने कौरवों को हरा दिया था और युधिष्ठिर राजा बन गए थे। उस समय भीष्म पितामह बाणों की शय्या पर लेटे हुए थे और प्राण त्यागने के लिए सूर्य के उत्तरायण होने की प्रतीक्षा कर रहे थे। भीष्म के पूरे शरीर पर तीर लगे हुए थे। एक दिन श्रीकृष्ण पांडवों के साथ भीष्म से मिलने पहुंचे। श्रीकृष्ण ने भीष्म से कहा कि आप पांडवों को राजधर्म का ज्ञान दें, ताकि ये अपना राज-पाठ अच्छी तरह चला सके। बातचीत करते समय पांडवों ने देखा कि भीष्म पितामह की आंखों में आंसू आ गए थे। पांडवों को इस बात की हैरानी हुई कि भीष्म पितामह जैसे महारथी को भी मृत्यु का डर सता रहा है, इस वजह से इनकी आंखों में आंसु आ गए हैं। जबकि इन्हें तो इच्छामृत्यु का वरदान मिला हुआ है। पांडवों के मन की बात समझकर श्रीकृष्ण ने भीष्म पितामह से पूछा कि आपकी आंखों में आंसू क्यों हैं? श्रीकृष्ण का प्रश्न सुनकर भीष्म ने कहा कि आप तो सब कुछ जानते हैं, मैं पांडवों को भी बता देता हूं। मेरी आंखों में आंसू पांडवों को देखकर आ गए। पांडवों पुत्रों के साथ स्वयं श्रीकृष्ण साथ हैं। फिर भी इनके जीवन में लगातार दुख आते रहे। कदम-कदम पर पांडवों के जीवन में मुश्किलें आईं। इन्हें देखकर मुझे समझ आया कि अगर हमारे भगवान हैं, तब भी इसका मतलब ये नहीं है कि हमारे जीवन में दुख नहीं आएंगे। दुख तो आएंगे, लेकिन भगवान की मदद से हम दुखों का सामना पूरे साहस के साथ कर पाते हैं। भक्ति करेंगे तो भगवान हमें दुखों से लड़ने का साहस देंगे।

अंतर्मन

आज की पाती

अपराधियों को सजा देने में हिचकिचाहट क्यों?

अर्जुन अवार्डी विनेश फोगाट और अन्य खिलाड़ियों के साथ बृजभूषण शरण सिंह का क्या व्यवहार है? महिला खिलाड़ियों को उत्पीड़न का शिकार क्यों बनाया जा रहा है? अगर महिला खिलाड़ियों की इज्जत और आबरू दाव पर लगती है, तो जरा सोचिए, क्या भविष्य में खेल के मैदान में कोई महिला उतरेगी? कौन अभिभावक अपने बच्चों को ऐसी जगह भेजेगा जहां उनकी इज्जत नहीं होती। एक तो खिलाड़ियों की ड्रेस ही ऐसी होती है कि अभिभावक दिल पर पत्थर रखकर ही उसे खिलाड़ियों को पहनाते हैं। फिर अपने देश के लिए मैदान में उतरें और वहां रक्षक ही भक्षक बने हुए हैं, तो यह घोर निंदा का विषय है। ये लोग क्यों यहां-वहां महिला खिलाड़ियों को छेड़ते हैं? इस तरह के अपराधियों को सजा देने में सरकार को हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए। *-शरद साहू, राजनांदगांव*

करंट अफेयर

मेक्सिको व वेनेजुएला में शरणार्थियों वापसी शुरू

मेक्सिको और वेनेजुएला ने शनिवार को घोषणा की कि उन्होंने मेक्सिको में वेनेजुएला के शरणार्थियों को वापस लाने के लिए उड़ानें फिर से शुरू कर दी हैं। यह कदम लोगों को बड़ी संख्या में अमेरिका में प्रवेश करने से रोकने के लिए उठाया गया है। प्राधिकारियों का कहना है कि हर दिन कम से कम 10,000 शरणार्थी अमेरिका-मेक्सिको सीमा पर पहुंच रहे हैं ,जिनमें से बड़ी संख्या में लोग शरण पाने के इच्छुक हैं। वापसी उड़ानें शुरू करने का फैसला तब लिया गया जब इस सप्ताह मुख्यत: वेनेजुएला के हजारों लोगों का काफिला दक्षिण मेक्सिको से आगे बढ़ा। लोगों को वापस लाने संबंधी ये उड़ानें अक्टूबर में मेक्सिको में हुई एक शिखर वार्ता के दौरान क्षेत्रीय नेताओं के बीच बने एक समझौते का हिस्सा हैं जिसका मकसद प्रवास का समाधान तलाशना है। मेक्सिको के विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों देशों ने शुक्रवार को एक उड़ान और शनिवार को दूसरी उड़ान के साथ स्वदेश वापसी शुरू की है। यह 'प्रवास के मुद्दों पर सहयोग मजबूत करने' का प्रयास है। मेक्सिको सरकार ने कहा कि उसने गत 20 जनवरी को भी 110 लोगों के साथ ऐसी ही उड़ान का संचालन किया था।

ऑफ बीट

एमआरआई स्कैनर में सावधानी क्यों है जरूरी

विस्कॉन्सिन की एक 57 वर्षीय महिला को हाल ही में चोट लग गई। वह एमआरआई (चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग) स्कैन के लिए अस्पताल गई और छुपे हुए हथियार के साथ मशीन में दाखिल हो गई। मशीन के शक्तिशाली चुंबक के कारण बंदूक चल गई। कई वर्षों के अध्ययन और अनुकूलन के परिणामस्वरूप 1977 में पहला रोगी स्कैन हुआ। हर साल लगभग 9 .5 करोड़ एमआरआई स्कैन किए जाते हैं। यह एक प्रभावी और मूल्यवान निदान उपकरण है, जो रोगियों के लिए अविश्वसनीय रूप से सुरक्षित है जो नैदानिक छवियों में उत्कृष्ट ऊतक रिज़ॉल्यूशन देता है और प्राप्तकर्ता को किसी भी हानिकारक आयनकारी विकिरण के संपर्क में नहीं लाता है। हालांकि यह सुरक्षित है, लेकिन मशीनों से निकलने वाले शोर (इयरप्लग की पेशकश) के बारे में मरीजों की कुछ चिंताएं हैं, जो 100 डेसिबल तक पहुंच सकती हैं। और क्लौस्ट्रफ़ोबिया से पीड़ित कुछ लोग मशीन में लंबे समय तक इसे सहन करने के लिए परेशान होते हैं। एमआरआई जो कुछ भी चित्रित किया जा रहा है उस पर शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र लागू करके काम करता है। ये चुम्बक पृथ्वी से 30,000 अधिक शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र उत्पन्न करते हैं।

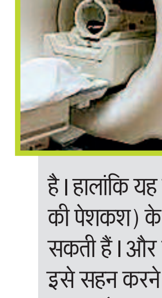

ट्रेंड

स्वस्थ चिंतन से संकल्प पूर्ति

स्वस्थ चिंतन से ही विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा और इसके लिए स्वस्थ शरीर एवं मस्तिष्क आवश्यक है। शरीर के स्वस्थ रहने पर ही जीवन के सारे कार्य संभव हो पाएंगे। हम शारीरिक रूप से जितना स्वस्थ होंगे, मानसिक रूप से भी मजबूत होंगे। **- योगी आदित्यनाथ, सीएम**

सद्भाव से मनाएं नव वर्ष

नए साल का जश्न सद्भाव, धर्मनिरपेक्षता, प्रेम, भाईचारे और दोस्ती की घोषणा के रूप में मनाया जाना चाहिए। आइए हम शांति, खुशी और समानता से भरे बेहतर कल के लिए अपनी आशाएं साझा करें।
-पिनराई विजयन, मुख्यमंत्री, केरल

आक्रामकता से बचें गिल

मुझे लगता है कि शुभमन गिल टेस्ट क्रिकेट में कुछ ज्यादा ही आक्रामकता से खेल रहा है। जब आप टेस्ट क्रिकेट में खेलते हो तो टी-20 अंतरराष्ट्रीय और वनडे की तुलना में इसमें थोड़ा अंतर होता है। अपनी आक्रामकता पर लगाम लगाएं।
-सुनील गावस्कर, क्रिकेटर व कमेंटेटर

फिट रहने का लें संकल्प

लोगों को फिल्मी सितारों से प्रेरित 'दिखावटी' जीवन जीने पर नहीं बल्कि स्वस्थ जीवन जीने पर ध्यान देना चाहिए। मैं प्राकृतिक तरीके से फिट रहने के बारे में भावुक हूं। मुझे फैंसी जिम से ज्यादा तैराकी, बैडमिंटन खेलना, सीढ़ियां चढ़ना, 'मुदगर' के साथ व्यायाम करना पसंद है। **-अक्षय कुमार**

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

पेज एक के शेष

आईटीआर, सिम कार्ड और...

कर पाएंगे। ऐसा करने की समय सीमा पहले 30 सितंबर थी, जिसे तीन महीने बढ़ा दिया गया था।

नया सिम खरीदने ई-केवाईसी जरूरी : आज 1 जनवरी, 2024 से नया सिम कार्ड खरीदने के नियमों में बदलाव होने जा रहा है। दूरसंचार विभाग के अनुसार नए सिम कार्ड खरीदते समय दस्तावेज आधारित केवाईसी खत्म हो जाएगा। यानी नया सिम लेते समय कोई फार्म नहीं भरना होगा। दूरसंचार कंपनियां सिर्फ ई-केवाईसी करेंगी।

बैंक लॉकर कांट्रैक्ट पर हस्ताक्षर अनिवार्य : आरबीआई के अनुसार संशोधित बैंक लॉकर समझौते पर हस्ताक्षर करने की समय-सीमा 31 दिसंबर, 2023 तक कर दी गई है। कोई बैंक ग्राहक ऐसा करने में विफल रहता है, तो उनका लॉकर फ्रीज कर दिया जाएगा। आरबीआई ने 31 दिसंबर, 2023 की अंतिम तारीख के साथ बैंक लॉकर अनुबंध के लिए फेज में रिन्यूवल प्रक्रिया अनिवार्य कर दी है।

निष्क्रिय यूपीआई आईडी बंद होंगे : नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने पेमेंट ऐप्स (गूगल-पे, पेटीएम, फोन-पे) को एक साल से निष्क्रिय यूपीआइ आइडी और नंबरों को बंद करने का आदेश दिए है। नए निर्देशों के अनुसार थर्ड पार्टी ऐप प्रोवाइडर (टीपीएपी) और पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर्स (पीएसपी) को 31 दिसंबर तक इसका पालन करना होगा।

रोजगार कानून में बदलाव, नई विधि से होगी छुट्टी की गणना : एक जनवरी 2024 से रोजगार संबंधी कानून में भी बदलाव किया जाएगा। इसके तहत अंशकालिक श्रमिकों और अनियमित घंटे काम करने वालों के लिए नई विधि से छुट्टी की गणना की जाएगी। यानी जो कर्मचारी अलग-अलग घंटों में काम करते हैं या फिर साल के कुछ हिस्सों के लिए नियोजित किए जाते हैं। उन्हें एक खास तरीके की छुट्टी मिल सकेगी।

रसोई गैस के...

नजरें एलपीजी गैस के दाम में होने वाले बदलाव पर भी टिकी रहेगी। पिछली बार एलपीजी गैस के दाम में लंबे समय से बदलाव नहीं हुआ है। ऐसे में इस बार भी लोगों को उम्मीद है कि इनकी कीमतों में नए साल पर राहत मिल सकती है।

बैंक लॉकर...

फैसला लेने के लिए 31 दिसंबर तक ही समय था। ऐसे में अगर किसी ग्राहक ने एग्रीमेंट संशोधित नहीं किया है तो आपको बैंक लॉकर खाली करना पड़ सकता है।

यूपीआई यूजर्स...

ने पेटीएम, गूगल-पे, फोन-पे जैसे ऑनलाइन पेमेंट को ऐसी यूपीआई आईडी बंद करने का फैसला लिया है। जिसका इस्तेमाल पिछले एक साल से ज्यादा समय से नहीं किया जा रहा है। अगर आपकी यूपीआई आईडी है तो उसे तुरंत ट्राजेंक्शन कर लेना चाहिए।

नया सिम कार्ड...

कागज आधारित केवायसी प्रोसेस को खत्म करने जा रहा है। इसका मतलब नया सिम कार्ड खरीदने के लिए कागजी फॉर्म भरने की जरूरत नहीं है। सिर्फ ई-केवायसी ही अनिवार्य होगी।

गाड़ी खरीदना पड़ेगा...

ऑटोमोबाइल कंपनियों ने 1 जनवरी के गाड़ियों की कीमत में बढ़ोतरी का ऐलान किया है। ऑडी 1 जनवरी 2024 से भारत में अपनी गाड़ियों की कीमतों में 2 फीसदी की बढ़ोतरी करने की घोषणा कर दी है। इसके अलावा मारुति सुजुकी सहित कई अन्य कंपनियां भी कीमतें बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं।

आधार के लिए...

थी। अब आज 1 जनवरी 2024 से आधार अपडेट करने के लिए आपको 50 रुपये शुल्क देना होगा। ज्ञात हो कि फ्री आधार अपडेट की अंतिम तिथि कई बार पूर्व में बढ़ाई जा चुकी है।

अनुपयोगी जी-मेल...

इस्तेमाल एक या दो साल से नहीं किया गया है। यह काम जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। ऐसे में अगर आपका कोई अकाउंट आपने काफी दिनों से नहीं इस्तेमाल नहीं किया है, तो उसे एक बार एक्टिव कर लें। संभव है कि आपका ऐसा कोई अकाउंट डिलीट हो जाए।

51 इंच की खड़ी...

मूर्तियों को फाइनल किया गया था और उनमें से भी एक गर्भ गृह में स्थापित होगी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि गर्भगृह में रामलला की 51 इंच लंबी प्रतिमा स्थापित की जाएगी, जिसमें रामलला 5 साल के बाल स्वरूप में होंगे। प्रतिमा में रामलला को खड़े हुए दिखाया गया है। प्रतिमा ऐसी है जो राजा का पुत्र लगे और विष्णु का अवतार लगे। गर्भगृह में रामलला कमल के फूल पर विराजमान होंगे। कमल के फूल के साथ उनकी लंबाई करीब 8 फीट होगी। सूत्रों की मानें तो कर्नाटक के नीले पत्थर से रामलला की प्रतिमा तैयार की गई है। मूर्तिकार योगीराज की बनाई प्रतिमा का चयन किया गया है।

एक व्यापारिक और अमेरिकी नौसेना के जहाज पर बागियों का बड़ा हमला

यूएस आर्मी ने ईरान पर लगाए समर्थन के आरोप

एजेंसी ▶▶ वाशिंगटन

इजराइल और हमास के हिंसक संघर्ष में बीते ढाई महीने से अधिक समय में 22 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इजराइली सेना (आईडीएफ) गाजा पट्टी पर हमास के आतंकी ठिकानों पर लगातार हमले कर रही है। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) की कार्रवाई के खिलाफ कई देशों ने आवाज उठाई है। इजराइल और ईरान की तनातनी किसी से छिपी नहीं है। ताजा घटनाक्रम में लाल सागर में अशांति की एक और घटना सामने आई है। अमेरिकी नौसेना और व्यापारिक जहाज पर बागी नावों से बड़ा हमला करने का मामला सामने आया है। अमेरिकी मिलिट्री ने ईरान पर हमलावरों का समर्थन करने के आरोप लगाए हैं।

अमेरिकी सेना का बयान

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिकी चॉपर और जहाज को दक्षिणी लाल सागर में निशाना बनाया गया। यूएस सेंट्रल कमांड (यूएस सेंटकॉम) की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि यमन की राजधानी सना के स्थानीय समय 31 दिसंबर की सुबह अमेरिकी कंटेनर शिप- मेर्स्क हांग्जो पर हमला किया गया। ईरान के समर्थन वाली हूती विद्रोहियों की चार छोटी नावों पर हमले किए गए। हूती विद्रोहियों की तरफ से दागे गए गोला-बारूद अमेरिकी जहाज से केवल 20 मीटर दूर गिरे।

हूती विद्रोहियों के हमले नाकाम

इससे पहले रविवार को ही लाल सागर में अमेरिका ने हूती विद्रोहियों पर हमला किया। अमेरिकी सेना ने दो एंटी शिप मिसाइलों को तबाह कर दिया है। खबरों के मुताबिक यमन में मौजूद हूती विद्रोहियों ने मिसाइलें लाल सागर में कंटेनर शिप को निशाना बनाकर दागी गईं। यह तीन दिन में दूसरा हमला है, जिसे अमेरिका ने नाकाम कर दिया है।

अमेरिका ने भी हूती विद्रोहियों की नावों को किया तबाह

लाल सागर में यमन के हूती विद्रोहियों को सबक सिखाने के लिए अमेरिका ने बड़ी कार्रवाई की है। अमेरिकी नौसेना ने हूती विद्रोहियों की छोटी नावों को तबाह कर दिया है। इन नावों के जरिए एक कंटेनर जहाज पर चढ़ने की कोशिश की जा रही थी। अमेरिकी सेना ने कहा कि यमन में हूती नियंत्रित क्षेत्रों से चार नावों से मेर्स्क हांग्जो जहाज पर गोलीबारी की गई। नाव जहाज के बेहद करीब पहुंच गईं। जहाज की ओर से इस हमले का मैसेज पास के अमेरिकी युद्धपोतों को पहुंचा। इनसे उड़े हेलीकॉप्टर ने अत्मरक्षा में तीन नावों को डुबो दिया। इस हमले में नाव पर सवार सभी विद्रोही मारे गए। एक नाव इलाके से भागने में कामयाब रही। नवंबर से लगातार हूती लाल सागर में जहाजों पर हमला कर रहे हैं। गाजा पर हमले के जवाब में हूती विद्रोही इजरायल से जुड़े जहाजों पर हमला कर रहे हैं। अमेरिका की सेंट्रल कमांड ने कहा कि जिस वाणिज्यिक जहाज मेर्स्क हांग्जो पर हमला हुआ वह सिंगापुर में रजिस्टर है। वहीं इसका स्वामित्व डेनमार्क की फर्म के पास है जो इसका संचालन करती है। हमले के बाद मेर्स्क ने लाल सागर के मध्य से जहाजों का संचालन 48 घंटे के लिए रोक दिया है।

मन की बात में बोले पीएम मोदी राम मंदिर को लेकर देश में उत्साह

रेडियो पॉडकॉस्ट के इस 108वें एपीसोड को बताया खास

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को वर्ष 2023 के अपने आखिरी 'मन की बात' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अयोध्या के भव्य राम मंदिर का भी जिक्र किया। 'मन की बात' के 108 वें एपिसोड को अपने लिए बहुत खास बताते हुए पीएम मोदी ने कहा, "अयोध्या में राम मंदिर को लेकर पूरे देश में उत्साह और उमंग है। लोग अपनी भावनाओं को अलग-अलग तरह से व्यक्त कर रहे हैं। आपने देखा होगा कि बीते कुछ दिनों में श्री राम और अयोध्या को लेकर कई सारे नए गीत और भजन बनाए गए हैं। बहुत से लोग नई कविताएं भी लिख रहे हैं। इसमें बड़े-बड़े अनुभवी कलाकार भी हैं तो नए उभरते युवा साथियों ने भी मन को मोह लेने वाले भजनों की रचना की है। कुछ गीतों और भजनों को तो मैंने भी अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। ऐसा लगता है कि कला जगत अपनी अनूठी शैली में ऐतिहासिक क्षण का सहभागी बन रहा है।

इस एपीसोड का बताया खास

प्रधानमंत्री मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम के 108वें एपिसोड को अपने लिए खास बताते हुए कहा कि आज हमारी साझा यात्रा का 108वां एपिसोड है। हमारे यहां 108 अंक का महत्व, उसकी पवित्रता एक गहन अध्ययन का विषय है। माला में 108 मन के, 108 बार जप, 108 दिव्य क्षेत्र, मंदिरों में 108 सीढ़ियां, 108 घंटियां, 108 का ये अंक असीम आस्था से जुड़ा हुआ है। इसलिए मन की बात का 108वां एपिसोड उनके लिए और खास हो गया है।

उपलब्धियों का किया जिक्र

प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2023 में भारत द्वारा हासिल की गई कई उपलब्धियों का जिक्र करते हुए देशवासियों को नए वर्ष की शुभकामनाएं दी. देशवासियों से नववर्ष 2024 में भी 2023 की तरह की ही भावना और गति को बनाए रखने का आह्वान भी किया। प्रधानमंत्री ने कहा, ये 140 करोड़ भारतीयों की ताकत है कि इस वर्ष हमारे देश ने कई विशेष उपलब्धियां हासिल की हैं।

केंद्र से वार्ता को साथ आए तीन नगा समूह

■ दशकों पुराने राजनीतिक मुद्दे के समाधान की पहल

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर राज्य नगालैंड के तीन प्रमुख संगठनों ने दशकों पुराने नगा राजनीतिक मुद्दे के समाधान के लिए केंद्र सरकार के साथ संयुक्त रूप से बातचीत की पहल की है। इन नगा समूहों में नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड और नगा नेशनल काउंसिल शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, तीनों नगा समूह 2024 में एक संयुक्त राजनीतिक प्रयास के लिए एक साथ आए हैं। एकजुट होने का फैसला तीनों समूहों ने एक बैठक में लिया। बैठक में अकाटो चोफी के नेतृत्व वाले नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड , खांगो के नेतृत्व वाले एनएससीएन और जेड रॉयिम के नेतृत्व वाले नगा नेशनल काउंसिल के नेताओं ने भाग लिया। ये तीनों विभाजित समूह हैं।

MANAPPURAM FINANCE LTD.
CIN: L65910KL1992PLC006623, Registered Office : W - 4/ 638A, Manappuram House, P.O. Valapad, Thrissur - 680 567, Kerala, India

निलामी सूचना

विशेषकर गिरवीकर्ताओं और सामान्य रूप में जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अकाउंट्स में रखे गए सोने के आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी निम्नलिखित शाखाओं पर दिनांक 16/01/2024 को सुबह 10.00 बजे से किया जाएगा. हम ऐसे डिफॉल्टर ग्राहकों के सोने के आभूषणों की नीलामी करने जा रहे हैं जिन्होंने रजिस्टर्ड पत्र द्वारा सूचित किए जाने के बावजूद अपने लोन की रकम नहीं चुकाई है. जिन आयटम्स की नीलामी नहीं हो पाएगी, उनकी नीलामी किसी अन्य दिन बिना पुन: सूचना दिए की जाएगी. नीलामी के स्थान व तिथि (अगर कोई हो) में परिवर्तनों की कोई सूचना नीलामी केन्द्र या वेबसाइट पर लगाई जाएगी तथा इस बारे में कोई अन्य सूचना नहीं दी जाएगी.

गिरवियों की सूची :
धमतरी, बस्तर रोड धमतरी, 134150730013197, दुर्ग, चारोदा स्क्वेयर भिलाई, 134110700017700, 134110730024091, चौहान एस्टेट, 115880730028153, 8714, 8730, गुरुद्वारा स्टेशन रोड, 112310730039328, कृष्णा थियेटर रोड, 125930700022927, 3003, महाराजा चौक, 116770730015805, मालवीय नगर चौराहा, 116610730029729, नेहरू नगर भिलाई, 125780700019945, 125780700020010, पावर हाउस चौक भिलाई, 134030700033414, 134030730033271, 3437, 3463, 3464, 4157, संतराबाडी , 112610700017752, रायपुर, बनपुरी, 114590700026635, बुधापारा रायपुर, 124430700027680, 7728, 7732, कटोरा तालाब रायपुर, 131700700015040, 131700730012368, मोवा रायपुर, 129340730021385, सदार बाजार भतापरा, 134460730007811, संतोषी नगर रायपुर, 131480700018996, 9425, तेलीबंधा रायपुर, 123840700025731, 123840730021813, राजनंदगाव, लालबाग राजनंदगाँव, 133880700017198,

उपरोक्त नीलामी में भाग लेने के इच्छुक व्यक्तियों को निम्नलिखित का पालन करना होगा:- इच्छुक बोलीकर्ताओं को ईएमडी के रूप में रू.10,000/- नीलामी के दिन नकद जमा कराना होगा (असफल बोलीकर्ताओं को बाद में लौटा दिया जाएगा). बोलीकर्ता को वैध पहचना प्रमाण/पैन कार्ड साथ लेकर आना होगा. अधिक जानकारी के लिए कृपया 8089292353 पर संपर्क करें.

अधिकृत अधिकारी
मणप्पुरम फायनेंस लि. हेतु.

विनेश मामले में बोले राहुल पीएम मोदी ने दिखाई क्रूरता

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

■ पहलवान फोगाट ने विवाद के बाद की है अवॉर्ड वापसी

दिग्गज पहलवान विनेश फोगाट ने अपना खेल रत्न और अर्जुन पुरस्कार वापस कर दिया हैं। उन्होंने 20 नवंबर को पुरस्कारों को लौटाने का एलान किया था। शनिवार को विनेश ने प्रधानमंत्री कार्यालय के बाहर कर्तव्य पथ पर खेल रत्न और अर्जुन पुरस्कार को रख दिया था। जिसके बाद से ही इस मुद्दे पर राजनीति तेज हो गई हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अवॉर्ड वापसी के मुद्दे पर पीएम मोदी को जमकर घेरा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री देश के संरक्षक हैं और यह देखकर मुझे दुख होता है कि उनकी तरफ से इतनी क्रूरता की गई हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए राहुल गांधी ने लिखा कि देश की हर बेटी के लिए आत्म-सम्मान पहले आता है और कोई भी अन्य पदक या सम्मान उसके बाद आता है। "क्या 'घोषित बाहुबली' से मिलने वाले राजनीतिक लाभ की कीमत इन बहादुर बेटियों के आंसुओं से अधिक हो गई हैं।

बजरंग पूनिया भी लौटा चुके हैं पुरस्कार

भारतीय कुश्ती संघ के चुनाव 21 दिसंबर को हुए थे। इसमें संजय सिंह को अध्यक्ष चुना गया था। इसके बाद साक्षी मलिक ने यह कहते हुए कुश्ती से संन्यास ले लिया कि फिर से बृजभूषण जैसा ही चुना गया है तो क्या करें? इसके बाद बजरंग ने पद्म श्री लौटाया और अब विनेश ने अपना खेल रत्न लौटा दिया है। पैरा एथलीट वीरेंद्र सिंह भी अपना पद्म श्री लौटाने की बात कह चुके हैं।

भाजपा सांसद का भाई करोड़ों की लकड़ी तस्करी में गिरफ्तार

■ 126 पेड़ काटने का आरोप

बंगलुरू। कर्नाटक वन विभाग के अधिकारियों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद प्रताप सिम्हा के भाई विक्रम सिम्हा को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। विक्रम पर राज्य के हासन जिले के एक गांव में सरकारी जमीन से बिना अनुमति करीब 126 पेड़ काटने और लकड़ी की तस्करी का आरोप है। ये पेड़ करोड़ों रुपये के बताए गए हैं। प्रताप सिम्हा हाल ही में संसद की सुरक्षा चूक के मामले में चर्चा में आए थे। स्मोक केन लेकर संसद में घुसे दोनों युवकों को सिम्हा की सिफारिश पर ही पास जारी किए गए थे। मामले की जांच कर रहे अधिकारी डॉ. प्रभुगौड़ा बिरादर के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने एसीपी (क्राइम सेल) बेंगलुरु की मदद से विक्रम को गिरफ्तार किया। उन्होंने कहा कि विक्रम पहले जांच अधिकारी के सामने पेश होने से बचता था।

उल्फा के बागी गुट ने शांति समझौते को किया खारिज

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

■ विरोधी धड़े के नेता बरुआ ने कहा संभव नहीं राजनीतिक समाधान

यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (उल्फा) के बागी गुट ने केंद्र सरकार के साथ हुए शांति समझौते को शर्मनाक बताते हुए खारिज कर दिया है। उग्रवादी संगठन उल्फा के नेता परेश बरुआ ने संगठन के वार्ता समर्थक धड़े के साथ हुए एक त्रिपक्षीय शांति समझौते को को 'शर्मनाक' करार दिया। उन्होंने कहा कि राजनीतिक समाधान तब तक संभव नहीं है, जब तक क्रांतिकारी अपने लक्ष्यों और आदर्शों को छोड़ नहीं देते हैं। यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (उल्फा) के वार्ता विरोधी धड़े के नेता बरुआ ने एक असमिया टेलीविजन चैनल को टेलीफोन पर इंटरव्यू दिया। इस दौरान उन्होंने कहा, हम समझौते से हैरान, चिंतित या नाराज नहीं हैं, बल्कि शर्मिंदा हैं। हम जानते हैं कि जब क्रांतिकारी अपने लक्ष्य, आदर्श और विचारधारा छोड़ देते हैं तो परिणाम क्या होता है। राजनीतिक समाधान संभव नहीं है।

केवल पैकेज स्वीकार्य नहीं

बरुआ ने कहा, 'अगर राजनीतिक मांगें पूरी नहीं की जाती हैं और केवल पैकेज दिया जाता है, तो यह स्वीकार्य नहीं है। हम शुरू से कह रहे हैं कि वे तथाकथित व्यवस्था के गलत रास्ते पर आगे बढ़ रहे हैं।' बरुआ के नेतृत्व वाला उल्फा (आई) तब तक बातचीत की मेज पर आने के लिए तैयार नहीं था, जब तक कि 'असम की संप्रभुता' के मुद्दे पर चर्चा नहीं की जाती।

नौ साल की लड़की की छड़ से पिटाई की

लुधियाना (पंजाब)। शहर के संतोख नगर में एक महिला द्वारा नौ साल की बच्ची की कथित तौर पर लोहे की छड़ से पिटाई किए जाने और उस पर खौलता हुआ पानी फेंके जाने का मामला सामने आया है। पुलिस अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पीड़िता के पिता ने रविवार को शिकायत दर्ज कराई और कहा कि घटना पिछले सप्ताह हुई।

राशिफल

मेष — कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में व्यवधान आ सकते हैं, खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं।

वृष — कार्यों के प्रति उत्साह रहेगा, परंतु बातचीत में संतुलित रहें। मन अशांत रहेगा, धर्म-कर्म के प्रति रूझान बढ़ेगा। खर्चों में वृद्धि होगी, स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

मिथुन — अपनी भावनाओं को वश में रखें, आत्मविश्वास में कमी आएगी। क्रोध के अतिरेक से बचें, पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती है।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी आएगी, शांत रहें। सुस्वाद खान-पान में रुचि बढ़ेगी, संचित धन में कमी आएगी, लेखनादि, बौद्धिक कार्यों से धर्नाजन हो सकता है।

सिंह — पठन-पाठन में रुचि रहेगी, पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे, संपत्ति का विस्तार हो सकता है।

कन्या — नौकरी में परिवर्तन के साथ दूसरे स्थान पर भी जाना पड़ सकता है। आयात-निर्यात कारोबार में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला — आलस्य की अधिकता रहेगी, घर-परिवार की सुख सुविधाओं का विस्तार होगा। जीवन साथी से मनमुटाव हो सकता है। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

वृश्चिक — वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे, वस्त्रों आदि के प्रति रूझान बढ़ेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। संचित धन में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं।

धनु — रहन-सहन में असहज रहेंगे, मीठे खान-पान की ओर रूझान बढ़ेगा। संपत्ति से आय में बढ़ोत्तरी हो सकती है, नौकरी में स्थान परिवर्तन संभव है।

मकर — आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, अध्ययन में रूचि रहेगी। संपत्ति के रखरखाव पर खर्चे बढ़ सकते हैं। चिकित्सा कार्यों में खर्च बढ़ सकते हैं।

कुंभ — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाना हो सकता है। खान-पान के प्रति सचेत रहें, स्वास्थ्य में गड़बड़ी हो सकती है।

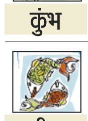
मीन — रहन-सहन कष्टकारी हो सकता है, अफसरों का सहयोग मिलेगा। परिवार का भी सहयोग मिलेगा, वस्त्रों आदि पर खर्चों में वृद्धि हो सकती है।

मां-बाप और बहन की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या

नागौर। नागौर, राजस्थान में एक 25 साल का युवक हत्यारा बन गया। बेटे ने धारदार हथियार (कृषि औजार) से मां-बाप और बहन को मौत की नींद हमेशा के लिए सुला दिया। इतना ही नहीं हत्या करने वाला शख्स खुद बिस्कुट खाते हुए पादूकलां थाने में पहुंचा और सिपाही से बोला, तेरा थानाधिकारी किधर है, मैंने मर्डर कर दिया। सूचना के बाद पादूकलां थाना एसएचओ मानवेंद्र सिंह मय पुलिस जाब्ते के साथ घटना स्थल पर पहुंचे। तीनों के शव को उन्होंने अपने कब्जे में लेकर पादूकलां की राजकीय चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने तीनों के शव को मोर्चरी में रखवा दिया है। पुलिस ने हत्यारे बेटे को भी गिरफ्तार कर लिया है। प्रारंभिक कारण यह सामने आया है कि पैसों की रिकवरी करने के लिए वह पिछले दो दिन से परेशान था, जिसके कारण उसने यह कदम उठाया था।

MINING ENGINEER (Manager Level)REQUIRED

Applications are invited from dynamic and young candidates for the position of Mining Engineer (Manager Level) at Rowghat Iron Ore Mining Project, Bhilai, and Chhattisgarh.
Qualification : B.Tech. (Metal Mining)

Computer Knowledge : MS office and Auto CAD and Surpac mining software.
Experience : Minimum 10 years working experience in an Iron Ore Mine.

Attractive salary package and other benefits will be offered based on qualification and experience. Interested applicants must contact Mr. Manash Biswas Mob: 9407980282
Email : manash.biswas@acbindia.com

ACB Mining Private Limited
(a subsidiary of ACB (India) Limited)

शब्द पहेली - 5381

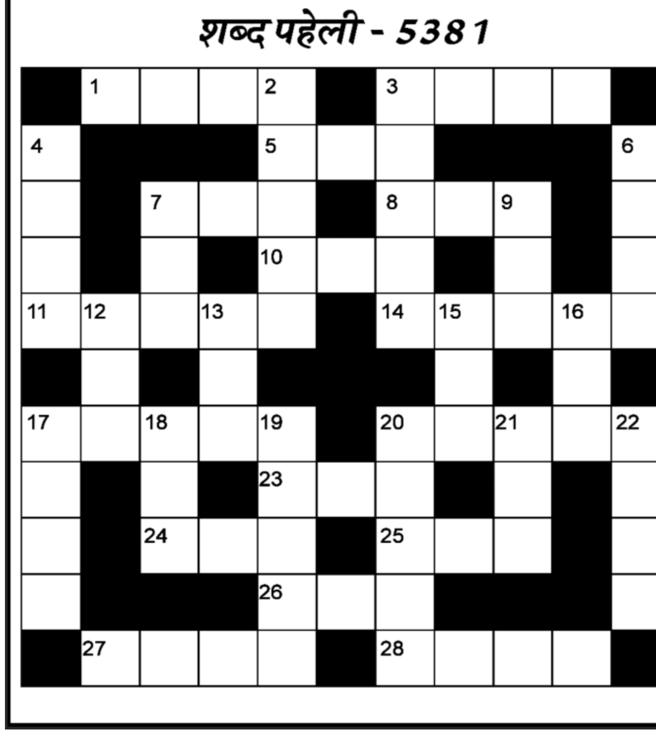

बाएँ से दाए-
1. छुट्टी, रजा-4
3. वध, आघात-4
5. दशानन-3
7. अनमोल, अनूठा-3
8. अनाथ, बेसहारा-3
10. खजूर-3
11. रहम करना-2,3
14. गहराई नापना-2,3
17. लगातार, सतत-5
20. संतुष्ट होना-2,3
23. बीच में, दौरान-3
24. खुश, आनंदित-3
25. शिक्षा-3
26. शोक-3
27. जांचना, परखना-4
28. धार्मिक विधि का आयोजन करने वाला-4

ऊपर से नीचे
2. मयखाना, मधुशाला-5
3. प्रेमकहानी-5
4. चापलूसी-4
6. नटना, वचन तोड़ना-4
7. फिजूल, व्यर्थ-3
9. अव्यवस्थित समूह, भीड़-3
12. गुजर करना-3
13. वेग, गति-3
15. खूबसूरत-3
16. पर्वतीय मैदान, समतल पर्वत-3
17. गुजारिश, मांग-4
18. सुअर-3
19. गुस्सा होना-5
20. ममतापूर्ण-5
22. अयोग्य, असंगत-4

शब्द पहेली -5380 का हल

क	ल	र	व	■	■	■	मु	का	ब	ला
मी	■	■	त	म	त	मा	ना	■	■	ज
श	ब	■	न	या	■	न	दी	■	जी	वा
न	र	क	■	न	म	क	■	ख	रा	ब
■	दा	म	न	■	जा	■	न	फा	■	■
■	न	■	ख	त	■	म	न	■	म	■
■	■	सा	रा	■	आ	■	द	म	न	■
अ	ना	र	■	र	स	म	■	त	ह	री
मा	ता	■	ल	क	■	सौ	त	■	र	त
न	■	■	च	म	क	दा	र	■	■	स
त	क	दी	र	■	■	■	ल	ल	का	र

सूडोकु नवताल - 5391

★☆☆☆☆ सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

■ MANGAL SENACHA, BANGALORE

- ■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- ■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5390 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

खबर संक्षेप

बीते सप्ताह मूंगफली तेल में रहा सुधार

नई दिल्ली। बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में मूंगफली तेल कीमत में आये सुधार को छोड़कर बाकी सभी (सरसों, सोयाबीन तेल-तिलहन, मूंगफली तिलहन, कच्चा पामतेल, पामोलीन दिल्ली एवं एक्स-कांडला तथा बिनौला तेल) के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि दाम ऊंचे होने की वजह से बाजार में मूंगफली तेल की लिवाली कम है इसके चलते मूंगफली दाने की खरीद भी कम है।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने एफडी की ब्याज दरें 1.25% बढ़ाईं

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने विभिन्न अवधि की सावधि जमाओं (एफडी) की ब्याज दरों को 1.25 प्रतिशत तक बढ़ाया है। इससे पहले, एसबीआई ने भी सावधि जमाओं पर ब्याज दरें बढ़ाई थीं। बीओबी ने एक बयान में कहा, 'विभिन्न अवधि की दो करोड़ रुपये तक की सावधि जमाओं पर ब्याज दर 0.01 प्रतिशत से 1.25 प्रतिशत तक बढ़ाई गई है।'

शीर्ष आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण बढ़ा

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में पिछले सप्ताह सामूहिक रूप से 1,29,899.22 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। बीते कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह में बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,133.3 अंक या 1.59 प्रतिशत के लाभ में रहा। सेंसेक्स 28 दिसंबर को 72,484.34 अंक के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचा। 'क्रिसमस' के अवसर पर सोमवार को शेयर बाजार बंद रहे थे।

नए वर्ष में निवेशकों को तोहफा, यूपीआई से खरीद सकेंगे सेकेंडरी मार्केट में शेयर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

नैशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) एक जनवरी 2024 को सेकेंडरी मार्केट के लिए यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस यानी यूपीआई लांच करेगा। इसके बाद निवेशक यूपीआई के जरिए पेमेंट करके शेयर्स खरीद सकेंगे। अभी आईपीओ की बिडिंग में यूपीआई के जरिए पेमेंट कर पाते हैं। जब आईपीओ के लिए अप्लाई करते हैं, तो उसका पैसा इन्वेस्टर्स के अकाउंट में ही ब्लॉक हो जाता है और जब शेयर्स इश्यू होते हैं, तब अमाउंट डेबिट होता है। इसी तरह सेकेंडरी मार्केट यानी शेयर बाजार में यह सर्विस शुरू होने के बाद स्टॉक्स खरीदने पर उसका जितना भी अमाउंट होगा, वह आपके अकाउंट में ब्लॉक हो जाएगा। इसके बाद जब उसी दिन सेटलमेंट होगा, तो इन्वेस्टर्स के अकाउंट से पैसा डेबिट हो जाएगा। सेकेंडरी मार्केट में यूपीआई से खरीद-फरोख्त शुरू करने वाला भारत दुनिया का पहला देश होगा।

दुनिया में पहली बार भारत में शुरू होगी यह सुविधा, एक जनवरी से सीमित ग्राहकों के लिए शुरू होगी सेवा

ट्रांजैक्शंन की स्पीड बढ़ेगी

एनसीपीआई ने बताया कि क्लियरिंग कॉरपोरेशन, स्टॉक एक्सचेंज, डिपॉजिटरी, स्टॉकब्रोकर, बैंक और यूपीआई ऐप सर्विस प्रोवाइडर कंपनियों के साथ मिलकर इक्विटी कैश सेगमेंट के लिए बीटा वर्जन में पेमेंट सर्विस पेश की जाएगी। शुरुआत में यह सर्विस सीमित ग्राहकों के लिए ही होगी। इस कदम से ट्रांजैक्शंस की स्पीड बढ़ जाएगी और भारत के स्टॉक एक्सचेंजों के लिए सेम डे सेटलमेंट करने में मदद मिलेगी।

किसे होगा फायदा

शेयर बाजार में यह सर्विस शुरू होने के बाद स्टॉक्स खरीदने पर जितने पैसे लगेंगे, वह राशि निवेशक के अकाउंट में ब्लॉक हो जाएगी। इसके बाद जब उसी दिन सेटलमेंट होगा तो इन्वेस्टर्स के अकाउंट से पैसा कट जाएगा। अभी तक आईपीओ की बिडिंग में यूपीआई के जरिए पेमेंट करने की सुविधा है। एनपीसीआई ने बताया कि इस बीटा लांच को ब्रोकरेज ऐप 'ग्रो' फैसिलिटेट कर रहा है।

फंड ब्लॉक करने की सुविधा ऑप्शनल है

फंड ब्लॉक करने की फैसिलिटी इन्वेस्टर्स के लिए ऑप्शनल है। यह सुविधा स्टॉकब्रोकर देगा। अगर इन्वेस्टर ने इस सुविधा का चयन किया तो ब्रोकर निवेशक के अकाउंट की डिटेल एक्सचेंजेज के साथ शेयर करेगा। बीएसई और एनएसई उस निवेशक के डेटा को क्लीयरिंग कॉरपोरेशन के साथ साझा करेंगे। यूपीआई गाइडलाइन्स के मुताबिक एक निवेशक अधिकतम पांच लाख रुपए ब्लॉक कर सकता है।

सोने में चमक कायम, नए साल में 70,000 तक पहुंच सकता है दाम

एजेंसी ▶▶| मुंबई

पीली धातु की चमक नए साल 2024 में भी बनी रहेगी। अगले साल सोना 70,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि रुपये की स्थिरता, भूराजनीतिक अनिश्चितता और धीमी वैश्विक आर्थिक वृद्धि के कारण नए साल में भी सोने का आकर्षण कायम रहेगा। फिलहाल जिंस एक्सचेंज एमसीएक्स में सोना 63,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में यह 2,058 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के आसपास है। वहीं रुपया इस समय 83 प्रति डॉलर के पार पहुंच चुका है। दिसंबर की शुरुआत में वैश्विक तनाव की वजह से पश्चिम एशिया में सोने के दाम एक बार फिर चढ़ गए।

नए साल में भी सोने का आकर्षण कायम रहेगा

वैश्विक तनाव की वजह से सोने के दाम एक बार फिर बढ़े

सोना रिकॉर्ड 61,914 रुपए का भाव छू चुका

उभरते बाजार के कारोबारियों का अनुमान है कि ब्याज दर में बढ़ोतरी का चक्र कमोबेश समाप्त हो चुका है। घरेलू बाजार में चार मई को पीली धातु का भाव 61,845 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक नए उच्चस्तर पर पहुंच गया। वैश्विक बाजारों में यह 2,083 डॉलर प्रति औंस की नई ऊंचाई पर पहुंच गया। बाद में 16 नवंबर को सोना 61,914 रुपये प्रति 10 ग्राम की रिकॉर्ड ऊंचाई को छू गया।

केंद्रीय बैंकों की मांग हो सकती है अधिक

कोटक सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष - प्रमुख जिंस शोध रविंद्र राव ने कहा कि खुदरा आभूषण खरीदारी को भारत और चीन में उच्च घरेलू कीमतों से प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। यदि मौजूदा रफ्तार जारी रहती है, तो केंद्रीय बैंकों की मांग पिछले साल के रिकॉर्ड से अधिक हो सकती है।

हेजिंग के लिए सोने की भूमिका बढ़ी

इससे महंगाई के खिलाफ 'हेजिंग' के लिए सोने की भूमिका बढ़ी है। उन्होंने कहा कि सितंबर तिमाही में सोने की कीमत पिछले साल से 12 प्रतिशत कम रही। वर्ष 2023 में सोने की मांग पिछले साल से थोड़ी कम 700-750 टन रहेगी।

कारोबार कमोबेश 2022 जैसा ही रहेगा

ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डोमेस्टिक काउंसिल (जीजेसी) के चेयरमैन संयम मेहरा ने कहा कि सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव से बिक्री पर असर पड़ा है और 30-35 लाख शादियों के बावजूद इस साल पीली धातु का कारोबार कमोबेश 2022 जैसा ही रहेगा।

सुरक्षित निवेश के रूप में सोना बना रहेगा

कॉमट्रेंड्ज रिसर्च के निदेशक ज्ञानशेखर त्यागराजन ने कहा, 'निवेश के सुरक्षित विकल्प के रूप में सोने का आकर्षण बरकरार है। यही वजह है कि इस साल चार दिसंबर को सोने का भाव 64,063 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए रिकॉर्ड पर पहुंच गया। वैश्विक बाजार में यह 2,140 डॉलर प्रति औंस के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।'

चुनावी साल में रुपया हो सकता है कमजोर

त्यागराजन ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि 2024 में अंततः यह अंतरराष्ट्रीय बाजार में 2,400 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच जाएगा। वहीं घरेलू बाजार में सोना 70,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर जा सकता है।' उन्होंने कहा कि चुनावी साल में रुपया कमजोर हो सकता है। इससे घरेलू स्तर पर सोने के दाम बढ़ेंगे।

अदाणी ने इस साल इक्विटी व बांड से 15 अरब डॉलर जुटाए

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अरबपति कारोबारी गौतम अदाणी के समूह ने इस साल इक्विटी से पांच अरब अमेरिकी डॉलर (41,500 करोड़ रुपये) जुटाए और करीब इससे दोगुनी राशि बांड के जरिए हासिल की।

अमेरिकी शॉर्टसेलर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में समूह पर लगाए गए गंभीर आरोपों से उबरते हुए अदाणी ने निवेशकों का भरोसा साबित किया। अडाणी 2023 की शुरुआत में दुनिया के दूसरे सबसे अमीर आदमी थे, हालांकि 24 जनवरी को आई हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट में उन पर आरोप लगाए जाने के बाद उनकी निजी संपत्ति लगभग 60 अरब ड्रॉलर घट गई।

अदाणी 2023 के शुरुआत में दुनिया के दूसरे बड़े अमीर

समूह ने सभी आरोपों से इनकार किया और अपनी रणनीति पर काम करते हुए वापसी की। अदाणी एक साल पहले अपनी संपत्ति से करीब 36 अरब अमेरिकी डॉलर पीछे हैं। वह अपने प्रतिद्वंद्वी अरबपति मुकेश अंबानी से 12 अरब अमेरिकी डॉलर पीछे हैं।

अदाणी ग्रीन ने 1.36 अरब डॉलर जुटाए

अदाणी ग्रीन एनर्जी (एजीईएल) ने अंतरराष्ट्रीय बैंकों के एक संघ से 1.36 अरब अमेरिकी डॉलर जुटाए हैं। एजीईएल के अनुसार मार्च 2021 में प्रारंभिक परियोजना वित्तपोषण के बाद से 1.36 अरब अमेरिकी डॉलर के वित्त पोषण से कंपनी का कुल कोष बढ़कर तीन अरब अमेरिकी डॉलर हो गया।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

आवश्यकता है- ग्लोबल' इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड में तत्काल परमानेंट भर्ती लड़के-लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन कार्यानुसार 7300+ 9500+ 11000+ 13500 + 15000 बाहर के लोगों को रहना+ खाना मेडिकल फ्री मार्कशीट की फोटो कॉपी+ 2 फोटो+ बायोडाटा के साथ। **संपर्क करेः- भिलाई पावर हाउस, ओवर ब्रिज के पास लक्ष्मी मेडिकल के बाजू में (छ.ग.) मो.- 91097-99525.** (RO-6301)

घरेलु/कुक कार्य

आवश्यकता है- रायपुर में गृह कार्य झाड़ू- पोछा कपड़ा बर्तन साफ सफाई व शुद्ध शाकाहारी खाना बनाने हेतु शादीशुदा या अकेले पुरुषों एवं महिलाओं (जिनके बच्चे साथ में न रहते हो) की आवश्यकता है। **संपर्क करें:- 9977200093.** (RO -2147)

नर्सिंग सटाफ

आवश्यकता है- घर पर ही रहकर बुजुर्ग एवं पेशेंट की देखभाल हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है। योग्यता 10 वी, 12 वी, जी.एन. एम, ए. एन. एम, बी. एस. सी नर्सिंग , ड्यूटी 10 घंटे एवं 24 घंटे **संपर्क करें : 9109099781.** (RO -379)

मैकेनिक/हेल्पर

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित वर्कशॉप में कार्य हेतु मैकेनिक, हेल्पर, लेथ ऑपरेटर, और वेल्डर की आवश्यकता है। सैलरी योग्यता अनुसार ITI को प्राथमिकता रहने खाने की सुविधा उपलब्ध **संपर्क करें मोबाइल:- 9618282810.** (RO-1062)

आवश्यकता है- मैकेनिक चाहिए दो पहिया वर्कशॉप हेतु अनुभवी, निपुण मैकेनिक की आवश्यकता है जो अपने कार्य में दक्ष हो आकर्षक वेतन योग्यतानुसार **संपर्क करें:- शुक्ला जी माँ दुर्गा ऑटोस फाफाडीह रायपुर 9993485550, 09300697230.** (RO-2375)

Healthcare

ईलाज की गारंटी पैसा ठीक होने के बाद

- गुप्त रोग नामर्दी, लिंग में छोटापन।
- शीघ्र पतन पेशाब से धातु जाना।
- लिंग में ढीलापन, शुक्राणु की कमी।
- शुगर से आयी हुई सेक्स में कमी।
- आयुर्वेदिक द्वारा खोई हुई शक्ति पुन: प्राप्त करें।
- चर्मरोग व वात रोग का ईलाज किया जाता है।
- नि:संतान दम्पति आज ही मिले।

आज ही संपर्क करें
श्रीकांत आयुर्वेदिक जड़ीबुटी भण्डार
दुर्ग में शॉप नं. 16, पारख कॉम्पलेक्स, पेट्रोल पम्प के सामने, ग्रीन चौक
रायपुर में स्टेशन रोड, सीमरन होटल के सामने
9174440077
9009330088

हर्पिस रोग, सिफलिस-रुबेला, हेपाटाइटिस व एच.आई.वी.(HIV) एवं यौन समस्या

स्त्री पुरुष के गुप्तांग (योनि एवं इन्द्रिय) में दाने, छाले, फूंसी, लाल होना, फटना, जलन व दर्द योनि से सफेद लाल बदबूदार पानी शरीर में जलन, बुखार जैसा लगते रहना, मुंह में छाले, शरीर में पानी भरे फफोले, इन्द्रीय से पीब(पस) जाना शरीर में सुखी खुजली होते हो तो यह हर्पिस रोग (जोस्टर, जेन्टेलियस, सिम्पलेक्स) रुबेला, सिंगल्स, सिफलिस, गौनोरिया, हेपाटाईटिस या एच.आई.वी (HIV AIDS) भी हो सकता हैं। तुरंत खून की जाँच कराये एवं रस-रसायन चिकित्सा से रोग मुक्त होये।

यौन समस्या:
इन्द्रीय का शिथिल होना वीर्य का पतलापन या नहीं बनना मधुमेय जन्य नपुंसकता, नसों की सिकुड़न, इरेक्टाइल डीसफक्शन, लिंग का लकवा (पेनाइल पैरालाइस) शीघ्र पतन, स्वप्न दोष, उत्तेजना की कमी, हस्तमैथुन जन्य नपुंसकता, मूत्र मार्ग से सफेदी जाना, जलन ऐसे होते हो तो ध्यान रहें उपरोक्त बीमारियों का स्थाई ईलाज केवल आयुर्वेद के रस रसायन के अलावा अन्य दूसरी चिकित्सा हैं ही नहीं। ये नीम हकीम व जड़ी बूटी वालों के उलझन न फंसे तो बेहतर हैं। सावधान !

बायरो रिसर्च एन्ड स्किन केयर सेंटर
आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच.सी.अग्रवाल (एम.डी.)
डॉ. वी. के. अग्रवाल
(बीएएमएस, आयुर्वेद विज्ञान विशेषज्ञ)
निशांत अग्रवाल
फार्मा साईटिस्ट
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरुप टाकीज के सामने, बजाज(गोल्ड) फाइनेंस के पीछे दुर्ग, I 9425555659, 9617789223, 9303948500,,9303242200
समय शाम 4 -7 बजे तक।
अपाईटमेंट फोन से (गुरुवार अवकाश)

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- छत्तीसगढ़ के रायपुर और रायगढ़ में सिक्योरिटी गार्ड,सुपरवाइजर हेतु 5 वी,8, 10 वी पास हाईट 5 फीट 6 इंच, 4 फोटो, आधार कार्ड सहित मिले रहना,खाना,फ्री,वेतन 10000 से 15000 mobile 8109070600,7869230888, 8085859632, 8839506548. (RO -1031)

सेल्समैन/ऑपरेटर

आवश्यकता है- विरदी साड़ी शोरूम हेतु 7 सेल्समेन,1 कम्प्यूटर ऑपरेटर, ड्राईवर-1 सभी रायपुर लोकल अनिवार्य, वेतन 8000- 20000/- + कमीशन अनुभवी को प्राथमिकता, **विरदी साड़ी कंकालीपारा रायपुर संपर्क समय 10.30 9.30, मो.,9340477419, 9425522577.** (RO-1683)

चिकित्साकर्मी

आवश्यकता है- प्रशिक्षित व अनुभवी स्टॉफ जी.एन. एम. व बी. एस. सी. नर्सिंग तथा रिसेप्सनिष्ट और ओ. पी. डी. स्टॉफ व वार्ड ब्वॉय, वार्ड गर्ल की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार **संपर्क करें- श्री कृष्ण हॉस्पिटल मेन रोड न्यू राजेन्द्र नगर रायपुर (छ.ग.) मो. नं. 9691631006, 9617952445** (RO-1054)

कम्प्युटर ऑपरेटर

आवश्यकता है- Job for Female Computer Operator Salary Rs 4000- Rs 5000 Address VNDG & Company Devendra Nagar, Raipur CG Whatsapp your Resume at 9229462212 Call Mobile 9111753339. (RO-2379)

मशीनमेन/हेल्पर

आवश्यकता है- सीटफैड आफसेट मशीन 18x28, 25x36 हेतु मशीनमेन, हेल्पर, बाइंडर, डीटीपी ट्रेंड आपरेटर तुरंत **संपर्क करें- 8878165000.** (RO-398)

ड्रायवर

आवश्यकता है- रायपुर एयरपोर्ट में इनोवा क्रिस्टा स्विफ्ट। चलाने के लिए ड्राइवर की आवश्यकता है। सैलरी क्रिस्टा- 25000, स्विफ्ट- 15000, + PF+ ESI+ पेंशन, संपर्क करें राहुल ट्रेवल्स रायपुर एयरपोर्ट मोबाइल 7399411411. (RO-3670)

हेल्पर

आवश्यकता है- पैकिंग काम करने हेतु , रहकर काम करने वाले हेल्पर लड़को की आवश्यकता है रूम सुविधा उपलब्ध है **पता बंजारी मंदिर के पास रावाभाटा रायपुर संपर्क - 7828735534** (RO - 1068)

मैकेनिक/मिस्त्री

आवश्यकता है- JCB 3DX मशीन, AJAX सीमेंट कंक्रीट मिक्सर मशीन, वाइब्रो रोलर, मेंटेनेंस कार्य हेतु, मिस्त्री, मैकेनिक, इंजीनियर, और JCB, AJAX मशीन चलाने हेतु ड्राइवर ऑपरेटर चाहिए। **सम्पर्क- बिलासपुर 9669211111, 9827175811, 8602111111.** (RO-3127)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 10वी 12वीं पास लड़के चाहिए सैलेरी 7000+ कमीशन+ बोनस, रहना, खाना फ्री, ट्रेनिंग के बाद कमाए 15 से 20 हजार महीना **सम्पर्क टिकरापारा बिलासपुर 9685471225, 6266578863.** (RO-32335)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य दुर्ग स्थित अधिवक्ता कार्यालय में कार्य करने हेतु लड़की की शीघ्र आवश्यकता है मोबइल फ्रेंडली को प्राथमिकता, वेतन योग्यतानुसार **संपर्क । मेसेज 7999847673. समय 12 से 5 तक** (RO -378)

आवश्यकता है- CG, MP, UP में ऑफिस कार्य हेतु 10वीं, 12वीं, स्नातक लड़के चाहिए सैलेरी 10000+ कमीशन+ बोनस + रेल किराया+ आवास, ट्रेनिंग पश्चात 15000 से 20000 **सम्पर्क- सरकंडा बिलासपुर 8871422576, 8827688865.** (RO-32296)

अन्य

आवश्यकता है- Reliance Jio 5G कंपनी (SMS SENDING CALLING JOB) करके लड़के- लडकिया, गृहणिया, रिटायर्ड पर्सन, स्टूडेंट घरबैठे कमाए (21500- 48500) महीना (लैपटॉप + मोबाइल मुफ़्त) NAME, **पता** QUALIFICATION, CALL / SMS / WHATSAPP **करें : - 8695963713.** (RO - 1306)

हरिभूमि क्लासीफाईड

आवश्यकता है- एयरपोर्ट (HEAD DEPARTMENT) हेतु सीधी भर्ती (पक्की परमानेंट नौकरी) अनपढ़, 8वीं, 10वीं, 12वीं, ग्रेजुएट (लड़के-लड़कियां) सैलरी (35400-83900) सुपरवाइजर, ग्राउंड स्टाफ, कंप्यूटर ऑपरेटर, चेकर, ड्राइवर, हेल्पर, गार्ड (फ्री रहना +खाना +मेडिकल) रायपुर **संपर्कः- 09310717928.** (RO-2358)

आवश्यकता है- **एयरपोर्ट हेतु पक्की जॉब लड़के - लड़कियां अनपढ़ / 8वीं 10वीं 12वीं ग्रेजुएट लोडर, हेल्पर, ड्राइवर, ग्राउंड सुपरवाइजर, कंप्यूटर ऑपरेटर, रहना खाना फ्री+ (कैब सुविधा) सैलरी 35,500/- से 85,500/- 9625271611** (RO - 1308)

आवश्यकता है- एयरपोर्ट (HEAD OFFICE) हेतु सीधी भर्ती (पक्की परमानेंट नौकरी) तुरंत ट्रेनिंग शुरू अनपढ़, 8वीं, 10वीं, 12वीं, ग्रेजुएट (लड़के- लड़कियां) सैलरी (34900- 81300) ग्राउंड स्टाफ, सुपरवाइजर, कंप्यूटर ऑपरेटर, चेकर, हेल्पर, गार्ड, ड्राइवर (फ्री रहना +खाना +मेडिकल) रायपुर **संपर्कः- 08882895824.** (RO-2369)

आवश्यकता है- Reliance jio 5G कंपनी में घर बैठे पार्ट/फुलटाइम (SMS JOB) करके लड़के/लड़कियां, ग्रहणीय, स्टूडेंट कमाए (18,500-48500) महीना लैपटॉप मोबाइल फ्री नौकरी हेतु नाम पता WhatsApp **करें 9631550466.** (RO-6697)

Astrology ज्योतिष

राजगुरू ज्योतिष - जन्मपत्रिका, हस्तरेखा, मंगलदोष, लक्ष्मीयोग, जमीनलाभ, शादीयोग, मनचाहा प्यार, नौकरी प्रमोशन, नशामुक्ति, पति-पत्नी झगड़ा किया कराया प्यार में धोखा, वशीकरण तलाक मार्ग दर्शन के लिए फोन करके मिले A TO Z समस्याओं का समाधान **पता:- ब्राह्मण पारा आजाद चौक रायपुर मोबाइल नंबर:- 8889131176.** (RO-1048)

Education शिक्षण

शीर्षक-फेल विद्यार्थी समय बचाए- पत्राचार ओपन प्राईवेट द्वारा 10वीं, 12वीं निश्चित सफलता के साथ पास करें B.ED, B.A, B.COM, B.Sc, BCA, MCA, BBA, M.A, M.COM, M.SC, MBA, MSW, B.LIB, M.LIB, DCA, PGDCA, POLYTECHNIC, B.Tech, (* अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करें*) सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा **संपर्कः-** Bharti Education Academy , Sector-6 Bhilai Mo.- 9826196515, 9826896515 (RO- 6313)

हरिभूमि

Property प्रापर्टी

फ्लैट

फ्लैट बेचना है- फ्लैट नं. 301, 302 तीसरे फ्लोर में कुल 1555 Sqft. में बना हुआ 4 बेडरूम, हाल, किचन, सर्वेंट रूम, स्टोर रूम, सर्वसुविधायुक्त फ्लैट बेंचना है। पता- श्रीराम रेसीडेंसी शंकरनगर व्हाईट हाऊस के पास रायपुर संपर्क करें- 9977345867 (RO - 1065)

दुकान/प्लाट

दुकान/ प्लाट बेचना है- 200 वर्ग फुट का दुकान, 2000. वर्ग फुट प्लाट , 850 वर्ग फुट प्लाट, 1500 वर्ग फुट प्लाट बेचना है । **संतोषी नगर पुराना धमतरी रोड रायपुर संपर्क करें- 8770094538** (RO -1064)

मकान

मकान बेचना है- चंगोराभाठा मे 750वर्गफुट 2BHK मकान, कार पोर्च, पीओपी किया हुआ स्वतंत्र नया मकान एवं रायपुरा विप्र नगर 1650फुट प्लॉट 31 दिसंबर के पहले बुकिंग करने पर इलेक्ट्रिक स्कूटर फ्री **संपर्कः- 9300505421, 9993451070.** (RO-2376)

मकान बेचना है- 44, नगर निगम कोलोनी (समता कालोनी) अग्रसेन चौक के पास पूर्व एवं उत्तर दिशा का कार्नर का मकान- नीचे-पहला एवं दूसरा मंजिल बना हुआ 1500 Sqft. का प्लाट एरिया बिक्री करना है। इच्छुक व्यक्ति **संपर्क करें- 94790-88739** (RO -1067)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

Purchase खरीदना

आरा मील

खरीदना है- आरा मील लायसेंस सहित खरीदना है। बेचने वाले संपर्क करें- 8827746933. (RO-1059)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

वर्ष 2024 : भारतीय खिलाड़ी दुनियाभर में फहराएंगे तिरंगा

क्रिकेट में इतिहास रचेंगे खिलाड़ी

इंग्लैंड का भारत दौरा

- 5 मैचों की टेस्ट सीरीज (25 जनवरी-11 मार्च)
- मेंस अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्ड कप (19 जनवरी-11 फरवरी 2024)
- वुमेंस प्रीमियर लीग (22 फरवी से 17 मार्च 2024)
- आईपीएल 2024 (23 मार्च से शुरू हो सकता है)
- मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2024 (4-30 जून 2024)
- वुमेंस टी20 वर्ल्ड कप (सितंबर-अक्टूबर 2024)

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वर्ष 2024 भारतीय खेल प्रशंसकों के लिए रोमांचक होने वाला है। बैडमिंटन, हॉकी, टेबल टेनिस से लेकर क्रिकेट तक, भारत इस साल कई तरह के खेल आयोजनों की मेजबानी करने के लिए तैयार है। इस साल पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए विभिन्न खेलों में क्वालीफाइंग दौर चलेंगे।

देश के बाहर भी बड़े खेल इवेंट होंगे। 2024 क्रिकेट के लिहाज से अहम रहने वाला है। इस साल पुरुष और महिला दोनों वर्गों में टी20 वर्ल्ड कप होगा। इतना ही नहीं, ये साल ओलंपिक वाला भी है। 2024 में पेरिस में खेलों के महाकुंभ का आयोजन होगा। इसके अलावा बैटमिंटन, टेनिस, फुटबॉल के भी बड़े टूर्नामेंट खेले जाएंगे।

टेनिस के इवेंट्स

ऑस्ट्रेलियन ओपन (14-28 जनवरी 2024)
फ्रेंच ओपन (26 मई-9 जून 2024)
विंबलडन (1-14 जुलाई 2024)
यूएस ओपन (26 अगस्त-8 सितंबर 2024)
एटीपी फाइनल्स (10-17 नवंबर 2024)
डब्लूटीए फाइनल्स (3-10 नवंबर 2024)

हॉकी इवेंट

एफआईएच मेंस हॉकी 5s (24-27 जनवरी 2024)
एफआईएच वुमेंस हॉकी 5s (28-31 जनवरी 2024)
एफआईएच वुमेंस हॉकी ओलंपिक क्वालिफायर्स (13-19 जनवरी 2024)
एफआईएच ओलंपिक क्वालिफायर्स (13-21 जनवरी 2024)

बैडमिंटन के टूर्नामेंट

इंडिया ओपन (16-21 जनवरी 2024)
सैयद मोदी इंटरनेशनल टूर्नामेंट (26 नवंबर-1 दिसंबर 2024)
थॉमस और उबेर कप (27 अप्रैल-5 मई 2024)
BWF वर्ल्ड टूर फाइनल्स (11-15 दिसंबर 2024)

दूसरे बड़े खेल आयोजन

2024 पेरिस ओलंपिक (26 जुलाई-11 अगस्त)
फॉर्मूला-1 2024 (29 फरवरी-9 दिसंबर)
मोटो जीपी 2024 (10 मार्च-17 नवंबर)
टूर डे फ्रांस (29 जून-21 जुलाई 2024)

क्रिकेट टीम का कार्यक्रम। (पुरुष)

- 1 टेस्ट बनाम साऊथ अफ्रीका (विदेश)
- 3 टी-20 बनाम अफगानिस्तान (घरेलू)
- 5 टेस्ट बनाम इंग्लैंड (घरेलू)
- टी20 वर्ल्ड कप 2024 (विदेश)
- श्रीलंका में 3 टी-20 और 3 वनडे बनाम श्रीलंका (विदेश)
- 2 टेस्ट और 3 टी20 बनाम बांग्लादेश (घरेलू)
- 3 टेस्ट बनाम न्यूजीलैंड (घरेलू)
- 4 टेस्ट बनाम ऑस्ट्रेलिया। (विदेश)

2024 में फुटबॉल के टूर्नामेंट

- एएफसी एशियन कप (12 जनवरी-10 फरवरी 2024)
- अफ्रीका कप ऑफ नेशंस (13 जनवरी-11 फरवरी 2024)
- यूरोपियन फुटबॉल चैंपियनशिप (14 जून-14 जुलाई 2024)
- कोपा अमेरिका 2024 (20 जून-14 जुलाई 2024)
- इंग्लिश प्रीमियर लीग (17 अगस्त-25 मई 2024)
- यूफा चैंपियंस लीग (17 सितंबर-31 मई 2024)

नडाल ने की कोर्ट पर वापसी, गर्मजोशी से हुआ स्वागत, लेकिन मैच में मिली हार

एजेंसी ▶▶| ब्रिसबेन

दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल ने करीब एक साल के बाद प्रोफेशनल टेनिस में वापसी की। वे जनवरी 2023 में चोटिल हुए थे और इसके बाद पहली बार रविवार 31 दिसंबर को ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में एक्शन में लौटे। उनको इस डबल्स मैच में हार मिली, लेकिन अच्छी बात ये थी कि जिस चोट (हिप इंजरी) ने उनको एक साल खेल से दूर रखा, उसने कोई परेशानी पैदा नहीं की। वे जल्द ही ऑस्ट्रेलियन ओपन में नजर आने वाले हैं। 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन, जो 14-28 जनवरी को होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन की तैयारी कर रहे हैं, 2023 की शुरुआत में मेलबर्न पार्क में अपने दूसरे दौर में हार के बाद कूल्हे की समस्या से जूझ रहे थे और जून में सर्जरी के बाद उनका साल का सीजन खत्म हो गया था।

युगल में मिली हार

नडाल ने अपनी वापसी के लिए रिटायर्ड अनुभवी मार्क लोपेज के साथ अपनी साझेदारी को फिर से शुरू किया, जिनके साथ उन्होंने 2016 में ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता था, लेकिन यह जोड़ी खचाखच भरे पैट राफ्टर एरिना में ऑस्ट्रेलियाई मैक्स परसेल और जॉर्डन थॉम्पसन से 6-4, 6-4 से हार गई।

हराकर अच्छा लगा

थॉम्पसन ने राफेल नडाल की वापसी को लेकर कहा, राफा को वापस देखकर बहुत अच्छा लगा। मैं सिंगल्स में कई बार हार का सामना कर चुका हूं, इसलिए उन्हें डबल्स के कोर्ट पर हराकर अच्छा लगा।

शानदार व्हिप शॉट्स : 37 वर्षीय नडाल का प्रशंसकों ने गर्मजोशी से स्वागत किया, जिन्होंने हाथों में स्पेनिश झंडे और समर्थन संदेश लिए हुए थे, जबकि सबसे जोरदार जयकार उनके ट्रेडमार्क व्हिप शॉट्स के लिए देखने को मिली।

यूनाइटेड कप : फर्नांडीज की दोहरी जीत

कनाडा ने चिली और अमेरिका ने ग्रेट ब्रिटेन को 2-1 से हराया

एजेंसी ▶▶| सिडनी

अमेरिकी ओपन की पूर्व फाइनलिस्ट लेयला फर्नांडीज के शानदार प्रदर्शन के दम पर कनाडा ने रविवार को यूनाइटेड कप टेनिस टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबले में चिली पर 2-1 से जीत दर्ज की। फर्नांडीज ने डेनिएला सेगुएल को 6-3, 6-2 से हराया। इसके बाद निकोलस जेरी ने स्टीवन डिएज़ को सीधे सेटों में हराकर चिली को ग्रुप बी के इस मुकाबले में बराबरी पर ला दिया। इसके बाद मिश्रित युगल के निर्णायक मैच में फर्नांडीज और डिएज़ ने सेगुएल और टॉमस बैरियोस वेरा के खिलाफ 7-5, 4-6, 10-8 से जीत हासिल की।

उधर पर्थ में खेले गए ग्रुप सी के मुकाबले में अमेरिका ने शुरू में पिछड़ने के बाद ग्रेट ब्रिटेन को 2-1 से हराया। ब्रिटेन की केटी बोल्टर ने विश्व में पांचवीं रैंकिंग की खिलाड़ी जेसिका पेगुला को एक सेट से पिछड़ने के बाद लगभग तीन घंटे में 5-7, 6-4, 6-4 से हराया। अमेरिका के विश्व में 10वीं रैंकिंग के टेलर फ्रिट्ज़ ने कैमरून नोरी को 7-6 (5), 6-4 से हराकर मुकाबला को बराबरी पर ला दिया। मिश्रित युगल में पेगुला और फ्रिट्ज़ ने बोल्टर और नील स्कूपस्की पर 1-6, 7-6 (4), 10-7 से जीत हासिल करके अमेरिका की जीत सुनिश्चित की।

आस्ट्रेलिया के खिलाफ क्षेत्ररक्षण काफी खराब

मुंबई। भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने स्वीकार किया कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे में क्षेत्ररक्षण काफी लचर रहा और इस विभाग में सुधार के लिए काम जारी है। भारतीय महिला टीम को इससे आस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार नौवीं श्रृंखला में हार का सामना करना पड़ा। भारत ने शनिवार को यहां क्षेत्ररक्षण में कई गलतियां की और सात कैच छोड़े। इसके बाद बल्लेबाजों के जूझने से टीम को तीन रन से हारकर श्रृंखला गंवानी पड़ी। आस्ट्रेलिया ने भारत में कभी भी वनडे श्रृंखला नहीं गंवाई है।

ऋषभ पंत की सफल वापसी की उम्मीद

दुबई। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन को 2024 में भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की सफल वापसी की उम्मीद है जो एक साल पहले हुई कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे और इससे उबर रहे हैं।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने हुसैन के हवाले से कहा, 'वो बहुत गंभीर दुर्घटना थी। पूरी दुनिया की सांसें थम गयी थीं और उनकी उबरने की प्रक्रिया भी धीमी रही। सोशल मीडिया पर उनके उबरने के बाद शुरूआती कदम और फिर जिम में ट्रेनिंग करते हुए और क्रिकेट खेलते हुए तथा रिकी पोंटिंग के साथ उनकी फोटो देखीं।'

टी20 श्रृंखला 1-1 से बराबर

न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश को 17 रन से हराया

एजेंसी ▶▶| माउंट मोनगानुई

मिशेल सैंटनर और जिम्मी नीशाम के बीच 46 रन की साझेदारी से न्यूजीलैंड ने रविवार को तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में बांग्लादेश को डकवर्थ लुईस पद्धति से 17 रन से हरा दिया। इससे बांग्लादेश की न्यूजीलैंड में पहली श्रृंखला जीतने की उम्मीद टूट गई और तीन मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर रही।

बांग्लादेश की पूरी टीम 19.2 ओवर में 110 रन पर सिमट गई थी। कप्तान नजमुल शांटो 17 रन बनाकर टीम के शीर्ष स्कोरर रहे। केवल पांच बल्लेबाज ही दोहरे अंक तक पहुंच पाये थे। लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड का शीर्ष क्रम फिर चरमरा गया और नौवें ओवर में टीम का स्कोर पांच विकेट पर 49 रन था। पर नीशाम (नाबाद 28 रन) और सैंटनर (नाबाद 18 रन) ने मिलकर 15वें ओवर तक न्यूजीलैंड को पांच विकेट पर 95 रन के स्कोर तक पहुंचाया।

विश्व कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में पहुंचना लक्ष्य : स्टिमक

दोहा। भारतीय फुटबॉल टीम आगामी एशियाई कप के ग्रुप में सबसे निचली रैंकिंग पर है और मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने रविवार को कहा कि टीम का मुख्य लक्ष्य 2026 विश्व कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में पहुंचने का है। स्टिमक एएफसी एशियाई कप में मिलने वाली चुनौती के आधार पर अपना आकलन कर रहे थे जिसमें उन्हें मुश्किल ग्रुप में महाद्वीप की मजबूत टीम आस्ट्रेलिया और शारीरिक रूप से मजबूत उज्बेकिस्तान से भिड़ना है। भारत को ग्रुप बी में विश्व कप की नियमित टीम आस्ट्रेलिया, मजबूत मध्य एशियाई टीम उज्बेकिस्तान और सीरिया के साथ रखा गया है जो फीफा रैंकिंग में स्टिमक की टीम से ऊपर हैं।

अनहत ने जीता स्कॉटिश जूनियर ओपन स्क्वाश अंडर-19 का खिताब

नई दिल्ली। भारत की प्रतिभाशाली युवा अनहत सिह ने शानदार प्रदर्शन की बदौलत एडिनबर्ग में हुए 2023 स्कॉटिश जूनियर ओपन स्क्वाश में बालिका अंडर-19 खिताब अपने नाम किया। अनहत ने शनिवार को फाइनल में घरेलू प्रबल दावेदार रोबिन मैकअल्पाइन पर 11-6, 11-1, 11-5 से जीत हासिल की। दिल्ली की इस खिलाड़ी के लिए यह शानदार वर्ष रहा जिसमें उन्होंने अंडर-19 और सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप का दोहरा खिताब जीता तथा एशियाई खेलों और शुरुआती एशियाई मिश्रित युगल चैंपियनशिप दोनों में अभय सिंह के साथ मिश्रित युगल में कांस्य पदक जीता। भारत के सुभाशीष चौधरी ने लड़कों के अंडर-15 फाइनल में हमवतन शिवेन अग्रवाल को 5-11, 11-4, 6-11, 11-8, 11-5 से मात दी जबकि श्रेष्ठ अय्यर ने लड़कों के अंडर-13 फाइनल में श्रेयांश जाह को 11-8, 11-8, 3-11, 11-8 से पराजित किया। शीर्ष वरीय भारतीय आद्या बुधिया ने बालिका अंडर-13 फाइनल और शीर्ष वरीय प्रभव बजोरिया ने लड़कों के अंडर-11 फाइनल में जीत हासिल की।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झाईं, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरुकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Makeover
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर
ई.एन.टी. हॉस्पिटल
(ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समयः सुबह 9.30 से 4.30 तक

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553

अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियलिटी सेन्टर)

डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
17, गुरुकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर,
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन
(MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

विज्ञापन हेतु संपर्क करें :
7987119756, 9303508133

भारत में 6 बार मनाया जाता है नववर्ष

चीन, थाईलैंड, श्रीलंका, कंबोडिया में हैं अलग परंपराएं

नई दिल्ली। आज से नया साल आ गया। दुनियाभर में नववर्ष की पूर्व संध्या से लेकर देर रात तक देश दुनिया में जमकर इंज्वॉय किया गया। हालांकि, पूरे विश्व में नया साल अलग-अलग तरीके से लोग अपनी-अपनी परंपराओं और रीति-रिवाजों से मनाते हैं। भारत विविधताओं से भरा देश है। भारत में लगभग हर मुख्य धर्म को मानने वाले लोग रहते हैं। हमारा देश सांस्कृतिक भिन्नताओं का धनी है। यूं कहें कि हर राज्य की अपनी अलग संस्कृति और परंपरा है, इसी के अनुसार अंग्रेजी कैलेंडर के अलावा भी नववर्ष मनाया जाता है।

ईसाई नया साल

सबसे पहले बात करते हैं ईसाई नववर्ष की। 1 जनवरी से नए साल मनाए जाने की शुरुआत 15 अक्टूबर 1582 से हुई थी। इसके कैलेंडर का नाम ग्रिगोरियन कैलेंडर है। माना जाता है कि जूलियस सीजर ने ईसा पूर्व 45वें वर्ष में जूलियन कैलेंडर बनाया। तभी से ईसाई नववर्ष मनाए जाने की परंपरा रही है। ईसाई वर्ष 1 जनवरी से शुरू होकर 31 दिसंबर तक 12 महीनों में बंटा हुआ है।

चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा से हिंदू नववर्ष का प्रारंभ माना जाता है। इसी दिन से नए संवत्सर की शुरूआत भी होती है। माना जाता है कि ब्रह्मा जी ने इसी दिन से सृष्टि की रचना प्रारंभ की थी। इसे गुड़ी पड़वा, उगादी आदि नामों से भारत के कई क्षेत्रों में मनाया जाता है। इस दौरान हिंदू धर्मावलंबी 9 दिन मां दुर्गा की उपासना करते हैं।

जैन नववर्ष दीवाली के दूसरे दिन से

आपको बता दें कि दीपावली के अगले दिन से जैन समुदाय के लोग अपना नववर्ष मनाते हैं। इसे वीर निर्वाण संवत भी कहा जाता है. इसी दिन से जैन अपना नया साल मनाते हैं। जैन ग्रथों के अनुसार महावीर स्वामी (वर्तमान अवसर्पिणी काल के अंतिम तीर्थंकर) को चर्तुदशी के प्रत्युष काल में मोक्ष की प्राप्ति हुई थी।

पारसी नववर्ष नवरोज उत्सव 19 अगस्त

पारसी धर्म का नया वर्ष नवरोज उत्सव के रूप में मनाया जाता है। आमतौर पर 19 अगस्त को नवरोज का उत्सव मनाया जाता है। 3 हजार साल पहले शाह जमशेदजी ने नवरोज मनाने की

पंजाबी नववर्ष

पंजाब में नया साल वैशाखी पर्व के रूप में मनाया जाता है। वैशाखी का ये त्योहार मार्च या अप्रैल के महीने में मनाया जाता है। माना जाता है कि पंजाब में किसान अपनी फसल काटने व खेती के काम से फुरसत होकर आनंद मनाते हैं। इस दिन पंजाब सहित पूरे देश में लोहिड़ी पर्व मनाया जाता है। सिख व पंजाबी धर्मावलंबी ढोल-ढमाकों पर पारंपरिक नृत्य करते हैं।

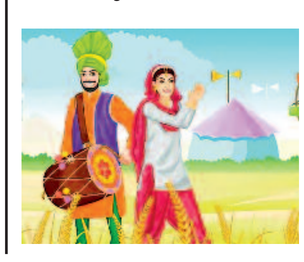

चीन में 20 जनवरी से 20 फरवरी

चीन में चंद्रमा आधारित कैलेंडर को माना जाता है। हर तीन साल में सूर्य आधारित कैलेंडर से इसका मिलान किया जाता है। इसी के हिसाब से इनका नववर्ष 20 जनवरी से 20 फरवरी के बीच पड़ता है। चीन के अलावा वियतनाम, दक्षिण कोरिया, उत्तर कोरिया और मंगोलिया में भी चंद्र कैलेंडर को माना जाता है। उसी के हिसाब से नववर्ष मनाया जाता है। थाईलैंड में 13 या 14 अप्रैल को थाईलैंड में जल महोत्सव या थाई नववर्ष, पहली जनवरी को नहीं, बल्कि अप्रैल के मध्य में मनाया जाता है। यहां 13 या 14 अप्रैल को नया साल मनाया जाता है। स्थानीय भाषा में इस दिन को सोंगक्रण कहा जाता है।

श्रीलंका व कंबोडिया में 13 या 14 अप्रैल को

कंबोडिया का नया साल 13 या 14 अप्रैल को मनाया जाता है। इस दौरान यहां के लोग शुद्धि समारोह में भाग लेते हैं। श्रीलंकाः इस देश में नया साल अप्रैल के मध्य में मनाया जाता है। नए साल के पहले दिन को अलुथ अवरुद्धा कहते हैं। नए साल पर श्रीलंकाई प्राकृतिक चीजों से स्नान करते हैं।

इस्लामिक नववर्ष मोहर्रम माह की पहली तारीख

इस्लामिक या हिजरी कैलेंडर के मुताबिक मुस्लिम धर्म के लोग मोहर्रम महीने की पहली तारीख को अपना नया साल मनाते हैं। इस्लामिक नववर्ष की शुरुआत 622 ईसा में हुई थी। हजरत मोहम्मद मक्का से निकलकर मदीना में बस गए तो इसे हिजरत कहा गया। इसी से हिज्र बना और उसी दिन से हिजरी कैलेंडर शुरू हुआ।

इस देश में नए साल की रात को अंगूर खाने की परंपरा

विभिन्न देशों में नए साल का जश्न अलग-अलग तरीकों से मनाया जाता है और नववर्ष का स्वागत करने के तौर-तरीके काफी विचित्रता एवं रोचकता लिए हुए हैं।

स्पेन में नए साल की रात को 12 बजे के बाद ताजे अंगूर खाने की परंपरा है। उनके अनुसार ऐसा करने से वे सालभर स्वस्थ रहते हैं। स्पेन और कुछ अन्य स्पैनिश भाषी देशों में नए साल की पूर्व संध्या को नोचे विएजा के नाम से जाना जाता है। लोगों के लिए कम से कम 12 बजे तक घर पर रहना पारंपरिक है और वे आधी रात के समय 12 अंगूर खाकर नए साल का जश्न मनाना पसंद करते हैं।

दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग में मान्यता है कि नये साल के स्वागत में घर का गैर ज़रूरी सामान बाहर कर दिया जाता है, लेकिन इसे कबाड़ी को बेचना या फिर रीसेल करने जैसा सिस्टम नहीं है बल्कि अपनी खिड़कियों से लोग खास तौर से पुराना फर्नीचर बाहर फेंकते हैं। दक्षिण अमेरिका के कुछ देशों में नए साल की पूर्व संध्या के मौके पर आप लोगों को सामान्य जगहों पर सूटकेस लिए हुए घूमते देख सकते हैं। इसके पीछे लोग मानते हैं कि खाली सूटकेस लेकर वॉक करने का मतलब यह है कि आने वाला साल रोमांचों से भरा रहेगा।

पिता अपनी पुत्रियों को देता है एक हजार पिन

जर्मनी में प्रचलित परंपरा के अनुसार नव वर्ष के मौके पर पिता अपनी पुत्रियों को एक हजार पिन या उनकी कीमत के बराबर कोई उपहार देता है। ऐसा करना यहां सुख-समृद्धि एवं सौभाग्य का सूचक माना जाता है। बेटियों को पिन भेंट करने की प्रथा के कारण ही इस मौके को यहां 'पिनपिनी' के नाम से भी जाना जाता है।

कैंसर सर्जरी
पश्चात अंगों का
पुनःनिर्माण
(जबड़ा, स्तन व अन्य)
छ.ग.शासन से मान्यता प्राप्त
कालड़ा बर्न एवं
प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay 9827144371

*Terms & conditions apply. Product shown in the picture may vary from the actual product available in the market. Accessories shown in the product are not part of the standard equipment.

Down Payment 5999* | Low ROI @ 9.99%* | 100 Pe100* | No Hypothecation*

For dealer details, WhatsApp or missed call on 7230032200 or scan the QR Code

1. Connect earphones 2. Scan QR code 3. Enjoy the video

Honda Motorcycle & Scooter India Pvt. Ltd., Registered Office: Plot No. 1, Sector - 03, IMT Manesar, Distt. Gurugram, (Haryana) – 122050, India; **Website:** www.honda2wheelersindia.com; **Customer Care:** customercare@honda2wheelersindia.com

Honda Exclusive Authorized Dealerships: AARANG: V Shree Honda - 9993908971, 9893728947; ABHANPUR: Patel Honda - 9009328660; BAGBHARA: Sri Sai Honda - 7697767777; BALODA BAZAR: Kiran Honda - 7049518181, 8839950369; BASNA: Laxmi Honda - 9174137571; BEERGAON: Vishwanath Honda - 9300133077; PALARI: Shri Ram Honda - 8305759763; BEMETARA: Sri Rama Honda - 8827050000, 7824222521, 8827120000; BHAKARA: Nitesh Honda - 9907975628; BHATAPARA: Kiran Honda - 9111353292; BHILAI: Anaal Honda - 9589090022/26/29, 9589090024/27; Aan Honda (Nehrunagar) - 9826635600, 0788-4013336; BIJAPUR: Ansh Honda - 9424299203; CHARODA: Rahul Honda - 9827193194; CHARAMA: Neeraj Honda - 9425230052; CHUIKHADAN: Shri Radhey Honda - 9691692500; DALLIRAJHARA: Shri Subh Honda - 7748285747, 9406082344; Shri Subh Honda(Balod)- 9425564232, 9584077772; DHAMTARI: ShriShyam Honda - 07722-233255, 9827900750; DHARSIVA: R S.Honda - 9669880000; DONDEKHURD: Yash Honda - 9826146586; DONGARGARH: Gagan Honda - 9806869214; DURG: Shree Sairam Honda - 0788-4017246, 0788-4017740, 9827349450; Dharamsheela Honda (Dhamdha) - 9303035678; FINGESHWAR: Bangani Honda- 9425402966; GIDHORI: Subhkamana Auto -7389320271; GUNDERDEHI: Sapan Honda - 7354340000, 0788-2628333; GURUR: Baba Honda - 9827936712; JAGDALPUR: Waheguru Honda - 7587006395, 9425590501, 8435090001; KONDAGAON: Danteshwari Honda - 9294566660; SUKMA: Akash Honda - 9424287457, 7587341845; PHARASGAON: Shri Deo Honda - 9993861735; KANKER: Shivnath Honda - 8720008800, 9644059600; KASDOL: Laxmi Honda - 8871233553; KESHKAL: Chattishgarh Honda - 9993293467; KHAIRAGARH: Akshat Honda - 9406534734; KURUD: Shri Shyam Honda - 07705223590, 8817898279; MAGALOAD: Dewangan Honda - 9098136447; MAHASAMUND: Sri Aryan Honda - 8120070000, 08964022000; MANDIR HASAUD: Gurukripa Honda - 9827892427: NAGRI: Nahta Honda- 9424211105; NAWAGARH: Raja Honda - 9826067896; PAKHANJUR: Disha Honda - 6261666932, 9406453860, PANDUKA (GARIABAND): Shresth Honda - 8109902966; RAIPUR: A City Honda - 8871906000; G.K Honda - 8058254444, 9826142444; Grand Honda - 8889663336; Varun Honda - 9977248100; A City Honda (Bhatagaon) - 9644132000; A City Honda (Kalibadi) - 7828282600; Varun Honda (Fafadih) - 9617078000; GK Honda (Motibagh) - 8120730003; Hemant Honda (Nawapara, Rajim) - 9165460474; RAJIM: Gulab Honda - 8839708788; RAJNANDGAON: Anshdeep Honda - 07744-223100, 9425559359, 9303730201; Manraj Honda - 07744-223333, 8435999991, 8435999992; Rakesh Honda (Dongarhgaon) - 9893419781, 8815055550; Ashirwad Honda (Churiya) - 9826338415, 94242157777; Shyam Honda (Saragaon) - 8461930088; SEJBAHAR: R.S Honda - 9754123000; KHARORA: B.K Honda - 9867224777; TILDA: Agrawal Honda - 9424200104; UTAI: Ganpati Honda - 09926083389; AMBAGARH CHOWKI: Nihal Honda - 8719911000, 9165143484; SARAIPALI: Pukraj Honda - 8889798000.

For Bulk/Institutional enquiries, please write us at: institutionalsales@honda2wheelersindia.com

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com